वर्ष-31, अंक- 290, पृष्ठ-12 | श्रावण शुक्ल पक्ष 12, संवत 2082 | डालटनगंज (मेदिनीनगर) एवं रांची से एक साथ प्रकाशित | रजिस्ट्रेशन नंः आरएनआई. 61316/94 | www.rastriyanaveenmail.com

डालटनगंज (मेदिनीनगर)
बुधवार
06 अगस्त 2025

ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

₹2.00

हर पक्ष की खबर | हर पक्ष पर नजर

पेज 10

एक नजर

जनसेवा व आदिवासी सशक्तिकरण के लिए समर्पित रहे दिशोम गुरु : प्रफुल्ल

मेदिनीनगर। भाजपा के युवा और सक्रिय नेता प्रफुल्ल कुमार सिंह ने झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा कि दिशोम गुरु शिबू सोरेन एक ज़मीनी नेता थे, जिन्होंने जनसेवा को अपना जीवन लक्ष्य बनाया। उन्होंने आदिवासी समाज, वंचितों और गरीबों के सशक्तिकरण के लिए जो कार्य किए, वे हमेशा स्मरणीय रहेंगे। उनका जीवन संघर्ष और समर्पण की मिसाल है। उनके निधन से अपूरणीय क्षति हुई है। मेरी संवेदनाएँ उनके परिवारजनों और सभी प्रशंसकों के साथ हैं। ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें।

प्रकृति की आंखें भी छलक उठीं

'दिशोम गुरु' शिबू सोरेन की अंतिम यात्रा नेमरा में जैसे ही श्मशान पहुंची, प्रकृति की आंखें भी छलक उठीं। मूसलाधार बारिश शुरू हो गई। लेकिन, इसके बावजूद जनसैलाब पीछे नहीं हटा। लोगों ने बारिश में भीगते हुए अपने नेता को अंतिम विदाई दी। नेमरा में अंतिम संस्कार में लोगों का जनसमुद्र उमड़ पड़ा था। सभी लोग उदास नजर आए, कई लोगों की आंखों में आंसू थे।

व्हाट्सएप से सीधे जुड़ें

1994 से अनवरत हम आपके लिए समाचारों को प्रमुखता की नीति पर कार्य करते रहे हैं। इसे और सुगम बनाने के लिए एक विशेष व्हाट्सएप नंबर **72094 53444** पर आप सीधे अपनी परखी हुई सच्ची खबर फोटो सहित संक्षेप में भेज सकते हैं। आपत्तिजनक बातें भेजने पर आइटी एक्ट के अंतर्गत कार्रवाई हो सकती है। यदि आपको अखबार की प्रति नहीं मिल पा रही है या विज्ञापन देना चाहते हैं तो इस नंबर पर **72094 03444** संपर्क करें।

आज / कल

पैतृक गांव नेमरा में हुई झारखंड आंदोलन के पुरोधा शिबू सोरेन की अंत्येष्टि, उमड़ा जनसमुद्र

दिशोम गुरु शिबू सोरेन पंचतत्व में विलीन

- सीएम सोरेन ने पारंपरिक रीति-रिवाज के साथ दी मुखाग्नि
- गुरुजी को राजकीय सम्मान के साथ दी गई अंतिम विदाई
- देश और झारखंड के कई दिग्गज नेता हुए शामिल

नवीन मेल संवाददाता

रामगढ़। झारखंड आंदोलन के पुरोधा, झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के संस्थापक, पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सदस्य 'दिशोम गुरु' शिबू सोरेन मंगलवार को पंचतत्व में विलीन हो गए। दिशोम गुरु का पार्थिव शरीर पंचतत्व में विलीन होने के साथ झारखंड में एक युग का अवसान हो गया। उनका अंतिम संस्कार रामगढ़ जिले के गोला प्रखंड के पैतृक गांव नेमरा में पूरे राजकीय सम्मान के साथ किया गया। गुरुजी के मंझले बेटे मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने पारंपरिक रीति-रिवाज एवं रस्म के साथ उन्हें मुखाग्नि दी।

चिता में अग्नि प्रज्वलित होते ही हेमंत सोरेन और उनके छोटे भाई बसंत सोरेन की आंखें छलक उठीं। वहां मौजूद सभी लोगों की आंखें भी नम हो गईं।

ज्ञात हो कि 81 वर्षीय शिबू सोरेन का निधन सोमवार की सुबह दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में हुआ था। उनके निधन पर राज्य सरकार ने तीन दिवसीय राजकीय शोक की घोषणा की है।

गुरुजी की अंतिम यात्रा नगाड़ों की गूंज और 'वीर शिबू सोरेन अमर रहें' के उद्घोष के बीच निकाली गई। नेमरा में रास्तों और घाट पर इतनी भीड़ थी कि पांव रखने की भी जगह नहीं थी। परिवार के सदस्य, झारखंड के कई बड़े नेता और बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे। 'दिशोम गुरु' की अंतिम विदाई में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, केंद्रीय मंत्री जुएल ओराम, पूर्णिया से सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव, बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री राजद नेता तेजस्वी यादव, टीएमसी सांसद डेरेक ओब्रायन सहित विभिन्न दलों के वरिष्ठ नेता इसमें शामिल हुए। शिबू सोरेन के अंतिम संस्कार में सांसद सुखदेव भगत, पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा, मंत्री योगेंद्र प्रसाद, आजसू के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश महतो, रामगढ़ विधायक ममता देवी, झामुमो के रामगढ़ जिलाध्यक्ष बिनोद किस्कू सहित हजारों लोग शामिल हुए। मंगलवार की सुबह 10:45 बजे मोरहाबादी स्थित आवास से अंतिम यात्रा शुरू हुई थी। दिशोम गुरु का पार्थिव शरीर पहले झारखंड विधानसभा ले जाया गया, जहां राजकीय सम्मान के साथ उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। रांची में सोमवार शाम से मंगलवार की सुबह तक हजारों लोगों ने अंतिम दर्शन किए। अंतिम संस्कार के लिए दिशोम गुरु के पार्थिव शरीर को एक सुसज्जित वाहन पर उनके पैतृक गांव नेमरा लाया गया। वाहन पर राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन स्वयं मौजूद थे। तिरंगे में लिपटा गुरुजी का पार्थिव शरीर जैसे ही नेमरा पहुंचा, गांववासियों की भीड़ उमड़ पड़ी। दिशोम गुरु के पार्थिव शरीर को रांची से नेमरा लाने के क्रम में विभिन्न जगहों पर आमलोगों एवं राजनीतिक दलों के सदस्यों ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। इधर, पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन के अंतिम संस्कार के क्रम में मंगलवार को रामगढ़ के उपायुक्त फैज अक अहमद मुमताज, पुलिस अधीक्षक अजय कुमार और जिले के अन्य पदाधिकारी व्यवस्था पर लगातार नजर रखे हुए थे।

अलविदा गुरुजी

जीवन के सबसे कठिन दिनों से गुजर रहा हूं : हेमंत सोरेन

- मेरे सिर से सिर्फ पिता का साया नहीं गया, झारखंड की आत्मा का स्तंभ चला गया
- मुख्यमंत्री सोरेन ने सोशल मीडिया पर साझा किए अपने पिता से जुड़ी भावनाएं

नवीन मेल डेस्क

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने मंगलवार को अपने दिवंगत पिता राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सदस्य शिबू सोरेन से जुड़ी भावनाओं को सोशल मीडिया पर साझा किया। मंगलवार की सुबह उन्होंने 'एक्स' हैंडल और फेसबुक पर मार्मिक पोस्ट में लिखा, मैं अपने जीवन के सबसे कठिन दिनों से गुजर रहा हूं। मेरे सिर से सिर्फ पिता का साया नहीं गया, झारखंड की आत्मा का स्तंभ चला गया। मैं उन्हें सिर्फ 'बाबा' नहीं कहता था, वे मेरे पथप्रदर्शक थे, मेरे विचारों की जड़ थे, और उस जंगल जैसी छाया थे, जिसने हजारों-लाखों झारखंडियों को धूप और अन्याय से बचाया।

सीएम सोरेन ने लिखा है, गुरुजी सिर्फ उनके 'बाबा' नहीं थे, बल्कि उनके जीवन के सबसे बड़े शिक्षक, प्रेरक और संघर्ष की मिसाल थे। उन्होंने बचपन के संस्मरण साझा करते हुए कहा, मैंने उन्हें देखा है हल चलाते हुए, लोगों के बीच बैठते हुए, सिर्फ भाषण नहीं देते थे, लोगों का दुख जीते थे। बचपन में जब मैं उनसे पूछता था- बाबा, आपको लोग दिशोम गुरु क्यों कहते हैं? तो वे मुस्कुराकर कहते, क्योंकि बेटा, मैंने सिर्फ उनका दुख समझा और उनकी लड़ाई अपनी बना ली। वह उपाधि न किसी किताब में लिखी गई थी, न संसद ने दी, झारखंड की जनता के दिलों से निकली थी।

हेमंत सोरेन ने आगे लिखा है, बचपन से ही मैं उन्हें जनजातीय समाज, गरीब, वंचित और शोषितों की आवाज उठाते देखता रहा हूं। उन्होंने अपने संघर्ष से झारखंड राज्य का सपना साकार किया। लेकिन, सत्ता उनके लिए कभी लक्ष्य नहीं रही, बल्कि वह जनसेवा के माध्यम भर थी।

दिशोम गुरु शिबू सोरेन की जीवन सादगी, नैतिकता और संघर्ष का उल्लेख करते हुए उन्होंने लिखा, मैंने उनसे सीखा कि कैसे कठिन परिस्थितियों में भी अपने सिद्धांतों पर अडिग रहा जाता है। उन्होंने कभी हार नहीं मानी, कभी झुके नहीं। वे झारखंड की आत्मा थे, और रहेंगे।

मुख्यमंत्री ने यह भी लिखा है कि वे अपने पिता के अधूरे सपनों को पूरा करने का संकल्प लेते हैं। उन्होंने लिखा, मैं, आपका बेटा, आपका वचन निभाऊंगा। झारखंड आपका कर्जदार रहेगा।

फफक कर रोने लगीं रूपी सोरेन

नेमरा में जिस समय गुरुजी के पार्थिव शरीर को अंतिम संस्कार के लिए ले जाया जा रहा था, उस समय उनकी पत्नी रूपी सोरेन फफक कर रोने लगीं। तब उनकी बहू मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की धर्मपत्नी और विधायक कल्पना सोरेन उन्हें संभालती रहीं। नेमरा में गुरुजी के पार्थिव शरीर को घाट पर ले जाने के दौरान राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन भी फूट-फूटकर राते दिखे। मुख्यमंत्री के दोनों पुत्र भी रो रहे थे।

रो पड़ा पूरा नेमरा

दिशोम गुरु के निधन की जानकारी मिलने के बाद से ही उनके पैतृक गांव नेमरा में उदासी और सन्नाटा पसरा था। हर कोई गमगीन था। घरों में चूल्हे तक नहीं जले थे। वहीं, मंगलवार को जैसे ही शिबू सोरेन का पार्थिव शरीर पैतृक आवास पहुंचा, पूरा नेमरा रो उठा। परिजन एवं सगे-संबंधी समेत राज्य के दूर-दराज से आए लोगों की आंखों से आंसू छलक रहे थे। सभी ने दिशोम गुरु को नमन कर अंतिम विदाई दी। दिवंगत शिबू सोरेन का पार्थिव शरीर उनके नेमरा स्थित पैतृक आवास में अंतिम दर्शनार्थ रखा गया था। हजारों-हजार की संख्या में लोगों ने गुरुजी को नम आंखों से श्रद्धांजलि दी।

'अंतिम जोहार' के लिए उमड़ा जन सैलाब

क्या आम और क्या खास, दिवंगत शिबू सोरेन के 'अंतिम जोहार' के लिए नेमरा गांव में जन सैलाब उमड़ पड़ा था। उनके अंतिम दर्शन के लिए राज्य के अलग-अलग कोनों से लोग पधारे थे। इनमें अति विशिष्ट व्यक्ति से लेकर आम जन तक, हर कोई शामिल था। हर किसी ने झारखंड राज्य के प्रणेता, पथ प्रदर्शक और मार्गदर्शक दिशोम गुरु को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान हर किसी का दिल उदास, व्यथित और आंखें नम थी।

गांव की मिट्टी में बसे थे गुरुजी के संस्कार

- जामुंडीह में ग्रामीणों से मिले, फर्जी एनकाउंटर पर जताई थी नाराज़गी; बेसन के हलवे ने छुआ था दिल

नवीन मेल संवाददाता

नीलाम्बर-पीताम्बरपुर। झारखंड आंदोलन के पुरोधा और जननायक शिबू सोरेन उर्फ गुरुजी का पलामू से भी आत्मीय रिश्ता रहा है। वर्ष 2005 में मुख्यमंत्री बनने से ठीक पहले उन्होंने पलामू जिले के लेस्लीगंज प्रखंड अंतर्गत जामुंडीह गांव का दौरा किया था। यह दौरा उन्होंने माओवादी अजय यादव के एनकाउंटर के बाद उसके परिजनों से मिलने के लिए किया था। उन्होंने इस मुठभेड़ को फर्जी करार देते हुए मौके पर एक छोटी सभा को भी संबोधित किया था। इस दौरे में झामुमो के तत्कालीन केंद्रीय समिति सदस्य अनुज तिवारी के आग्रह पर गुरुजी रामस्वरूप तिवारी के घर पहुँचे थे। जैसे ही लोगों को उनके आने की खबर लगी, देखते ही देखते गांव और आसपास के सैकड़ों ग्रामीण-महिलाएं, पुरुष- उनसे मिलने और स्वागत के लिए उमड़ पड़े थे। इस दौरान उन्होंने जनसमस्याओं को गंभीरता से सुना और समाधान का भरोसा दिलाया। गांववालों को तब इस बात का अंदाज़ा भी नहीं था कि जिनसे वे इतने आत्मीय भाव से संवाद कर रहे हैं, वह महज़ कुछ दिनों बाद झारखंड के मुख्यमंत्री बनने वाले हैं। दौरे के 15 दिन बाद ही गुरुजी ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी।

बेसन का हलवा बना आत्मीयता का स्वाद : गुरुजी को खाने में बेसन का हलवा बेहद पसंद था। जामुनडीह प्रवास के दौरान तिवारी परिवार ने उनके लिए विशेष रूप से यही हलवा तैयार कराया था। गुरुजी ने आत्मीय मुस्कान के साथ उसका स्वाद लिया और परिवार को धन्यवाद देते हुए कहा था "यही है गांव की असली मिठास।" उनके साथ इस दौरे में वर्तमान मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन भी मौजूद थे। गुरुजी के इस ऐतिहासिक दौरे की स्मृतियां आज भी जामुंडीह के लोगों के मन में ताजा हैं। गुरुजी ने केवल राजनीतिक नहीं, मानवीय रिश्ते भी जोड़े थे। गुरुजी के निधन पर पलामू के कई प्रमुख नेताओं और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने गहरी शोक संवेदना प्रकट की है। शोक व्यक्त करने वालों में अनुज तिवारी, वरुण तिवारी, अमित तिवारी, रूद्र शुक्ला, जितेंद्र तिवारी, वरुण जायसवाल, अनुज जायसवाल, बलकेश पासवान, तारकेश्वर पासवान सहित कई गणमान्य शामिल हैं।

राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार और विधानसभा अध्यक्ष रबींद्र नाथ महतो ने मंगलवार को झारखंड विधानसभा परिसर में दिशोम गुरु शिबू सोरेन के पार्थिव शरीर पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। साथ में थे शिबू सोरेन के पुत्र मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, सांसद पप्पू यादव एवं अन्य लोग।

इंडिया

क्या हेमंत पूरा कर पाएंगे गुरुजी के अधूरे सपने ?

सुनील बादल
कार्यकारी संपादक

गुरूजी पंचतत्व में विलीन हो गए हैं पर झारखंड में आज भी उनके समर्थकों और प्रशंसकों के बीच उनकी अमित स्मृतियां अंकित हैं जो शायद कभी न मिट पाएं । भारत में अनेक आदिवासी नेता हुए जिनमें से अब तक लगभग 30 आदिवासी नेता मुख्यमंत्री भी बने पर सर्वाधिक चर्चा दिशोम गुरु शिबू सोरेन की हुई ।13 वर्ष की आयु में पिता की हत्या के बाद 9 वीं में पढ़ाई छोड़ दी और निश्चय किया कि वे तत्कालीन सूदखोरों और शोषक प्रवृति के विरुद्ध अपनी लड़ाई आगे बढ़ाएंगे। शुरुआती दिनों में उन्होंने गांव की बरलंगा पंचायत में मुखिया का चुनाव लड़ा था। लेकिन महाजनों के छल-प्रपंच के कारण वे चुनाव हार गये थे। इस हार को चुनौती के रूप में लेकर सांसद, केन्द्रीय मंत्री, विधायक और मुख्यमंत्री तक बने पर कभी किसी जाति,धर्म या समुदाय के प्रति विद्वेष नहीं रखा यही कारण है कि उनके समर्थक बढ़ते गए और उन्होंने आंदोलन की उग्रता के बीच भी आज की तरह जातीय या धार्मिक विद्वेष की राजनीति नहीं की । उनके आंदोलन के बीच प्रचलित था कैसे लेगा झारखंड जवाब था लड़ के लेंगे झारखंड पर उस लड़ाई में भी आंदोलन था हिंसा नहीं थी । तब के झारखंड बंद के दौरान पूरे दक्षिण बिहार में बंद का

असर देखने को मिलता था और सभी राज्यों के ट्रकों ने अपनी गाड़ियों के सामने जय झारखंड लिखवा रखा था जो नेशनल परमिट के तहत पूरे भारत में चलतीं थीं । आज उनकी देश भर में चर्चित झारखंड मुक्ति मोर्चा पार्टी सबसे मजबूत स्थिति में है और उनके सुपुत्र हेमंत सोरेन स्पष्ट बहुमत के साथ अपने पिता की विरासत संभाल रहे हैं पर अब उनका उनकी पार्टी का और झारखंड का एक ऐतिहासिक मोड़ आ चुका है जिसमें गुरूजी नहीं हैं। हालांकि उन्होंने पिछले और वर्तमान कार्यकाल में जिस राजनीतिक और प्रशासनिक कौशल का परिचय दिया है वह उनकी पार्टी में उत्साह भरने के लिए काफी है पर चुनौतियां भी कम नहीं हैं जिसके बारे में उन्होंने अपने पिता के निधन के बाद कहा था कि वे सिर्फ उनकी बाबा नहीं बल्कि उनके पथप्रदर्शक थे और वे अपने जीवन के सबसे कठिन दिनों से गुजर रहे हैं । एक सधे राजनेता की तरह उभरे हेमंत ने केंद्र से टकराव के बजाय जिस दृढ़ता और शालीनता से अपने अधिकारों की मांग रखी और सार्वजनिक जीवन में विनम्रता का परिचय देते हुए मेट्रो ट्रेन को स्वीकृति देने की मांग की और रांची में दशकों से लंबित फ्लाई ओवरों की शुरुआत कराई इससे उनकी इस पारी में विकास की तेज गति की अपेक्षा की जा सकती है जिस समृद्ध झारखंड का सपना गुरूजी ने देखा था ।

झारखंड निर्माता को अंतिम विदाई देने पहुंचे डीआईजी नौशाद आलम, मुख्यमंत्री को बंधाया ढांढस

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। झारखंड आंदोलन के प्रणेता, पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सांसद शिबू सोरेन के निधन से समूचे राज्य में शोक की लहर है। इसी क्रम में पलामू प्रक्षेत्र के डीआईजी नौशाद आलम ने भी भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए अपने सामाजिक दायित्व का गहरा निर्वहन किया। उन्होंने न सिर्फ प्रशासनिक अधिकारी के रूप में, बल्कि एक संवेदनशील नागरिक के तौर पर दिशोम गुरु को अंतिम विदाई देने के लिए उपस्थित होकर समाज के प्रति अपने जुड़ाव को दर्शाया।

पूर्व मुख्यमंत्री के अंतिम संस्कार में भाग लेकर डीआईजी नौशाद आलम ने यह स्पष्ट किया कि मानवता, संवेदना और कर्तव्य एक-दूसरे से अलग नहीं हैं। मौके पर उन्होंने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात कर शोक संवेदना व्यक्त की और गहरी सांत्वना देते हुए कहा—दिशोम गुरु का जाना केवल झारखंड ही नहीं, पूरे देश के आदिवासी समाज और जन आंदोलनों के लिए एक अपूरणीय क्षति है। संकट की इस घड़ी में ईश्वर मुख्यमंत्री को धैर्य और सहनशक्ति प्रदान करें।

एक नजर

दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर शोक जताया

मोहम्मदगंज। विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं ने दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर शोक व्यक्त किया है। उन्होंने शोक संदेश में कहा कि इनके निधन से राज्य की सामाजिक-राजनीतिक क्षेत्र को अपूरणीय क्षति पहुंची है। जिसकी भरपाई संभव नहीं है। उन्होंने उनकी आत्मा की शांति व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन सहित शोकाकुल परिवार को इस दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। शोक व्यक्त करने में वरिष्ठ कांग्रेसी सत्यनारायण सिंह, रामजन्म राम, अफरोज अहमद सिद्दीकी, कुश कुमार सिंह उर्फ मंटू सिंह, नदीम खान,राहुल सिंह, महताब सिद्दीकी, राजद नेता पंचू रजवार, सिद्धार्थ कुमार, गणेश मेहता, मनोज कुमार सिंह, सूर्यदेव यादव, पूर्व मुखिया पंचम खान, मुखिया अबूनसर सिद्दीकी, उमेश राम और झामुमो प्रखंड अध्यक्ष रामबचन बैठा सहित अन्य कई के नाम शामिल हैं।

भाजपा का कार्यशाला 8 अगस्त को 11 बजे से

हुसैनाबाद। भारतीय जनता पार्टी हुसैनाबाद के द्वारा आगामी 8 अगस्त दिन शुक्रवार को समय प्रातः 11 बजे पूर्व मंत्री कमलेश कुमार सिंह के आवासीय कार्यालय में हर घर तिरंगा अभियान को लेकर कार्यशाला आयोजित की गई है। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिला मंत्री सोमेश सिंह उपस्थित रहेंगे। जानकारी देते हुए इस संबंध में हुसैनाबाद ग्रामीण मंडल के संयोजक अखिलेश मेहता ने बताया कि उक्त कार्यक्रम में सभी मंडल में निवास करने वाले प्रदेश पदाधिकारी एवं प्रदेश कार्यसमिति सदस्य, प्रदेश के मंच मोर्चा के पदाधिकारी एवं जिला पदाधिकारी, मंडल पदाधिकारी मोर्चा मंडल अध्यक्ष व महामंत्री को इस कार्यक्रम के संयोजक एवं सह संयोजक सहित सभी भाजपा कार्यकताओं से आग्रह किया है कि आप इस कार्यक्रम में समय पर उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है।

दो फरार अभियुक्तों के घर चिपकाया इश्तेहार

हैदरनगर। लंबे समय से हैदरनगर थाना क्षेत्र के दो फरार अभियुक्तों के घर के अलावे सार्वजनिक स्थानों पर स्थानीय पुलिस ने इश्तेहार चिपकाया है। थाना प्रभारी अफजल अंसारी ने बताया कि हैदरनगर थाना कांड संख्या 21 / 1999 एसटी नं. 315 / 2013 के फरार अभियुक्त इस थाना क्षेत्र के सलैया टीकर गांव निवासी अर्जुन रजवार के पुत्र नंदा रजवार और संड़ेया गांव निवासी स्व. भुलन रजवार के पुत्र दिनेश रजवार के घर के अलावे पंचायत भवन और चौक चौराहा पर माननीय जिला न्यायालय में अविलंब आत्मसमर्पण करने को लेकर इश्तेहार उनके दिशा निर्देश अनुसार सअनि आजम अंसारी ने दलबल के विधिवत चिपका दिया है। उन्होंने कहा कि इसके बावजूद उक्त अभियुक्तों ने आत्मसमर्पण नहीं किया तो माननीय जिला न्यायालय के आदेशानुसार कुर्की आदि अग्रेत्तर कार्रवाई की जायेगी।

हाड़ीयही डैम में डूबने से एक युवक की मौत

नौडीहा बाजार। लगातार बारिश होने से हाड़ीयही डैम उफान पर है। जिसे दर्जनों लोग प्रतिदिन देखने जाते हैं और कुछ लोग अपने आप को तैराकी समझ कर ऊपर से ही कूद कर नहाते हैं। कल दिन सोमवार को छतरपुर खजुरी नौडीहा निवासी सुरेंद्र यादव के पुत्र मंदीप कुमार को नहाने के दौरान पैर फिसलने से गहरे पानी में चला गय, जिस से डूबकर मौत हो गया। वहीं सूचना मिलते ही नौडीहा पुलिस ने शव को निकाल पोस्टमार्टम हेतु सदर अस्पताल डाल्टनगंज भेजा।

निधन पर शोक

मोहम्मदगंज। हैदरनगर के भाई बिगहा निवासी पत्रकार जफर हुसैन के अनुज व खूंटी जिला के वरिष्ठ पत्रकार मुजफ्फर हुसैन उर्फ प्रिंस (57) का आकस्मिक निधन पर स्थानीय पत्रकारों ने गहरा दुःख प्रकट करते हुए उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। शोकाकुल परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की। शोक व्यक्त करने में वरीय पत्रकार शंभू चौरसिया के अलावा कुन्दन चौरसिया,अनूप कुमार, राकेश कुमार सिंह और बिट्टू सिंह शामिल थे।

जंगली मशरूम की तलाश में निकली मां-बेटी व नतिनी की काशीस्रोत डैम के समीप डूबने से मौत

नवीन मेल संवाददाता

मोहम्मदगंज। थाना क्षेत्र के गोड़ाडीह पंचायत अंतर्गत बटऊआ (आजादनगर) गांव से रविवार की सुबह खुखड़ी (जंगली मशरूम) की तलाश में भैंसबेरवा जंगल और गौराहाबांध की ओर निकली मां, बेटी और नातिन की पहाड़ी नदी पार करते समय डूबने से दर्दनाक मौत हो गई। जिनका शव 72 घंटे बाद मंगलवार की सुबह काशीस्रोत डैम के पास उपलाता हुआ मिला। ग्रामीणों से मिली सूचना व जानकारी पर एसआई शेख मोहम्मद अमानुल्लाह, एएसआई प्रद्युम्न पासवान, चौकीदार संजय राम व पूर्व मुखिया पंचम खान पहुंचे। स्थानीय गोताखोर राजेश्वर चौहान और ग्रामीणों के सहयोग से शव को बाहर निकाल पोस्टमार्टम के लिए हुसैनाबाद अनुमंडलीय अस्पताल भेजवाया। इस घटना की जानकारी मिलते ही घटनास्थल पर भारी भीड़ जमा हो गई थी। इस हृदयविदारक हादसा से सभी मर्माहत नजर आए। मृतकों की पहचान उक्त गांव की शांति कुंवर पति स्व. सुदेशी रजवार (52), बेटी काजल कुमारी (7) और नातिन अंजलि कुमारी(14) पिता वीर बहादुर राम, ग्राम-भरत कासवा, थाना, काराकाट ,रोहतास के रूप में की गई। इस घटना के संबंध में अनुमान लगाया गया है कि जंगल में खुखड़ी चुनकर लौटते समय भारी बारिश की वजह से पहाड़ी नाला में उफान आ गया होगा। इसी दौरान पानी का बहाव तेज होने से गहरे नाला को पार करते समय तीनों बहकर गौराहा डैम में डूब गईं। जिससे उनकी मौत हो गई। इस निर्जन वन में उनकी डूबने से बचाने की शोर सन्नाटे में गुम हो गई। जब कुछ देर तक तीनों घर नहीं लौटीं, तो परिवारवालों ने खोजबीन शुरू की। लगातर खोजबीन के दौरान मंगलवार की सुबह ग्रामीणों ने गहरे पानी पर उपलाता हुआ शव देख इसकी सूचना पुलिस दी। पूर्व मुखिया को भी तभी जानकारी मिली। एक ही परिवार की तीन महिलाओं की मौत से पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई है। गांव में मातम पसरा हुआ है। परिवार के बुजुर्ग लखन रजवार बेटे को खोने के बाद बहु और पोती व परनातिन के भी छोड़कर चले जाने से निःशब्द हो गए हैं। इस विपत्ति के पहाड़ के अचानक टूट पड़ने से घटनास्थल पर वे शून्य में खोए नजर आए। सबकुछ अपलक निहारते रहे।

इस घटना पर दुःख व्यक्त करते हुए सांसद प्रतिनिधि महेंद्र प्रसाद सिंह, मुखिया शोभा देवी, पूर्व मुखिया पंचम खान, उपमुखिया नीलेश कुमार सिंह और समाजसेवी उदय कुमार सिंह ने प्रभावित परिवार को आपदा राहत पैकेज के तहत मुआवजा दिलाने की दिशा में सकारात्मक पहल करने की बात कही है।

घटनास्थल पर एसआई और अन्य।

बरामद शव।

रात में बादलों की कड़क और चमक के साथ सुबह खुखड़ी चुनने की लग जाती है होड़

बीते शनिवार की दरम्यानी रात और रविवार की देर सुबह तक चालू मौसम का दूसरा सर्वाधिक बारिश दर्ज हुआ है। इस संबंध में प्राप्त आंकड़े के अनुसार 83 मीमी से अधिक बारिश दर्ज हुई थी। जो कहर बनकर ढा गई है। इसका हृदयविदारक उदाहरण एक ही परिवार के तीन की मौत की घटना बन गया है। जानकार बताते हैं कि जिस रात बादलों की गरज, कड़क और चमक तेज होती है, अथवा ठनका गिरता है, आसपास के पहाड़ों की तलहटी में लावा की तरह खुखड़ी निकल आते हैं। ऐसा ही कुछ इस बार भी देख-सुन कर सुबह में बिना किसी को साथ लिए तीनों खुखड़ी मिलने के संभावित जंगल की ओर निकल पड़ी होंगी। उन्हें क्या पता था कि मौत उनका उधर ही इंतजार कर रहा है।

भारी बारिश से एक बार फिर बह गई पुलिया, आवागमन बंद

नवीन मेल संवाददाता

मोहम्मदगंज। प्रखंड मुख्यालय से वाया रामनगर-राजनडीह महुडंड मुख्य पथ से जुड़े उत्तर-पूरब दिशा के कई पठारी गांवों में वाहनों से आवागमन एक बार फिर से बंद हो गया। रामनगर से राजनडीह के बीच राजबारा नदी पर ग्रामीणों के श्रमदान और सहयोग से बनी पुलिया हाल की भारी और लगातार बारिश एक बार फिर टूट गई है। इससे 10-12 फीट से अधिक में लंबी खाई बन गई है। बताया गया कि वर्षों बाद विलुप्तप्राय हो गई इस नदी में जलधारा फुट पड़ी है। इस वजह से काफी लंबे समय तक रामनगर, राजनडीह, झरीवा, नदीपर, गोलापत्थर, माहुर,भरूही के अलावा हुसैनाबाद प्रखंड के लोहबंधा, फटहा, जीतामाटी व अन्य कई गांवों तक आवागमन बंद रहने की उम्मीद बढ गई है। जहां वाहनों से पहुंचने के लिए इस पुलिया के माध्यम से राजनडीह-महुडंड पीएमजीएसवाई सड़क की सुविधा उपलब्ध है। जबकि श्रमदान और सहयोग से बनी यह कच्ची सड़क कादलकर्मी-दंगवार मुख्य पथ से इन गांवों के संपर्क का बड़ा माध्यम है। वहीं, दायीं मुख्य नहर के दायीं किनारे पर पदारथडीह होकर काशीस्रोत रेलवे पुल के नीचे से राजनडीह तक बनी कच्ची सड़क बरसात में बदहाल हो गई है। ऐसी हालत में यह कहना गलत नहीं होगा कि उत्तर-पूरब दिशा की ओर वाहनों से आवागमन पूरी तरह से बाधित हो गया है। इससे उक्त गांवों से प्रखंड व अनुमंडल कार्यालय, बाजार, हॉस्पिटल, रेलवे स्टेशन तक भी आवागमन मुश्किल भरा हो गया है। जिससे सड़कों के माध्यम से गांवों के विकास के सरकार के दावे की पोल भी खुल गई है।

शिबू सोरेन को स्वास्थ्य कर्मियों व झामुमो कार्यकर्ताओं ने दी श्रद्धांजलि

नवीन मेल संवाददाता

हैदरनगर। हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर सह अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य उपकेन्द्र हैदरनगर में झारखंड के प्रखर झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेता सह राष्ट्रीय अध्यक्ष दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर मंगलवार को शोकसभा का आयोजन किया गया। चिकित्सक सहित कई स्वास्थ्य कर्मियों ने दो मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. राकेश रंजन ने कहा कि आदिवासियों के महानायक के रुप में चर्चित दिशोम गुरु शिबू सारेन के निधन से झारखंड की राजनीति को हिला दिया है।

फार्मासिस्ट नवीन किशोर ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन राजनेता ही नहीं, बल्कि जनहित में व्यापक आंदोलनकारी, जननायक और क्रांतिकारी नेता के रुप में जाने गये हैं। उनका संघर्ष, विचारधारा और जनता से सीधा जुड़ाव पूरे झारखंड में यााद किया जाता है। इस शोकसभा में लैब टेक्निशियन शकील अख्तर व बसंत पासवान, ड्रेसर प्रमोद सिहं व सिपाही राम, एमपीडब्ल्यू राजेश कुमार, एएनएम कुमारी शांति, प्रभावती कुमारी, सीमा सहित कई अन्य स्वास्थ्यकर्मी ने भाग लिया।

उधर झामुमो कार्यालय में प्रखंड अध्यक्ष सह बीस सूत्री सदस्य अशोक कुमार सिंह की अध्यक्षता में की गई। शोकसभा में कहा गया कि जनजातीय अधिकार, स्थानीय लोगों की प्राथमिकता, जल - जंगल-जमीन की रक्षा दिशोम गुरु ने की है। उन्होंने झारखंड आंदोलन को राष्ट्रीय मंच पर ले जाकर संवैधानिक पहचान दिलाने का भी कार्य किया।

प्रखंड सचिव सह उप मुखिया पवन कुमार ने कहा कि शिबू सोरेन का झारखंड में नाम नहीं, अपनी सोंच व विचारधारा से संघर्ष कर झारखंड को अलग राज्य का दिलाने में महत्वपूर्ण योदान दी है। आज भी उनके भाषणों में हमारी मिट्टी, हमारा हक, जल, जंगल और जमीन की बातों को दोहराकर झारखंड जीवंत बनाये रखने में पार्टी नेताओं व कार्यकताओं की सक्रिय भूमिका होती है।

हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर में शोकसभा करते स्वास्थ्यकर्मी।

शोक सभा कर दिशोम गुरु को दी गयी श्रद्धांजलि

नवीन मेल संवाददाता

हरिहरगंज । शहर के अररूआ खुर्द स्थित झामुमो प्रखंड कार्यालय में मंगलवार को शोक सभा का आयोजन किया गया। इसमें झारखंड आंदोलन के प्रणेता , राज्यसभा सदस्य व पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन के निधन पर शोक सभा आयोजित की गई। इसमें झामुमो नेता अतहर हुसैन सहित उपस्थित गणमान्य लोगों ने पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। बाद में दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की गई। सभा को संबोधित करते हुए अतहर हुसैन ने कहा कि गुरूजी का निधन न केवल झारखंड बल्कि पूरे देश के लिए अपूरणीय क्षति है। वे झारखंड प्रदेश के निमार्ता गरीबों, वंचितों और आदिवासियों के मसीहा थे। पूर्व मुख्यमंत्री, पूर्व केंद्रीय मंत्री तथा वर्तमान राज्य सभा सांसद के रूप में उनका जीवन जनसेवा, संघर्ष और सामाजिक समरसता को समर्पित रहा। उनका जाना एक युग का अंत है जिसकी भरपाई संभव नहीं है। शोक सभा में झामुमो के प्रखंड सचिव मनीष कुमार सिंह, उपाध्यक्ष सुजीत राम नगर अध्यक्ष मो. एहतेशाम, सतेंद्र कुमार मेहता, राजद प्रखंड अध्यक्ष महेंद्र यादव, मो. असलम, जमील अंसारी, ओमप्रकाश चंद्रवंशी, अजय यादव, छोटेलाल गुप्ता, रामाशंकर सिंह, शमीम अंसारी आदि उपस्थित थे।

शोक सभा में शामिल जेएमएम के नेता और कार्यकर्ता।

पूर्व मुखिया हुस्न बानो का निधन, सुपर्द-ए-खाक

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। हुसैनाबाद प्रखंड के ऊपरी कला पंचायत की ऊपरी कला गांव निवासी स्वर्गीय शफीक खान की पत्नी और पंचायत की पहली मुखिया हुस्न बानो (60 वर्ष) का निधन सोमवार की देर रात हो गयी। उनके निधन की खबर सुनकर उनके पैतृक गांव ऊपरी कला स्थित उनके आवास पर शुभचिंतकों और सगे संबंधियों की हुजूम उमड़ पड़ी। हुस्न बानो पहली बार झारखंड में हुए त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में मुखिया का चुनाव जीती थीं। उनके पति शफीक खान इस क्षेत्र के चर्चित जमींदार थे। उनकी हत्या वर्ष 2013 में अपराधियों ने उनके घर के समीप गोली मारकर कर दी थी। मंगलवार को उनका जनाजे को ऊपरी कला स्थित कब्रिस्तान में सुपुर्द-ए-खाक किया गया। उनके निधन पर स्थानीय विधायक संजय कुमार सिंह यादव, पूर्व विधायक कमलेश कुमार सिंह, बसपा के पूर्व प्रत्याशी शेर अली, एजाज हुसैन उर्फ छेदी खान, अमीन खान, प्रखंड प्रमुख राजकुमारी देवी, उप प्रमुख इंदु देवी, मुखिया प्रेमा देवी, समाजसेवी सुधीर कुमार सिंह उर्फ पप्पू सिंह, निवर्तमान नगर अध्यक्ष शशि कुमार, भाजपा के वरिष्ठ नेता अशोक सिंह, प्रभात कुमार सिंह, रवींद्र सिंह, डॉ.मनान खान, डॉ. रहमान, मो. शमीम, शैलेश कुमार सिंह, लोकेश कुमार सिंह, कमलेश कुमार सिंह, सैयद मशरूर अहमद समेत कई लोगों ने शोक व्यक्त किया है।

संदेश लोक जन चेतना मंच के तत्वाधान में पौधरोपण सह रक्षा सूत्र कार्यक्रम का आयोजन

रक्षा सूत्र बांधकर सुरक्षा और संरक्षण का संकल्प लें : प्रेमतोष

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। लोक जन चेतना मंच के तत्वाधान में सोमवार को जल सहिया समिति द्वारा हुसैनाबाद अनुमंडल क्षेत्र में वृक्षों को रक्षा सूत बांधने और वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के तहत जलसहियाओं व प्रबुद्ध लोगों ने हुसैनाबाद के दातानगर, कुकही सूर्य मंदिर परिसर, प्लस टू कन्या मध्य विद्यालय हैदरनगर, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, मोहम्मदगंज के भीम बराज परिसर समेत कई अन्य स्थानों पर पेड़ों को रक्षासूत्र बांधकर उनकी रक्षा का संकल्प लिया। साथ ही सैकड़ों फलदार व छायादार पौधे लगाए गए। इस अवसर पर जलसहिया रीता देवी ने कहा कि हम जैसे बहनों ने पहले अपने भाइयों की कलाई पर राखी बांधकर उनकी लंबी उम्र की दुआ मांगी, अब पेड़ों को राखी बांधकर पर्यावरण की रक्षा का संकल्प लिया है। पेड़ ही जीवन हैं] इनकी रक्षा करना हम सभी का धर्म है। हर घर में एक पेड़ लगाने और उसकी देखभाल की जिम्मेदारी हम जलसहिया बहनों ने ली है। ये सिर्फ एक परंपरा नहीं, बल्कि हमारी जिम्मेदारी है। कार्यक्रम की अध्यक्षता अधिवक्ता प्रेमतोष कुमार सिंह उर्फ गुड्डू ने की और संचालन सचिव अधिवक्ता मधुलता रानी ने किया। कार्यक्रम के तहत दंगवार से मोहम्मदगंज तक वृक्षारोपण और रक्षा सूत्र बांधने का कार्य संपन्न हुआ। इस अवसर पर लोक जन चेतना मंच के अध्यक्ष प्रेमतोष सिंह ने कहा कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि हम जिस तरह अपने बड़े बुजुर्गों का सम्मान करते है भाई बहनों को राखी बांधते है उसी तरह वृक्षों को भी अपने परिवार का सदस्य समझे और उन्हें रक्षा सूत बांधकर उनकी सुरक्षा और संरक्षण का संकल्प लें। इस मौके पर डॉ. पीएन सिंह, डॉ.अमृता सिंह, पिंटू सिंह, अनिमेष अग्रवाल, अभय सिंह, मुकेश कुमार सिंह, चंदन पासवान, प्रिंस सिंह, जॉनी सिंह, विजय मेहता समेत कई लोग मौजूद थे।

लोक जन चेतना मंच के लोग पौधरोपण करते हुए।

न्यूज बॉक्स

हुसैनाबाद एसडीओ ने नगर पंचायत में कार्यपालक पदाधिकारी का लिया स्वतः प्रभार

हुसैनाबाद। पलामू जिले के हुसैनाबाद नगर पंचायत में नए कार्यपालक पदाधिकारी के रूप में एसडीओ ओमप्रकाश गुप्ता ने सोमवार को कार्यपालक पदाधिकारी का स्वतः प्रभार लिया। पलामू डिसी के निर्देश पर वे प्रभार लिया है। उन्होंने कहा कि मेरी पहली प्राथमिकता विकास को लेकर जो कार्य योजनाए शिथिल है, उनमें गति लाई जाएगी। हुसैनाबाद शहर में सड़क, नाली, सफाई व सड़क जाम को लेकर जो लगातार सगस्याए बनी रहती है, उससे निजाद दिलाना मेरी पहली प्राथमीकता होगी। शहर में अतिक्रमण किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। वहीं नगर पंचायत से संबंधित सभी कार्यो में तेजी लाई जाएगी। शहर के सौंदर्यीकरण के लिए कार्य किए जाएंगे। नगर पंचायत क्षेत्र में किसी भी प्रकार के अनियमिताएं बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मालूम हो कि तरनीश कुमार हंस का तबादला जमेशदपुर होने के बाद यहां का पद रिक्त पड़ा था।

भजनियां का पिपराबांध गांव हुआ जलमग्न

मोहम्मदगंज। भजनियां पंचायत का पिपरा बांध टोला निमतर बारिश के पानी के निकास नहीं रहने के कारण जलमग्न हो गया है। इस कारण दर्जन भर से अधिक अजा (रजवार) जाति के लोग घर छोड़ने को मजबूर हो गए हैं। पास से गुजरी पक्की सड़क पर भी जलजमाव हो गया है। इससे कई गांवों का आवागमन जोखिम भरा बन गया है। ग्रामीणों का कहना कि उचित माध्यम तक समस्या से अवगत कराने के बाद भी इसकी सुधी लेने वाला अबतक कोई सामने नहीं आए हैं। अधिकारी और जनप्रतिनिधि सभी अपनी धुन में मस्त हैं। अगर तत्काल पानी की निकासी की व्यवस्था नहीं होती है, तो सभी घर ध्वस्त हो जाएंगे। सड़क पर दुर्घटना भी हो सकती है।

ज्ञान भारती पब्लिक स्कूल में शोक सभा आयोजित

मोहम्मदगंज। राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री व वर्तमान राज्यसभा सांसद दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर कोसीआरा स्थित ज्ञान भारती पब्लिक स्कूल में सोमवार को आयोजित शोक सभा में बच्चों और शिक्षकों ने दो मिनट मौन रख कर उनकी आत्मा की चिरशांति व शोक संतप्त परिवार को इस दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने के लिए प्रार्थना की। मौके पर जारी शोक संदेश में कहा गया कि विद्यालय परिवार राज्य के सामाजिक-राजनीतिक क्षेत्र को हुई इस अपूरणीय क्षति से मर्माहत है। इस मौके पर एजुकेशनल वेलफेयर ट्रस्ट के अध्यक्ष सह पंसा पंचायत की उप मुखिया लीला देवी, प्रधानाध्यापक कामाख्या नारायण सिंह, निर्देश शुभम सिंह, कोऑर्डिनेटर ज्योति श्रीवास्तव, शिक्षक विशाल कुमार, आयुष कुमार, पंकज कुमार, शिक्षिका राजकुमारी देवी, अंशु कुमारी, सिंपल कुमारी और कुमारी साक्षी प्रिया सहित छात्र-छात्राओं ने सजल नेत्रों से उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। बाद में राजकीय शोक के तहत तीन दिनों का अवकाश घोषित कर दिया गया।

वरिष्ठ पत्रकार के छोटे भाई का रांची में निधन

हैदरनगर। वरिष्ठ पत्रकार जफर हुसैन के छोटे भाई एवं खूंटी के पत्रकार मुजफ्फर हुसैन उर्फ प्रिंस (57 वर्ष) का मंगलवार की सुबह रांची के एक निजी अस्पताल में निधन हो गया। वे कई दिनों से अस्वस्थ चल रहे थे। उनके निधन की खबर से पत्रकारिता व सामाजिक जगत में शोक की लहर है। हैदरनगर के भाई बिगहा निवासी मुजफ्फर हुसैन का अंतिम संस्कार खूंटी स्थित कब्रिस्तान में किया गया है। वे अपने पीछे पत्नी और दो पुत्री को छोड़ गए हैं। सहज, मृदुभाषी और सामाजिक सरोकारों से जुड़े रहने वाले मुजफ्फर हुसैन पत्रकारिता में अपनी निष्पक्ष लेखनी के लिए जाने जाते थे। उनके निधन पर विधायक संजय कुमार यादव, पूर्व मंत्री कमलेश कुमार सिंह, पूर्व विधायक कुशवाहा शिवपूजन मेहता, जिला परिषद उपाध्यक्ष आलोक कुमार सिंह उर्फ टूटू सिंह, प्रदेश भाजपा कार्यसमिति सदस्य रविन्द्र कुमार सिंह व विनोद कुमार सिंह, अजित सिंह, एजाज हुसैन उर्फ छेदी खान, जिला परिषद सदस्य संगीता देवी, मुखिया शहनाज परवीन सहित अनेक सामाजिक व राजनीतिक हस्तियों ने गहरा शोक प्रकट किया है।

जपला आरपीएफ ने 10 लोगों को किया गिरफ्तार

हुसैनाबाद। सोननगर गढ़वा रोड रेल खंड के जपला रेलवे स्टेशन पर मंगलवार को आरपीएफ निरीक्षक प्रभारी राजेश कुमार मीना के नेतृत्व में अधिकारी व स्टाफ द्वारा वरीय अधिकारियों के निदेर्शानुसार यात्री सुरक्षा को लेकर स्टेशन परिसर में विशेष अभियान चलाया गया। अभियान में रेल अधिनियम के तहत स्टेशन परिसर में अनाधिकृत रूप से घूमते हुए छह लोगों को गिरफ्तार किया। आरपीएफ के निरीक्षक प्रभारी राजेश कुमार मीणा ने बताया कि यात्री सुरक्षा को लेकर आरपीएफ पुलिस सजग है। अनाधिकृत रूप से यात्रा करने वाले और स्टेशन परिसर में अनाधिकृत रूप से घूमने वाले व प्लेटफार्म परिसर में रील बनाने के विरुद्ध लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में पैसेंजर ट्रेन के महिला व दिव्यांग बोगी से 7 व स्टेशन परिसर में अनाधिकृत रूप से 3 व्यक्तियों को गिरफ्तार कर रेलवे एक्ट के तहत मामला दर्ज कर न्यायिक दंडाधिकारी डाल्टनगंज को अग्रसारित किया गया है। उन्होंने बताया कि न्यायालय ने सभी को जुमार्ना देने के उपरांत रिहा कर दिया है। मीना ने बताया कि यह अभियान लगातार जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि जिन्हें भी अनाधिकृत यात्रा करते या रेल परिसर में बेवजह विचरण करते पकड़ा जाएगा। उनपर कार्रवाई की जाएगी। इस अभियान में आरपीएफ के उप निरीक्षक जेपी प्रसाद, कार्तिक बिंझा समेत पुलिस बल के जवान शामिल थे।

बिजली खंभों पर तार नहीं लगने से हो रही परेशानी

हरिहरगंज। हरिहरगंज नगर पंचायत के वार्ड नंबर 2 सियारभुका में बिजली विभाग द्वारा महीना पहले खंभे गाड़े गए हैं। परंतु अभी तक उसे पर तार नहीं लगाया गया है। जिसके कारण लोग पुराने जर्जर खंभे और बांस के सहारे बिजली का जलाने को विवश हैं। इस संबंध में सामाजिक कार्यकर्ता रविंद्र पासवान ने बताया कि स्थानीय लोग कई बार विद्युत विभाग के संवेदक से खंभों पर नया तार लगाने का आग्रह कर चुके हैं। परंतु अभी तक तार लगाने की प्रक्रिया शुरू नहीं की गई। जर्जर खंभों से गुजरे तार से बिजली कनेक्शन रखना बरसात के मौसम में काफी परेशानी का कारण बन रही है। वहीं हमेशा कोई दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। लोगों ने संबंधित अधिकारी से गाड़े गए खंभों पर तार लगाने की मांग की है।

ऑनलाइन शॉपिंग से राखी का बाजार प्रभावित, धागे से लेकर सोने की बिक रही राखी

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। रक्षा बंधन को लेकर बाजारों में चहल-पहल बढ़ गई है। सावन के आखिरी दिन 9 अगस्त को जिले भर में रक्षाबंधन का पर्व धूमधाम से मनाया जाएगा। भाई और बहनों के प्रेम का प्रतीक यह पर्व जैसे-जैसे नजदीक आ रहा है, बाजारों में राखियों की दुकानों की रौनक बढ़ती जा रही है। जिला मुख्यालय के मुख्य बाजार में भी खास तैयारी देखी गई है। दुकानों पर 10 रुपए से लेकर 500 रुपए तक की कीमत वाली राखियां मौजूद हैं। बहनें अपने भाइयों की कलाई पर राखी बांधने के लिए खरीदारी में जुटी हुई हैं। अन्य चौक-चौराहों पर भी अस्थायी स्टॉल लगाए गए हैं। इस बार पारंपरिक धागे की राखियों के साथ-साथ ब्रेसलेट राखी, चांदी और सोने की राखियां भी लोगों को खूब आकर्षित कर रही हैं। दुकानदारों के अनुसार इस बार महंगी राखियों में भी ग्राहकों की रुचि बनी हुई है।

बच्चों के लिए राखियों के अनेक विकल्प मौजूद

बच्चों के लिए कार्टून कैरेक्टर वाली राखियां, डिज्नी थीम पर आधारित राखी, म्यूजिक और लाइट वाली इलेक्ट्रॉनिक राखियां बाजार में उपलब्ध हैं। बच्चे खुद अपने पसंदीदा हीरो और डिजाइन वाली राखियों को चुन रहे हैं। दुकानदारों के अनुसार रक्षाबंधन को लेकर बच्चों में भी उत्साह है और वे उत्साह से अपनी मनपसंद राखियों की खरीदारी कर रहे हैं।

ऑनलाइन मार्केटिंग के प्रभाव से बिक्री में आई कमी

रक्षाबंधन को लेकर भले ही तैयारियां जारी हैं, लेकिन पिछले वर्षों की तुलना में इस बार बाजार में वैसी रौनक नहीं देखी जा रही है। ऑनलाइन मार्केटिंग का बढ़ता प्रभाव राखी बाजार पर भी स्पष्ट नजर आ रहा है। फ्लिपकार्ट, अमेज़ॉन जैसे ई-कॉमर्स प्लेटफार्म से बहनें घर बैठे अपने दूर रहने वाले भाइयों को राखी भेजना ज्यादा पसंद कर रही हैं। मुख्य बाजार में कई वर्षों से राखी की दुकान लगाने वाले दुकानदार राजकुमार ने बताया कि ऑनलाइन शॉपिंग के कारण इस बार राखी की बिक्री में कमी आई है। उन्होंने कहा कि बाजार में जो भीड़ और चहल-पहल पहले होती थी, वह अब देखने को नहीं मिल रही है।

बाजार से लेकर डाकघर तक में भीड़ कम

राखी बाजार का सीधा संबंध डाकघर से भी रहा है, जहां बहनें बाजार से राखी खरीदकर उसे डाक के माध्यम से भाइयों को भेजती थीं। लेकिन इस बार इस परंपरा पर भी असर पड़ा है। डाल्टनगंज के मुख्य डाकघर में राखी भेजने वालों की संख्या इस बार काफी कम देखी जा रही है। डाक विभाग की ओर से हर साल की तरह इस बार भी विशेष काउंटर बनाए गए हैं, लेकिन इनमें भी लोगों की उपस्थिति बहुत कम है। डाकघर के कर्मचारी बताते हैं कि यह वही पोस्ट ऑफिस है, जहां रक्षाबंधन के एक महीना पहले से प्रतिदिन सैकड़ों राखियों के लिफाफे भेजे जाते थे। लेकिन इस बार गिनती की राखियां ही भेजी जा रही हैं।

वरिष्ठ अधिवक्ता अशर्फी तिवारी को श्रद्धांजलि, अधिवक्ता संघ ने जताया शोक

- **संघ भवन में आयोजित शोकसभा में सैकड़ों अधिवक्ताओं ने दी अंतिम विदाई, महासचिव अजय कुमार पांडेय ने कहा- एक जिन्दा दिल इंसान को हमने खो दिया**

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू जिला अधिवक्ता संघ की ओर से मंगलवार को अपराह्न 3:30 बजे संघ भवन के पूर्वी बरामदे में वरिष्ठ अधिवक्ता स्व. अशर्फी तिवारी के निधन पर शोकसभा का आयोजन किया गया। वे सोमवार, 4 अगस्त को इस दुनिया से विदा हो गए। वे पलामू जिला अधिवक्ता संघ के सम्मानित सदस्य थे और सर्वोच्च न्यायालय, नई दिल्ली में भी पंजीकृत अधिवक्ता के रूप में कार्यरत रहे थे।

शोकसभा की अध्यक्षता अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष रामदेव प्रसाद यादव ने की। कार्यक्रम में महासचिव अजय कुमार पांडेय ने प्रेस कहा कि स्व. अशर्फी तिवारी न केवल एक कुशल अधिवक्ता थे, बल्कि वे एक जिन्दा दिल और संवेदनशील इंसान थे। उनका मृदुल स्वभाव, व्यवहार कुशलता और व्यावसायिक निष्ठा हम सबके लिए प्रेरणा रहेगी। वे अपने सहयोगियों के सुख-दुख में हमेशा सहभागी रहे। उनका जाना हमारे संघ के लिए अपूरणीय क्षति है। हम प्रार्थना करते हैं कि ईश्वर उन्हें अपने श्रीचरणों में स्थान दें और शोक संतप्त परिवार को यह दुःख सहने की शक्ति दें।

सभा के अंत में स्व. तिवारी की आत्मा की शांति हेतु दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

इस अवसर पर संघ के उपाध्यक्ष विनोद कुमार तिवारी, कोषाध्यक्ष जयकिशोर पाठक, सहायक कोषाध्यक्ष देव कुमार शुक्ला, संयुक्त सचिव संतोष कुमार तिवारी, कार्यकारिणी सदस्य गिरिजा प्रसाद सिंह, जमाल अहमद, शशिभूषण दूबे, प्रभु दयाल गुप्ता सहित सैकड़ों अधिवक्ता उपस्थित थे। सभी ने नम आंखों से उन्हें विदाई दी और उनके योगदान को याद किया।

पूर्व प्रधान लिपिक के श्राद्धक्रम में श्रद्धांजलि देने पहुंचे कई नेता व पत्रकार

मेदिनीनगर। झारखंड पत्रकार संगठन के केंद्रीय अध्यक्ष पत्रकार अवधेश शुक्ला एवं बीआरपी-सीआरपी महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष पंकज शुक्ला के पिता स्वर्गीय राघव शुक्ला का श्राद्धकर्म मंगलवार को विधि-विधान के साथ संपन्न हुआ। स्थानीय पांकी रोड स्थित भवानी नगर आवास पर आयोजित इस श्राद्ध कर्म में बड़ी संख्या में राजनीतिक दलों के नेता, पत्रकार और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। सभी ने दिवंगत राघव शुक्ला की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। बता दें कि स्व. राघव शुक्ला, स्थानीय सदर अस्पताल के सेवानिवृत्त प्रधान लिपिक थे। उनका निधन 24 जुलाई को पांकी रोड भवानी नगर स्थित आवास पर हुआ था। श्राद्ध कार्यक्रम में जिला बीस सूत्री उपाध्यक्ष विमला कुमारी, प्रदेश कांग्रेस कार्य समिति सदस्य लक्ष्मी नारायण तिवारी, कांग्रेसी नेता रूद्र शुक्ला, भाजपा के वरिष्ठ नेता आशीष भारद्वाज, राष्ट्रीय परशुराम युवा वाहिनी के प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र तिवारी, राकेश पांडे, एपी लक्की, झारखंड पत्रकार संगठन के अश्विनी कुमार घई, शैलेंद्र तिवारी, उपेंद्र कुमार, दीपक दूबे, नीलकमल शुक्ला, अमित शर्मा, संजीव प्रजापति, नवीन तिवारी, नेतरहाट झूमर रिसोर्ट के मैनेजर मानस शुक्ला सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

कर्म, त्याग और संघर्ष थी गुरूजी की पहचान : ज्योतिरीश्वर

मेदिनीनगर। भाजपा किसान मोर्चा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष ज्योतिरीश्वर सिंह ने दिशोम गुरू शिबू सोरेन के निधन पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की हैं ,पूर्व प्रदेश अध्यक्ष श्री सिंह ने कहा कि "भगवान बिरसा मुंडा और गुरुजी शिबू सोरेन यह नाम समाज ने उन्हें उनके कर्म, त्याग और संघर्ष के कारण स्वयं दिए।"भगवान बिरसा मुंडा के बाद, आदिवासी चेतना का सबसे बड़ा चेहरा — गुरुजी शिबू सोरेन रहे , अब वह हमारे बीच नहीं रहे।लेकिन उनके स्मृति हमेशा झारखंडवासियों के दिलों में रहेगा , गुरूजी के स्मृतियों को सादर नमन।

खबरें चतरा की

मथुरा में होने वाली जूनियर नेशनल चैंपियनशिप में शामिल हो सकते हैं चतरा के खिलाड़ी

ट्रायल की तिथियां निम्नलिखित हैं

17 अगस्त : टंडवा प्रखंड	(कान्हाचट्टी)
18 अगस्त : इटखोरी प्रखंड	**21 अगस्त :** अंतिम चयन गिद्धौर के जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में
19 अगस्त : नावाडीह (पत्थलगड्डा)	
20 अगस्त : राजपुर	

- **झारखंड टीम में चयन के लिए 17 से 21 अगस्त तक विभिन्न प्रखंडों में होगा ट्रायल**

नवीन मेल संवाददाता

गिद्धौर (चतरा)। सातवां जूनियर नेशनल टेनिस क्रिकेट चैंपियनशिप 16 से 19 सितंबर तक उत्तर प्रदेश के मथुरा में आयोजित किया जाएगा, जिसमें झारखंड राज्य का प्रतिनिधित्व करने के लिए चतरा जिले के खिलाड़ी ट्रायल के माध्यम से चयनित किए जाएंगे। इस प्रतियोगिता में केवल वही खिलाड़ी भाग ले सकेंगे जिनका जन्म 1 जनवरी 2009 या उसके बाद हुआ हो।

न्यूज बॉक्स

पत्थलगड़ा व गिद्धौर में दिशोम गुरु को दी गई श्रद्धांजलि

- **झामुमो और अन्य दलों के नेताओं ने किया श्रद्धांजलि सभा में शिरकत**

गिद्धौर/पत्थलगड़ा (चतरा)। झारखंड आंदोलन के प्रेरणास्रोत दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर मंगलवार को पत्थलगड़ा और गिद्धौर प्रखंडों में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। झामुमो के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने गिद्धौर के मेन चौक पर दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि दी। सभा में 'शिबू सोरेन अमर रहें', 'बाबा तेरा नाम रहेगा' जैसे नारे गूंजते रहे। इस मौके पर झामुमो प्रखंड अध्यक्ष सचिव द्विवेदी पासवान, कोषाध्यक्ष संदीप राम, उपाध्यक्ष उपेंद्र दांगी सहित कई पंचायत प्रतिनिधि एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इधर, इटखोरी थाना परिसर में थाना प्रभारी राकेश कुमार की अध्यक्षता में पुलिसकर्मियों ने भी शोक सभा कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

सावन महोत्सव में महिलाओं ने मनाया उत्सव केक काट कर दी एक-दूसरे को शुभकामनाएं

- **परंपरा और आधुनिकता के संगम ने महोत्सव को बनाया खास**

इटखोरी (चतरा)। सावन महीने के अवसर पर इटखोरी प्रखंड के परोका गांव में महिलाओं ने उत्साहपूर्वक सावन महोत्सव का आयोजन किया। पारंपरिक हरे परिधानों में सजी महिलाएं गीत-संगीत, झूले और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में शामिल हुईं। महोत्सव की खास बात यह रही कि महिलाओं ने सावन गीतों के साथ केक काटा और एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में युवतियों से लेकर वृद्ध महिलाएं तक सक्रिय रूप से सम्मिलित रहीं।

शॉर्ट सर्किट से बिजली के तार में लगी आग बाजार क्षेत्र में मची भगदड़

- **गांधी चौक पर समय रहते बिजली कटने से टला बड़ा हादसा**

पत्थलगड़ा (चतरा)। पत्थलगड़ा बाजार क्षेत्र में मंगलवार को अचानक एक बिजली पोल पर लगे कॉपर तार में शॉर्ट सर्किट के कारण आग लग गई। इससे तार में भीषण आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। बाजार में मौजूद राहगीरों व दुकानदारों ने तत्काल बिजली विभाग को सूचना दी, जिसके बाद बिजली आपूर्ति बंद कर दी गई और एक बड़ा हादसा टल गया।

लूटपाट के आरोपी चार युवकों को ग्राम रक्षा दल ने पकड़ा, पुलिस को किया सुपुर्द

- **एक ही बाइक पर सवार होकर दे रहे थे वारदातों को अंजाम, ग्रामीणों ने की पिटाई**

चतरा। लावालौंग थाना क्षेत्र में सड़क लूट और चोरी की घटनाओं को अंजाम देने वाले चार युवकों को ग्राम रक्षा दल के सदस्यों ने सोमवार देर शाम लमटा चौक पर पकड़ा। युवकों से पूछताछ में मोबाइल, नकदी व अन्य सामान बरामद हुए। ग्राम रक्षा दल के अनुसार, ये युवक व्यापारियों और राहगीरों के साथ लूटपाट कर रहे थे। ग्रामीणों ने पहचान के बाद उनकी जमकर पिटाई की और पुलिस को सुपुर्द कर दिया। सूत्रों के मुताबिक, चारों युवक चतरा मुख्यालय के देवरिया गांव के निवासी हैं और एक महिला के साथ ज्यादती के मामले में भी आरोपित हैं। मामले की जांच जारी है।

स्वतंत्रता दिवस पर विशेष साफ–सफाई अभियान चलाएगा निगम

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। नगर निगम स्वतंत्रता दिवस को लेकर विशेष साफ-सफाई अभियान चलाएगा। अभियान के तहत विशेष रूप से उन स्थलों को प्राथमिकता दी जाएगी जहां झंडोतोलन कार्यक्रम निर्धारित हैं। बता दें कि पिछले दिनों हुई भारी बारिश के चलते निगम क्षेत्र के कई हिस्सों में गंदगी का अंबार लग गया है। साथ ही बरसात के मौसम में उगने वाले घास-फूस की भी भरमार है।

नगर प्रबंधक सह स्वच्छता नोडल प्रभारी शाहिद हसन ने इस बाबत सभी 35 वार्डों के जमादारों के साथ बैठक की। बैठक में उन्होंने निर्देश दिया कि प्रत्येक जमादार अपने-अपने वार्ड में विशेष सफाई पर ध्यान दें और झंडोतोलन वाले स्थलों की सूची तैयार कर वहां त्वरित सफाई कार्य शुरू करें। उन्होंने यह भी कहा कि मंगलवार से चिन्हित स्थलों पर सफाईकर्मियों की टीम लगाकर अभियान की शुरुआत की जाए और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए।

नगर प्रबंधक ने जानकारी दी कि पुलिस लाइन स्टेडियम में होने वाले मुख्य झंडोतोलन समारोह स्थल और उसके आस-पास के क्षेत्रों में भी विशेष साफ-सफाई अभियान चलाया जाएगा। सफाई के बाद संबंधित स्थलों पर ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव भी सुनिश्चित किया जाएगा ताकि स्वच्छता के साथ-साथ संक्रमण से भी बचाव हो सके। बैठक में प्रमुख रूप से बिशुन राम, इश्तियाक शाह, इरशाद, अमरिंदर, पवन, आर्यन सहित सभी वार्डों के जमादार उपस्थित रहे।

समाजसेवा को समर्पित कौशल्या देवी को दी गई श्रद्धांजलि

- **जेलर सुबोध कुमार की माता के श्रद्धांजलि सभा में जुटे गणमान्य, अरुणा शंकर ने बताया प्रेरणादायक व्यक्तित्व**

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। जेलर सुबोध कुमार की माता स्व. कौशल्या देवी को श्रद्धांजलि देने के लिए वेलवाटिका स्थित उनके आवास पर आयोजित सभा में कई ने भाग लिया। हिन्दू रीति-रिवाजों से श्राद्धकर्म के बाद शोकसभा में राजनीतिक, प्रशासनिक, पत्रकार और समाजसेवी बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

नगर निगम की प्रथम महापौर अरुणा शंकर ने उन्हें "मृदुभाषी और समाजसेवा को समर्पित महिला" बताया। उन्होंने कहा कि महिला होते हुए भी कौशल्या देवी सदैव जनसेवा में सक्रिय रहीं।

इस अवसर पर पार्षद अंजना देवी, कई वरिष्ठ चिकित्सक, पत्रकार, वार्ड पार्षद एवं समाज के प्रबुद्धजन उपस्थित थे।

बिना नंबर प्लेट दौड़ रहे निगम के वाहन, पुलिस-प्रशासन मौन

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। मेदिनीनगर निगम में कचरा संग्रहण करने वाले अनेकों वाहन में नंबर प्लेट गायब है। निगम द्वारा प्रयोग लाए जाने वाले मैजिक ट्रैक्टर आदि वाहनों में यह भी पता नहीं चल पाता कि इनका रजिस्ट्रेशन भी हुआ है या नहीं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि नगर निगम के पास सफाई के काम में लगे दर्जनों वाहन हैं, लेकिन इनमें से अधिकांश वाहनों पर रजिस्ट्रेशन नंबर नहीं है और ये बिना नंबर प्लेट के सड़कों पर दौड़ते रहते हैं। बताते चलें कि इन वाहनों से कभी-कभार छोटी बड़ी घटनाएं होने पर नंबर प्लेट नहीं होने से इनकी पहचान करना काफी मुश्किल हो जाता है। इन वाहनों पर न तो ट्रैफिक पुलिस की नजर रहती है और न ही नगर निगम ने कभी इस पर संज्ञान लिया है। जिससे सरकार को राजस्व का नुकसान हो रहा है। साथ ही बिना नंबर प्लेट वाले वाहन से अगर कोई दुर्घटना होती है तो इसकी जिम्मेदारी लेने वाला कोई नहीं है। इस मामले को लेकर स्थानीय लोगों का कहना है कि नगर निगम नियमों की अनदेखी कर वाहन चला रहा है। लेकिन कोई आम आदमी अपने वाहन का रजिस्ट्रेशन नहीं कराता और उसका वाहन सड़क पर चलता है तो ट्रैफिक पुलिस उस पर जुमार्ना लगाती है। परिवहन विभाग द्वारा भी सरकारी वाहन होने के कारण उन्हें छोड़ दिया जाता है। इस बाबत की जानकारी लेने पर नगर निगम के सहायक नगर आयुक्त विश्वजीत महतो ने बताया कि निगम में लगे अधिकांश वाहनों का रजिस्ट्रेशन हो चुका है। अगर बिना नंबर प्लेट के वाहन चल रहे हैं तो इस पर संज्ञान लेकर ठीक कराया जाएगा।

रामगढ़ में पति ने की पत्नी की हत्या, आरोपी गिरफ्तार

मेदिनीनगर। पलामू जिले के रामगढ़ थाना क्षेत्र के बाघी गांव में सोमवार की रात में शराब के नशे में पति ने पत्नी को लाठी से पीटकर हत्या दी है। रामगढ़ थाना की पुलिस ने मंगलवार को दिन में घटना स्थल से शव को कब्जे में लेकर मेदिनीनगर के एमआरएमसीएच में पोस्टमार्टम कराकर उसे परिजनों को सौंप दिया है। मृतका की पहचान बाघी गांव निवासी विफन भुइयां की 40 वर्षीया पत्नी सुनीता देवी के रूप में की गई है। रामगढ़ के थाना प्रभारी ओम प्रकाश शाह ने बताया कि मृतक के पिता, गढ़वा जिले के रमकंडा कस्बा निवासी किशुन भुइयां के आवेदन के आधार पर मामला दर्ज कर आरोपी विफन भुइयां को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। उन्होंने बताया कि मृतका के पिता की ओर से दिए गए आवेदन के अनुसार सोमवार की शाम में शराब के नशे सूचक के दामाद ने अपनी पत्नी को पीट रहा था। इसकी जानकारी उन्हें प्राप्त हुई जिसके बाद उन्होंने फोन कर दामाद को समझाने का काफी प्रयास किया। बेटी से बात नहीं हो सकी थी। सुबह में जब वह बेटी के घर पहुंचे तबतक उसकी मौत हो गई थी। मृतक के शरीर पर मारपीट के काफी निशान थे।

लापता महिला का शव पिपरदाहा नदी में तैरता मिला

परिजन ने लगाया हत्या का आरोप

नवीन मेल संवाददाता

रमना। धान रोपने घर से निकली 55 वर्षीय कमला कुंवर कि अर्धनग्न अवस्था में शव मंगलवार कि सुबह कबीसा ग्राम के खरठिया टोला स्थित पीपरदाहा नदी में करीब 70 घंटे बाद तैरता हुआ मिला, नदी में शव मिलने कि बात जंगल में आग कि तरह फैल गयी और सैकड़ों ग्रामीणों कि भीड़ उमड़ पड़ी। इस घटना के बारे में ग्रामीणों कि जुबां पर तरह-तरह कि चर्चा हैं। दुर्घटना वस पानी में डूबकर मरने के कारण को कोई भी मानने को तैयार नहीं हैं, सभी कि जुबां पर यही चर्चा हैं कि इस महिला कि हत्या सुनियोजित तरिके से करके दुर्घटना का रूप देने का प्रयास किया गया हैं।

शव को नदी से बाहर निकालते ग्रामीण।

महाल चौकीदार सुदर्शन द्वारा रविवार से लापता महिला का शव पीपरदहा नदी में तैरता हुआ पाए जाने कि सूचना थाना प्रभारी को दी गयी, शव मिलने कि सुचना पाकर थाना प्रभारी आकाश कुमार, पुलिस बल के साथ घटना स्थल पहुंच कर शव कोई कब्जे में कर पंचनामा तैयार कर अंत्यपारीक्षण हेतु गढ़वा सदर अस्पताल भेज दिया। महिला के रिश्तेदार इस घटना से काफी उग्र हैं और घटना कि उड़भेदन का पुलिस प्रशासन से मांग किया है। ज्ञात हो कि रविवार को स्व जमुना प्रसाद यादव कि पत्नी कमला कुंवर घर से धान रोपने निकली थी और दस बजे के बाद से ही लापता हो गयी थी, परिजनों ने बहुत खोजबीन किया, लेकिन कोई पता नहीं चला। पिपरदाहा नदी किनारे मृतक महिला का चप्पल एवं घोघी मिला तो लोगों को किसी अनहोनी कि शंका हुई। सोमवार कोई पुलिस प्रशासन एवं बीडीओ विकास पांडेय कि मौजूदगी में ग्रामीणों एवं गोताखोरो द्वारा उक्त नदी में खोजबीन किया था लेकिन कोई पता नहीं चला था, परंतु मंगलवार को खोजे गये नदी में ही महिला का शव मिला। इस संबंध में थाना प्रभारी आकाश कुमार बताये कि मृतक के पुत्र द्वारा चार लोगों के विरुद्ध हत्या कर नदी में फेकने का आरोप लगाया गया है। इसकी प्राथमिकी दर्ज कर अनुसंधान शुरू है, घटना का सत्यता का जल्द ही उजागर होगा।

एक नजर

डंडई में वज्रपात से एक महिला घायल

डंडई। थाना क्षेत्र में मंगलवार को वज्रपात की घटना में एक महिला बुरी तरह से घायल हो गई। वहीं एक अन्य व्यक्ति का दुधारू गाय की मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार डंडई के विजय राम पिता स्वर्गीय नाथून राम के एक दुधारू गाय वज्रपात के चपेट में आ गयी। जिससे उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। बताया गया कि विजय राम के घर पास खूंटा में बांधी हुई थी। वहीं उसी गांव निवासी कृष्णा राम की पत्नी प्रभादेवी वज्रपात के चपेट में आने से घायल हो गई। ग्रामीणों ने घटना के बाद आनन फनान में गांव के ही निजी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां पर उसकी स्थिति ठीक बताया जा रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि महिला अपने घर के बाहर घरेलू काम कर रही थी उसी दरमियान आकाशीय बिजली पास के ही एक पेड़ में गिर गई। इसके चपेट में वह आ गई थी।

धोखाधड़ी व ठगी करने वाला गिरफ्तार

केतार। धोखाधड़ी एवं ठगी करने के प्राथमिकी अभियुक्त केतार बाजार निवासी राजनाथ राम को केतार पुलिस ने मंगलवार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। थाना प्रभारी अरूण कुमार रवानी ने बताया कि न्यायालय द्वारा उक्त अभियुक्त के विरुद्ध गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया था। अभियुक्त के विरुद्ध दो वर्ष पूर्व बंशीधर नगर कोर्ट में मामला दर्ज था।

नाबालिग को भगाने का आरोपी गिरफ्तारी

लातेहार। गारू थाना क्षेत्र के कांड संख्या 26/25, धारा 96 बीएनएस के तहत दर्ज मामले में फरार अप्राथमिकी अभियुक्त प्रफुल्ल वर्मा उर्फ सचिन, पिता- पृथ्वीराज, निवासी मकान संख्या 18, जय हनुमान कॉलोनी, थाना सिविल लाइन, जिला अजमेर (राजस्थान) को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को गारू थाना प्रभारी पारसमणी के नेतृत्व में गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में लातेहार जेल भेज दिया गया। मामला कुछ दिनों पहले का है, जब आरोपी ने गारू से एक नाबालिग लड़की को बहला-फुसलाकर भगाकर ले जाने की घटना को अंजाम दिया था। लड़की के पिता ने गारू थाना में इस संबंध में मामला दर्ज कराया था, जिसके बाद पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए छानबीन शुरू की। तकनीकी एवं गुप्त सूचना के आधार पर आरोपी की गिरफ्तारी की गई।थाना प्रभारी पारसमणी ने कहा कि ऐसे मामलों में कठोर कार्रवाई जारी रहेगी। नाबालिग की सुरक्षा व अधिकारों की रक्षा पुलिस की प्राथमिकता है। आरोपी को न्यायिक प्रक्रिया के तहत जेल भेज दिया गया है और आगे की जांच जारी है।

'हर घर तिरंगा' बैठक बनी चर्चा का विषय

लातेहार। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सांसद शिबू सोरेन के निधन से पूरा प्रदेश शोक में डूबा हुआ है। राज्य सरकार ने उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए 4 से 6 अगस्त तक तीन दिवसीय राजकीय शोक घोषित किया है। इस अवधि में राज्य के सभी सरकारी भवनों में राष्ट्रीय ध्वज आधे झुके रहेंगे। राज्यभर में जहां एक ओर विभिन्न संगठनों व दलों द्वारा शोक सभाएं आयोजित की जा रही हैं, वहीं दूसरी ओर भारतीय जनता पार्टी लातेहार द्वारा 4 अगस्त को 'हर घर तिरंगा' अभियान की सफलता हेतु जिला कार्यालय में कार्यशाला सह बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष पंकज सिंह ने की। इस अवसर पर कार्यक्रम के संयोजक एवं महामंत्री मनोज सिंह तथा मुकेश निरंजन सिंह भी उपस्थित रहे हालांकि, भाजपा की यह बैठक अब चर्चा का विषय बन गई है, क्योंकि यह उसी दिन आयोजित की गई जिस दिन राज्यभर में शोक सभा का माहौल था। लोगों का कहना है कि पूर्व मुख्यमंत्री के सम्मान में जब पूरा प्रदेश श्रद्धांजलि दे रहा था, तब भाजपा द्वारा कार्यक्रम की बैठक करना उचित नहीं रहा। भाजपा नेताओं का कहना है कि 'हर घर तिरंगा' अभियान देशभक्ति से जुड़ा कार्यक्रम है, और इसका उद्देश्य लोगों को राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान के प्रति जागरूक करना है। फिर भी ग्रामीणों में इसे लेकर अलग-अलग प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं।

दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन से शोक की लहर

भवनाथपुर विधायक अनंत प्रताप देव ने दी श्रद्धांजलि

नवीन मेल संवाददाता

श्री बंशीधर नगर। झारखंड निर्माण आंदोलन के पुरोधा और राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन की खबर से पूरे प्रदेश में शोक की लहर फैल गई है। गुरुजी के जाने से राज्य के राजनीतिक, सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन में एक गहरा खालीपन आ गया है। भवनाथपुर के विधायक अनंत प्रताप देव ने उनके निधन पर गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि यह न केवल झारखंड राज्य के लिए, बल्कि यहां के आदिवासी, दलित और पिछड़े वर्गों के लिए एक अपूरणीय क्षति है। उन्होंने कहा, शिबू सोरेन इन वर्गों के सच्चे मसीहा थे। उन्होंने अपना पूरा जीवन जल, जंगल और जमीन की रक्षा और झारखंड के निर्माण को समर्पित कर दिया। विधायक ने याद किया कि किस प्रकार दिशोम गुरु ने दक्षिणी और उत्तरी छोटानागपुर के राजनीतिक क्षितिज पर एक मजबूत नेता के रूप में उभर कर अलग राज्य झारखंड के सपने को साकार किया। उन्होंने कहा

कि गुरुजी का योगदान इतना बड़ा है कि राज्य उन्हें कभी नहीं भूल पाएगा। भावुक होते हुए अनंत प्रताप देव ने कहा, गुरुजी का यूं जाना राज्य के लिए वैसा ही है जैसे पूरे झारखंड का सूरज अस्त हो गया हो। उन्होंने ईश्वर से प्रार्थना की कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और शिबू सोरेन के परिवार को इस कठिन समय में संबल और शक्ति प्रदान करें। विधायक ने श्रद्धा-सुमन अर्पित करते हुए कहा, दिशोम गुरु जैसे महान व्यक्तित्व बहुत ही दुर्लभ थे। उनका जीवन आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बना रहेगा। ऐसे महान नेता को सत-सत नमन।

जेएमएम नेताओं ने रांची पहुंच कर शिबू सोरेन को दी श्रद्धांजलि, कहा

उनका योगदान युगों तक याद रखा जाएगा

नवीन मेल संवाददाता

खरौंधी। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के संरक्षक और झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री सह राज्यसभा सांसद शिबू सोरेन के निधन से पूरे प्रदेश में शोक की लहर दौड़ गई है। उनके निधन से खरौंधी प्रखंड के पार्टी कार्यकर्ता और स्थानीय नेता भी अत्यंत मर्माहत हैं। झामुमो के सच्चे सिपाहियों ने रांची जाकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और फिर उनके पैतृक गांव पहुंचकर अंतिम संस्कार में भी भाग लिया। इस दुःखद अवसर पर जिला परिषद सदस्य धर्मराज पासवान, उपप्रमुख देवदत प्रसाद आर्य, प्रखंड अध्यक्ष अभिजीत किशोर, श्यामसुंदर राम, राकेश उरांव सहित अन्य नेताओं ने दिवंगत नेता को श्रद्धासुमन अर्पित कर उनके जीवन संघर्ष को नमन किया। सभी ने दाह-संस्कार में उपस्थित होकर अंतिम विदाई दी।श्रद्धांजलि के बाद धर्मराज पासवान ने कहा, गुरुजी सिर्फ एक

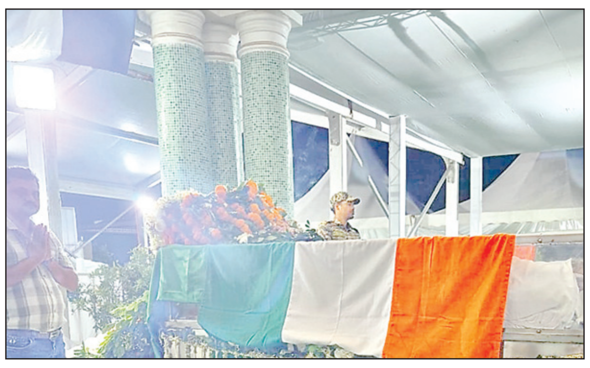

श्रद्धांजलि देते जेएमएम कार्यकर्ता।

नेता नहीं, बल्कि एक आंदोलन थे। उनका जीवन संघर्ष और आदिवासी हितों के लिए उनकी लड़ाई प्रेरणा देने वाली है। उनकी कमी कोई नहीं भर सकता। हम सौभाग्यशाली हैं कि हमें उनके अंतिम दर्शन का अवसर मिला और अंतिम संस्कार में सम्मिलित होकर उन्हें विदाई दी। उपप्रमुख देवदत प्रसाद आर्य ने कहा, गुरुजी के जाने से झारखंड की आत्मा पर आघात हुआ है। उन्होंने जिस समर्पण और त्याग से झारखंड को अलग राज्य बनाने की लड़ाई लड़ी, वह अद्वितीय है। हम उनके दिखाए मार्ग पर चलकर उनके अधूरे सपनों को साकार करेंगे। इस दौरान सभी कार्यकताओं और नेताओं ने दो मिनट का मौन रखकर उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। मौके पर मौजूद कार्यकर्ताओं ने शपथ ली कि वे गुरुजी के विचारों को जन-जन तक पहुंचाकर सामाजिक न्याय की लड़ाई को आगे बढ़ाएंगे।

पैक्स अध्यक्ष और जनसेवक पर लगा अरहर बीज गायब करने का आरोप

ओखरगड़ा पश्चिमी पंचायत भवन से सोमवार को एक क्विंटल अरहर (दो बोरा) चोरी करने का मामला प्रकाश में आया

नवीन मेल संवाददाता

मेराल। उपायुक्त दिनेश कुमार यादव और एसडीएम संजय कुमार पांडे ने भ्रष्टाचार मुक्त बनाने को लेकर कई तरह के जांच और पहल कर रहे है इसके बावजूद मेराल प्रखंड के जन सेवक कुणाल गौरव और पैक्स दुकानदार के मिली भगत से ओखरगड़ा पश्चिमी पंचायत भवन से सोमवार को एक क्विंटल अरहर (दो बोरा) चोरी करने का मामला प्रकाश में आया है। स्थानीय लोगों ने पंचायत भवन से की जा रही अरहर की चोरी कामेश्वर यादव के लड़के दिवाकर यादव एवं दूसरा लड़का को चोरी करते रंगे हाथों पकड़ लिया। इसके बाद ग्रामीणों ने हंगामा शुरू कर दिया। ग्रामीणों ने पैक्स अध्यक्ष और जनसेवक कुणाल गौरव पर अरहर बीज चोरी करने का आरोप लगाया। जिसको लेकर हंगामा खड़ा हो

अरहर बीज चोरी किए गए पकड़े जाने पर हंगामा करते ग्रामीण।

गया उसके बाद उप प्रमुख निजामुद्दीन खान ने कामेश्वर यादव के घर यानी पैक्स दुकान से चोरी किए गए अरहर बीज को जप्ती सूची बनाकर पुनः पंचायत भवन में रखवा दिया है उप प्रमुख निजामुद्दीन खान ने कहा कि मामले की जांच कर दोषी लोगों पर कार्रवाई की जाए ताकि भविष्य में इस तरह का मामला दोबारा न हो सके। ग्रामीणों के अनुसार जनसेवक कुणाल गौरव ने मौखिक रूप से किसानों को बीज वितरण की जानकारी दिया। लेकिन किसानों के बीच वितरण के बजाय दिवाकर यादव के पैक्स दुकान में एक क्विंटल (दो बोरा) अरहर पंचायत भवन से चोरी कर ले जाया गया। ले जाने के क्रम में ग्रामीणों द्वारा रंगे हाथ पकड़ लिया गया। इसी दौरान ग्रामीणों ने हंगामा करना शुरू कर दिया। इस संबंध में बीटीएम प्रवीण मिश्रा से पूछे जाने पर बताया कि जन सेवक कुणाल गौरव को ओखरगड़ा पूर्वी एवं पश्चिम पंचायत में 1 माह पहले 10 क्विंटल अरहर बीज किसानों के बीच वितरण के लिए दे दिया गया था। लेकिन जनसेवक कुणाल गौरव के लापरवाही के कारण अभी तक किसानों को बीज नहीं मिल सका है। सीओ सह प्रभारी वीडियो यशवंत नायक ने इस मामले में पूछे जाने पर बताया कि सोशल मीडिया के माध्यम से मुझे जानकारी प्राप्त हुआ है कल इस मामले में जांच करेंगे सत्यता पाए जाने पर कानूनी कार्रवाई किया जाएगा।

जेएमएम ने शोक सभा कर गुरु जी को दी गयी श्रद्धांजलि

नवीन मेल संवाददाता

धुरकी। झारखंड मुक्ति मोर्चा प्रखंड इकाई धुरकी ने दिवंगत दिशोम गुरू शिबू सोरेन के निधन के बाद मंगलवार को प्रखंड कार्यालय के समक्ष शिबू सोरेन की तस्वीर पर मल्यार्पण और पुष्प अर्पित कर झामुमो के अलावा अन्य लोगो ने शोक संवेदना व्यक्त किया। शोक सभा में झामुमो के प्रखंड अध्यक्ष इसराइल खान ने दिशोम गुरु शिबू सोरेन अमर रहें जबतक सूरज चांद रहेगा तबतक दिशोम गुरु का नाम रहेगा। उन्होंने कहा कि शिबू सोरेन झारखंड मुक्ति मोर्चा पार्टी के संस्थापक रहे, उन्होंने ही संयुक्त बिहार से झारखंड को अलग राज्य बनाने के लिए लंबा आंदोलन चलाया और संघर्ष किया। वह आठ बार सांसद और झारखंड के तीन बार मुख्यमंत्री और वर्तमान में वह राजसभा सदस्य भी थे। प्रखंड अध्यक्ष ने कहा कि दिशोम गुरू शिबू सोरेन देश भर के आदिवासी दलित शोषित पिछड़ों की मजबूत आवाज थे। इसके अलावा सर्वजन के भी वह चहेते थे वह पुरे देशभर के आदिवासी पिछड़ी शोषित वंचित के नेता थे। उनके निधन के बाद आज एक दिशोम युग की समाप्ति हो गई है, उनकी कमी सदैव बनी रहेगी। उन्होंने कहा कि अब उनकी विचारधारा को उनके सपने को उनके बेटे मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के साथ हम सभी झारखंड मुक्ति मोर्चा के एक-एक सदस्य एक-एक कार्यकर्ता आत्मसात करते हुए झारखंड को सिचेंगे। इस अवसर पर विधायक प्रतिनिधी लक्ष्मण यादव, मुखिया महबूब अंसारी, धीरेंद्र यादव, इसलाम खान, योगेंद्र यादव, रामकिसुन कोरवा, मरगुब अंसारी, शैलेश यादव, शंभु सिंह, रामभरोसा राम, लियाकत अंसारी, कुर्बान अंसारी, उमेश राम, नागेंद्र यादव, अनिरुद्ध गुप्ता सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

समस्या | जनप्रतिनिधियों से सड़क को दुरुस्त कराने की मांग

डंडई पंचायत के गली-मुहल्ले की सड़कें दलदल में तब्दील

नवीन मेल संवाददाता

डंडई। डंडई पंचायत के विभिन्न टोले व मुहल्ले की कच्ची सड़के काफी गड्ढ़े व कीचड़युक्त हो गया है जिस पर ग्रामीणों को चलना मुश्किल हो रहा है। पंचायत के मेन बाजार से त्यागी हॉस्पिटल होते हुए कोईरी टोला खाडी टोला जाने वाली कच्ची सड़क, डंडई धुर्की अम्बाखौरया मुख्य पथ से ठाकुर टोला जाने वाली सड़क, देवी धाम से कस्तूरबा स्कूल त्रिवेणी टोला जाने वाली सड़क सहित बैलाझखड़ा और बैरियादमार गाँव की गली मोहल्ले की सड़कों में कीचड़ युक्त दलदल हो गया है। वहीं युक्त सड़कों में जानलेवा गड्ढा बन गए हैं। कीचड़ युक्त दलदल में गड्ढो का पता नहीं चल पा रहा है। जिससे दिन भर में दर्जनों राहगीर सड़क में बने कीचड़ में गिरने से बाल बाल

कीचड़ से भरी सड़क को पार करतीं बच्चियां।

बच रहे हैं। वहीं साइकिल और दोपहिया तीन पहिया वाहन कीचड़ में फंस जा रही है। जिससे ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कीचड़ युक्त सड़क की समस्या से टोले के बच्चे स्कूल जाने में भी कतरा रहे हैं। वहीं बीमारियों से ग्रसित व्यक्तियों को बाइक पर बैठाकर हॉस्पिटल ले जाना भारी मुश्किल हो गया है। ग्रामीण शशि भूषण मेहता, सुदामा कुमार मेहता, श्रीकांत मेहता, अमरावती देवी,सूर्यमणि कुमार मेहता, प्रयाग मेहता, सच्चिदानंद मेहता, विक्रम कुमार, सरस्वती देवी, विनोद मेहता, सुदामा मेहता, अरविंद मेहता, मथुरा मेहता, राकेश कुमार, हीरालाल महतो, मुस्ताक अंसारी, शकील अंसारी, मुदस्सिर अंसारी ने बताया कि जब से बरसात शुरू हुई है तब से त्यागी हॉस्पिटल के रास्ते कोइरी टोला जाने वाली सड़क में कीचड़ युक्त दलदल हो गया है। लोगों को इस सड़क से आवागमन करने में भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि दोपहिया तीन पहिया सहित चार पहिया वाहनों को इस रास्ते से गुजरा भारी मुसीबत ह। इस दलदल भरी सड़क में सारी गाड़ियां फस जा रही हैं जिसे कीचड़ दलदल से बाहर निकलना मुश्किल हो जा रहा है।। ग्रामीणों ने बताया कि पंचायत के जनप्रतिनिधियों सहित क्षेत्रीय विधायक के द्वारा हमारी समस्याओं को दूर नहीं किया जा रहा है जिससे हम लोग काफी परेशान हैं। ग्रामीणों ने प्रखंड प्रशासन सहित पंचायत के जनप्रतिनिधियों और क्षेत्रीय विधायक से सड़क को दुरुस्त कराने की मांग किया है। वहीं गांव की युवा वर्ग के लोग स्थानीय जनप्रतिनिधि और क्षेत्रीय विधायक को सड़क की समस्या पर गहरा चिंता व्यक्त करते हुए इसके लिए दोषी ठहराया है युवा वर्ग लोगों ने कहा कि पंचायत के नेता जनप्रतिनिधि जब टोले की कीचड़ युक्त समस्या से स्थानीय लोगों को निजात नहीं दिला पा रहें हैं तो वे नेता और जनप्रतिनिधि किस काम के हैं।

न्यूज बॉक्स

दिशोम गुरु के निधन पर शोक सभा का आयोजन

मेराल। तेनार के पंचायत भवन में मुखिया मनदीप सिंह के नेतृत्व में मंगलवार को झारखंड आंदोलनकारी के प्रणेता पूर्व मुख्यमंत्री वर्तमान राज्यसभा सांसद दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन के बाद उनके चित्र पर पुष्प श्रद्धा सुमन अर्पित कर शोक मनाया गया। जिसमें पंचायत के मुखिया मनदीप सिंह बीडीसी जगदीश राम भाजपा नेता रमाकांत गुप्ता झामुमो नेता बबलू सिंह पंचायत अध्यक्ष कामता सिंह रामचंद्र गुप्ता वार्ड सदस्य सहित लोगों ने उनके चित्र पर पुष्प श्रद्धा सुमन अर्पित किया। साथ ही उनके आत्मा के शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा गया। मौके पर मुखिया मंदीप सिंह ने कहा कि दीशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन से हम सभी झारखंड वासियों की अपूरणीय छती हुई है।जिसका भरपाई नहीं किया जा सकता है।

6 वारंटियों को गिरफ्तार कर भेजा गया जेल

धुरकी। धुरकी थाना क्षेत्र के विभिन्न गांव से धुरकी पुलिस ने 6 वारंटी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत गढ़वा भेज दिया है। थाना प्रभारी जनार्दन रावत ने बताया कि वारंटी गिरवर चौधरी, विष्णु धारी चौधरी, सिकंदर चौधरी तीनों पिता सुखन चौधरी तीनों पता मिरचैया, हीरा भुइयां, चंद्रिका भुइयां दोनों पिता गिरधारी भुइयां, दोनों पता शिवरी एवं धुरकी थाना कांड संख्या 113/23 में फरार चल रहे थे। प्राथमिक अभियुक्त प्रदीप कुमार यादव, पिता सुनेश्वर यादव पता धोबनी सभी थाना धुरकी जिला गढ़वा को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत भेजा गया है। थाना प्रभारी जनार्दन राऊत ने सभी वारंटी से गुजारिश की है कि या तो न्यायालय में प्रस्तुत होकर जमानत करा लें या फिर खुद को सरेंडर कर दें। ऐसा नहीं करने पर धुरकी के पुलिस प्रशासन कभी भी और कहीं से भी गिरफ्तार कर न्याय किरासत गढ़वा भेज देगा।

हरिनारायण सिंह के निधन पर जताया शोक

श्री बंशीधर नगर। भारतीय जनता पार्टी के कार्यसमिति सदस्य एवं राज्य के पूर्व मंत्री रामचन्द्र केशरी ने प्रसिद्ध समाजवादी विचारक और आजाद सिपाही अखबार के प्रधान संपादक हरिनारायण सिंह के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। केशरी ने अपने शोक संदेश में कहा कि हरिनारायण सिंह न केवल एक प्रखर पत्रकार थे, बल्कि वे डॉ. राममनोहर लोहिया की समाजवादी विचारधारा को अपने लेखनी के माध्यम से निरंतर जन-जन तक पहुंचाते रहे। वे सभी के लिए एक सच्चे मित्र और मार्गदर्शक थे। केशरी ने कहा, उनकी निधन की खबर सुनकर मुझे अत्यंत दुख हुआ है। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें और उनके परिजनों को इस कठिन समय में धैर्य एवं संबल दें। हरिनारायण सिंह की पहचान एक निर्भीक पत्रकार के रूप में रही, जिन्होंने हमेशा जनहित के मुद्दों को मुखरता से उठाया। उनके निधन से पत्रकारिता जगत को अपूरणीय क्षति हुई है।

जेएमएम प्रखंड कार्यालय में शोक सभा का आयोजन

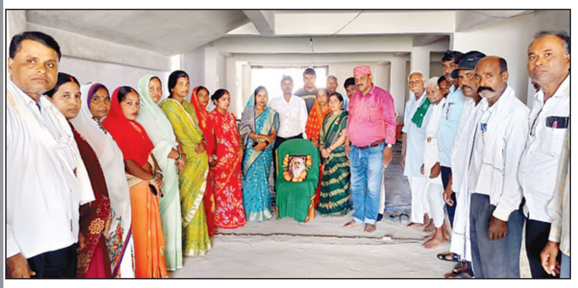

भवनाथपुर। दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर मंगलवार को झामुमो प्रखंड कार्यालय में जिला परिषद सदस्य सह गढ़वा झारखंड मुक्ति मोर्चा के जिला नेत्री रंजनी कुमारी उर्फ रंजनी शर्मा की अध्यक्षता में शोकसभा का आयोजन किया गया। सभा में जेएमएम कार्यकर्ताओं ने दिवंगत गुरुजी की तस्वीर पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर उन्हें याद किया। मौके पर रंजनी शर्मा ने कही की आज झारखंड समेत देश भर में फैले करोड़ों लोगों के मार्गदर्शक, दिशोम गुरु शिबू सोरेन जी का अंतिम दर्शन कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया। देश में जब कभी भी आदिवासियों-मूलवासियों एवं वंचित-पीड़ित समाज के अधिकारों के लिए लड़ने वाले आंदोलनकारियों का जिक्र होगा, आपका नाम प्रमुखता से लिया जायेगा। कहा कि आँखें नम हैं, दिल गमगीन है, लेकिन आपको ₹ अंतिम जोहार करना हमारे लिए संभव नहीं है। आप सदैव हमारी स्मृतियों में जीवित रहेंगे और आपके आदर्श हमें समाज के अधिकारों की लड़ाई में, आगे बढ़ने की राह दिखाते रहेंगे। वहीं वरिष्ठ नेता ब्रजेश सिंह ने कहा कि दिशोम गुरु शिबू सोरेन का निधन अपूरणीय क्षति है. वंचितों, शोषितों और गरीब गुरबों को संगठित कर झारखंड की दासता के खिलाफ महानायक के रूप में उन्होंने करोड़ों लोगों को प्रेरित किया। झारखंड को एक निर्णायक मोड़ पर पहुंचा कर अलविदा कह गये। इस मौके पर प्रमुख शोभा देवी, उपप्रमुख पिंटू टोपो, भवनाथपुर मुखिया बेबी देवी, जसवंता देवी, सुषमा देवी, पूनम देवी, ललिता देवी, गोपाल उरांव, विजय राउत, उपेंद्र राउत, नागेंद्र शर्मा, उल्फत अंसारी, शिवकुमार राम, कुंदन ठाकुर, मनोज चंद्रवंशी, लालमन सिंह, नौलेश पासवान, शमशेर अंसारी सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

बुजुर्ग दंपत्ति जर्जर घर में रहने को है विवश

डंडई। प्रखंड क्षेत्र के तसरार गांव के एक बुजुर्ग दंपत्ति श्यामलाल विश्वकर्मा व प्रभा देवी जर्जर झोपड़ीनुमा कच्चा घर में रहने को विवश है। घर का दीवार भी ढहने के कगार पर है। बरसात आते ही उसके घर के अंदर नमी आ गई और लगातार बारिश होने से उसका घर के अंदर जल का जमाव हो जा रहा है जिससे दंपति काफी परेशान है। बुजुर्ग दंपति श्याम लाल विश्वकर्मा उसकी पत्नी प्रभात देवी ने बताया कि कई दशकों से हम लोग इसी झोपड़ीनुमा जर्जर कच्चा घर में रहने को विवश है। खासकर बरसात के दिनों मे हम लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। बताया कि हमारा अबूआ आवास योजना में नाम आया है। परंतु उसका कब पैसा मिलेगा कोई गारंटी नहीं है। उसने बताया कि अबुआ आवास की मांग को लेकर मैं प्रखंड कार्यालय का कई बार चक्कर लगा चुका हूं। परंतु आज तक कोई भी पदाधिकारी हमारी समस्या को सुनने के लिए तैयार नहीं है। जिससे मेरा पक्का का घर नहीं बन पा रहा है। बुजुर्ग दंपति ने बताया कि आवास की मांग को लेकर हम जिले के उपायुक्त का दरवाजा भी खटखटाएंगे। बताया कि जर्जर कच्चा झोपड़ी नुमा जर्जर घर में रहना हम पति पत्नी के लिए मुसीबत बन गया है। कभी भी लगातार बारिश में हमारा जर्जर घर ढह सकता है।

गनियारी में तांडव मचाकर चला गया हाथी दो घर तोड़े व फसलें रौंदी, ग्रामीण सहमे

नवीन मेल संवाददाता

चंदवा। माल्हन पंचायत के गनियारी तेतरगढ़ा गांव में सोमवार की रात एक जंगली हाथी ने ऐसा तांडव मचाया कि दो परिवारों की जिंदगी उजड़ गई। सुनैना गंझू और सुभाष गंझू के घरों को हाथी ने पूरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया और आसपास की फसलों को भी रौंद डाला। गांव के लोगों ने बताया कि रात करीब 11 बजे अचानक हाथी गांव में घुसा और घरों को तोड़ने लगा। किसी तरह परिवार के सदस्य भागकर जान बचा पाए।

ग्रामीण करमा गंझू, सुगा देवी, मनवा देवी और अन्य लोगों ने बताया कि क्षेत्र में न तो बिजली है और न ही सड़क, जिससे अंधेरे में ऐसी घटनाओं से बचाव करना मुश्किल होता है। अब गांव वाले सरकार से मुआवजे के साथ-साथ बुनियादी सुविधाओं — बिजली और सड़क — की भी मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि जंगली जानवरों का भय यहां स्थायी हो गया है, और हर रात डर के साये में गुजरती है।

गाडिलौंग चोरी कांड का पुलिस ने किया खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार, तार बरामद

नवीन मेल संवाददाता

टंडवा (चतरा)। गाडिलौंग स्थित एक इलेक्ट्रॉनिक दुकान में हुई चोरी के मामले में पुलिस ने दो शातिर चोरों को गिरफ्तार कर लिया है। चोरी की वारदात के बाद जब पुलिस ने उड़सू मोड़ पर तलाशी अभियान चलाया, तब दो संदिग्ध युवकों को पकड़ा गया। थाना प्रभारी उमेश राम ने बताया कि पकड़े गए युवकों की पहचान बड़कागांव राय मोहल्ला के अफसर राय और तैयब राय के रूप में हुई है। पूछताछ में दोनों ने चोरी की बात कबूल की और उनके बताने पर केरेडारी चौक से तीन बंडल तार बरामद किए गए। दोनों आरोपियों के खिलाफ पहले से भी आपराधिक मामले दर्ज हैं। फिलहाल दोनों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है, और गिरोह के बाकी सदस्यों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है।

चंदवा एसबीआई के पास ट्रैक्टर-स्कूटी की टक्कर, दो घायल, एक रांची रेफर

नवीन मेल संवाददाता

चंदवा। मंगलवार की शाम एसबीआई चंदवा के समीप एक तेज रफ्तार स्कूटी ट्रैक्टर से टकरा गई। इस दुर्घटना में चीरो गरदाग गांव के राजू उरांव और अजीत महली गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, जहां राजू की हालत गंभीर देख उसे रांची रिम्स रेफर कर दिया गया। घटना की जानकारी मिलते ही विधायक प्रतिनिधि विजय दुबे, प्रमोद साहू और मो. अलाउद्दीन पप्पू अस्पताल पहुंचे और घायलों का हालचाल जाना। बताया जाता है कि दोनों युवक बाजार से लौट रहे थे, जब यह हादसा हुआ। स्थानीय लोगों ने दुर्घटनास्थल पर ट्रैफिक नियंत्रण की मांग की है ताकि भविष्य में ऐसे हादसों को रोका जा सके।

जेपीएससी में चयनित छात्रों का नवोदय विद्यालय में सम्मान

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय, बाजकुम में आयोजित समारोह में झारखंड लोक सेवा आयोग में चयनित दो पूर्व छात्र-छात्राओं मंजू लकड़ा और विक्रम सिंह को सम्मानित किया गया। विद्यालय के प्राचार्य रामायण पासवान भगत ने छात्रों को उनके जीवन से प्रेरणा लेने को कहा। चयनित छात्र-छात्राओं ने अपने अनुभव साझा करते हुए बच्चों को कठिन परिश्रम करने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम में शिक्षकों, छात्रों और अभिभावकों ने गर्मजोशी से भाग लिया।

लातेहार और बरवाडीह रेलवे स्टेशन पर अजमेर एक्सप्रेस का ठहराव सुनिश्चित

भाजपा नेताओं ने दिखाई हरी झंडी

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। चतरा सांसद कालीचरण सिंह के जनहितैषी प्रयास से अब लातेहार और बरवाडीह रेलवे स्टेशन पर 18009/18010 संतरागाछी-अजमेर शरीफ एक्सप्रेस का नियमित ठहराव सुनिश्चित कर दिया गया है। मंगलवार तड़के 3:30 बजे लातेहार रेलवे स्टेशन पर भाजपा जिलाध्यक्ष पंकज सिंह ने ट्रेन को प्रतीकात्मक हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर स्टेशन परिसर में स्थानीय नागरिकों और भाजपा कार्यकर्ताओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी।

सांसद कालीचरण सिंह द्वारा लंबे समय से रेलवे मंत्रालय से संवाद कर इस ट्रेन के ठहराव की मांग की जा रही थी। उन्होंने कहा कि यह ठहराव यात्रियों की वर्षों पुरानी मांग थी और अब इससे आम लोगों को अजमेर, चित्तौड़गढ़, पुष्कर व भीलवाड़ा जैसे धार्मिक और पर्यटन स्थलों तक यात्रा करने में विशेष सुविधा मिलेगी। भाजपा जिलाध्यक्ष पंकज सिंह ने इसे क्षेत्रीय विकास की दिशा में बड़ी उपलब्धि बताया। रेलवे अधिकारियों व भाजपा नेताओं ने इस पहल के लिए सांसद का आभार जताया।

हरातू पंचायत में घरेलू विवाद ने ली जान, कुएं में कूदने से युवक की मौत

नवीन मेल संवाददाता

बेतला (लातेहार)। बरवाडीह के छिपादोहर थाना क्षेत्र अंतर्गत हरातू पंचायत में रविवार को एक घरेलू विवाद में युवक की जान चली गई। रतन सिंह, जो नशे की हालत में था, ने शनिवार की रात पत्नी से विवाद किया और दुर्व्यवहार किया। विवाद बढ़ने पर उसने पत्नी के संवेदनशील अंगों पर हमला किया।

इसके बाद वह फरार हो गया। ग्रामीणों ने उसे पकड़कर पुलिस को सौंपने की योजना बनाई थी, लेकिन रविवार को रतन सिंह ने अपने घर के पास स्थित कुएं में छलांग लगा दी। ग्रामीणों ने बचाने की कोशिश की लेकिन नशे की हालत में वह डूब गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। मुखिया प्रतिनिधि जनेश्वर सिंह ने कहा कि यह पूरी घटना घरेलू विवाद और शराब की वजह से हुई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

अब कभी लौटकर नहीं आएंगे पंकज व नेशारुल गांव पहुंचते ही मातम में डूबा माहौल

नवीन मेल संवाददाता

चंदवा। तीन अगस्त की शाम बक्सर में ट्रेन हादसे में जान गंवाने वाले दो युवा मजदूरों — नेशारुल अंसारी (सुरली) और पंकज कुमार (हुचलु) — के पार्थिव शरीर मंगलवार को जैसे ही उनके गांव पहुंचे, गांव की फिजा मातम में बदल गई।

रेलवे ट्रैक पर मिले इन दोनों नौजवानों के शवों को देखकर हर आंख नम हो गई। घरों में कोहराम मचा हुआ है। परिजन बेसुध हैं, मांओं की सिसकियाँ और बहनों की चीखें आसमान चीर रही हैं। ये वही बेटे थे जो मेहनत की रोटियां कमाने बिहार के रघुनाथपुर गए थे, लेकिन लौटे तो एक ताबूत में बंद खामोश शरीर बनकर।

घटना की सूचना के बाद लातेहार विधायक प्रकाश राम के निर्देश पर प्रतिनिधि सुरेश यादव और विजय दुबे गांव पहुंचे, पीड़ित परिवारों से मुलाकात की और हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। वहीं परिजनों ने संदेह जताया कि यह दुर्घटना नहीं बल्कि हत्या हो सकती है, क्योंकि मृतकों के शरीर पर गहरे और संदिग्ध चोटों के निशान हैं। विधायक प्रतिनिधियों ने भरोसा दिलाया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद पूरे मामले की जांच कराई जाएगी।

आरा में कैंपिंग कर ग्रामीणों को बीमा के प्रति किया जागरूक

नवीन मेल संवाददाता

बालूमाथ। मंगलवार को एलआईसी अभिकर्ता पवन कुमार ने आरा ग्राम स्थित निजी कार्यालय में बीमा के लिए जागरूकता कैंप का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में सैकड़ों आस-पास के ग्रामीण शामिल हुए। पवन कुमार द्वारा कई बीमा जमा कर्ताओं को उपहार स्वरूप लैपटॉप बैग और कैस्ट्रॉल दिया गया। उन्होंने जीवन बीमा के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

मौके पर समाजसेवी रवि प्रकाश, चंद्रिका साव, प्रमोद साव, चितामन साव, विनोद साव, कुलदीप साव, भुनेश्वर यादव, सत्येंद्र राम, भोला कुमार, महिला प्रतिनिधि रूबी देवी, अनीता देवी, पार्वती देवी, मालती देवी, ममता देवी, आंचल देवी, गीता देवी सहित सैकड़ों महिला-पुरुष उपस्थित थे।

न्यूज बॉक्स

बरवाडीह प्रखंड कार्यालय में आयोजित शोकसभा, कर्मियों ने दी श्रद्धांजलि

बेतला (लातेहार)। पूर्व मुख्यमंत्री दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर बरवाडीह प्रखंड कार्यालय में बीडीओ रेशमा रेखा मिंज की अध्यक्षता में शोकसभा आयोजित की गई। प्रखंड व अंचल कार्यालय के सभी कर्मियों ने दो मिनट का मौन रखकर उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

बरवाडीह कांग्रेस कार्यालय में दिशोम गुरु को श्रद्धांजलि, दशम गुरु को बताया झारखंड निर्माता

बेतला (लातेहार)। बरवाडीह कांग्रेस कार्यालय में दिवंगत पूर्व मुख्यमंत्री सह राज्यसभा सांसद दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। युथ कांग्रेस के स्टेट कोऑर्डिनेटर विजय बहादुर सिंह ने उन्हें ₹झारखंड के बापू₹ की उपाधि देते हुए कहा कि अगर उनका संघर्ष नहीं होता, तो झारखंड का गठन संभव नहीं हो पाता। कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी और दो मिनट का मौन रखा। कार्यक्रम में कई कांग्रेस नेता, प्रखंड पदाधिकारी व गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

खेल परिसर में खिलाड़ियों ने दी अंतिम विदाई, संघर्ष से प्रेरणा लेने की अपील

लातेहार। जिला वॉलीबॉल संघ की ओर से जिला खेल स्टेडियम परिसर में शोक सभा आयोजित कर दिवंगत दिशोम गुरु शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि दी गई। खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और खेल संघ के पदाधिकारियों ने उनकी संघर्षगाथा को याद करते हुए दो मिनट का मौन रखा। संघ के कार्यकारी अध्यक्ष पंकज तिवारी ने उनके जीवन से प्रेरणा लेने की अपील की और कहा कि उन्होंने हर परिस्थिति में झारखंड के लिए लड़ाई लड़ी। सचिव प्रवीण मिश्रा ने कहा कि उनके बिना झारखंड की कल्पना अधूरी है। सभा में वॉलीबॉल, फुटबॉल, एथलेटिक्स के बालक-बालिकाएं शामिल रहीं।

बालूमाथ प्रखंड में दिशोम गुरु के निधन पर गहरा शोक, कई संस्थानों में श्रद्धांजलि सभाएं

बालूमाथ। दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर बालूमाथ प्रखंड के विभिन्न संगठनों, राजनीतिक दलों और सामाजिक संस्थाओं में शोक की लहर दौड़ गई। झामुमो प्रखंड कार्यालय में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर दो मिनट का मौन रखा। सरकारी व गैर सरकारी संस्थानों, विद्यालयों, और सोशल मीडिया पर भी लोगों ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में झामुमो, कांग्रेस, राजद और अन्य दलों के प्रतिनिधियों सहित समाजसेवी, मुखिया, युवा और नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

10 दिन से लापता नाबालिग को परिजनों ने अंबिकापुर से किया बरामद

- भटकने के बाद नाई परिवार ने दी थी शरण, याद आए मोबाइल नंबर से हुआ संपर्क

नवीन मेल संवाददाता

चतरा। 14 वर्षीय सरस्वती कुमारी, जो 10 दिन पूर्व घर से लापता हो गई थी, उसे परिजनों ने छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर से सुरक्षित बरामद कर लिया। पिता गोविंद विश्वकर्मा के अनुसार, एक नाई परिवार ने सरस्वती को शरण दी थी। सरस्वती ने बताया कि वह मौसी के घर जाने निकली थी लेकिन रास्ता भटक गई और मोबाइल नंबर न याद रहने के कारण संपर्क नहीं कर सकी। किसी तरह बड़े जीजा का नंबर याद कर परिजनों से संपर्क हुआ।

कैंडल मार्च निकाल युवाओं ने दी दिशोम गुरु को श्रद्धांजलि

- झारखंड निर्माता शिबू सोरेन के सम्मान में युवाओं ने लगाई 'अमर रहे' की गूंज

नवीन मेल संवाददाता

कान्हाचट्टी (चतरा)। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री, आदिवासी नेता और झारखंड आंदोलन के पुरोधा दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर चतरा जिले के कान्हाचट्टी प्रखंड अंतर्गत शहीद नीलाम्बर-पीताम्बर खेल मैदान, केंदुवा-सहोर में एक श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। कार्यक्रम में आदिवासी-मूलवासी समुदाय के युवा, बुद्धिजीवी, बुजुर्ग और सामाजिक कार्यकर्ता बड़ी संख्या में शामिल हुए। सभा में कैंडल जलाकर दो मिनट का मौन रखा गया तथा दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई। उपस्थित लोगों ने 'शिबू सोरेन अमर रहें', 'जब तक सूरज चांद रहेगा, बाबा तेरा नाम रहेगा', 'जय झारखंड', 'जोहार झारखंड' जैसे नारों के साथ अपने नेता को याद किया। सभा में जेएलकेएम प्रखंड अध्यक्ष सिकेंद्र खरवार, शिक्षक नरेश सिंह खरवार, संतोष सिंह खरवार, राजद नेता राजू सिंह बघेला, अरुण यादव, अनिल खरवार सहित दर्जनों नेता एवं युवाओं ने भाग लिया।

झारखंड की आत्मा शांत हो गई- दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर राज्यभर में शोक की लहर

नवीन मेल संवाददाता

चंदवा। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सांसद दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन से राज्य में शोक की लहर दौड़ गई। सोमवार को अंतिम सांस लेने वाले जननेता का मंगलवार को रामगढ़ जिले के गोला प्रखंड स्थित पैतृक गांव नेमरा में राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। शिबू सोरेन के निधन की खबर जैसे ही फैली, पूरे राज्य में सन्नाटा पसर गया। चंदवा प्रखंड सहित लातेहार जिले भर में भी गहरी संवेदना जताई गई।

"सब कुछ थम गया है" झामुमो नेताओं की आंखों में आंसू : झामुमो के लातेहार जिलाध्यक्ष लाल मोतीनाथ शाहदेव ने कहा, "गुरुजी अब हमारे बीच नहीं हैं, इस बात पर यकीन करना बेहद कठिन है। सबकुछ थम सा गया है।" केंद्रीय समिति सदस्य इस्तियाक खान (पप्पन खान) ने कहा, "झारखंड को दिशा देने वाले शख्स को हमने खो दिया है। उनकी कमी कभी पूरी नहीं हो सकेगी।" प्रखंड अध्यक्ष मनोज चौधरी ने इसे झारखंड की "अपूर्णीय क्षति" बताया, जबकि किसान मोर्चा अध्यक्ष सुरेश गंझू ने कहा, "उनके बिना झारखंड अलग राज्य की कल्पना भी अधूरी थी।"

फुटबॉल खिलाड़ियों और राजद कार्यकर्ताओं ने भी दी श्रद्धांजलि

स्थानीय स्टेडियम परिसर में फुटबॉल बोर्डिंग सेंटर के खिलाड़ियों ने भी शोकसभा कर गुरुजी को मौन नमन किया। कोच सुमित उरांव ने कहा, "दिशोम गुरु सिर्फ नेता नहीं, हमारी प्रेरणा थे। उनके विचार हमेशा जीवित रहेंगे।" इधर, पथ निर्माण विश्रामागार परिसर में राजद प्रखंड कमिटी द्वारा आयोजित श्रद्धांजलि सभा में रशीद खान, तपवन यादव, नासरीन बानो, इसरत बेगम, विजय कुमार, मो. हारून रशीद समेत कई कार्यकर्ताओं ने शोक व्यक्त किया।

"झारखंड की आवाज अब खामोश हो गई" : दीपू सिन्हा

पूर्व केंद्रीय समिति सदस्य व जिला प्रवक्ता दीपू कुमार सिन्हा ने कहा, आज झारखंड की आवाज हमेशा के लिए खामोश हो गई। महाजनी प्रथा, शोषण, अत्याचार के विरुद्ध जिस बुलंद आवाज ने झारखंडियों को जागरूक किया — वो आवाज आज शांत हो गई।"

राजनीतिक, सामाजिक संगठनों ने भी जताया दुख

भाजपा मंडल अध्यक्ष अमित गुप्ता ने इसे "एक युग का अंत" कहा। कांग्रेस नेता रामयश पाठक व प्रखंड अध्यक्ष असगर खान ने इसे "झारखंड का सूरज अस्त होने" जैसा दुखद क्षण बताया। माकपा नेता अयूब खान ने कहा, "आदिवासियों और वंचितों की आवाज को हमने खो दिया है।" मजदूर नेता प्रमोद साहु ने कहा, "झारखंड ने अपना सपूत खोया है।"

शोक व्यक्त करने वालों में शामिल रहे : शितमोहन मुंडा, रंजीत उरांव, अंकित तिवारी, नौशाद अंसारी, जतरु मुंडा, मो. काजू, महेंद्र प्रसाद साहू, आदर्श रवि राज, राकेश पाठक, बाबर खान, मो. अलाउद्दीन, डॉ. शम्स रजा, ब्रह्मदेव प्रजापति सहित दर्जनों नेता, सामाजिक कार्यकर्ता और गणमान्य लोग शामिल रहे।

झारखंड आंदोलनकारी मंच और बहुजन चेतना मंच ने दी श्रद्धांजलि : इंदिरा गांधी चौक स्थित विश्रामागार परिसर में झारखंड आंदोलनकारी मंच व बहुजन चेतना मंच के संयुक्त तत्वावधान में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। धनेशर भगत, सुरेंद्र भगत, जितेंद्र सिंह, विकास भगत सहित दर्जनों आंदोलनकारियों ने गुरूजी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर दो मिनट का मौन रखा और उनके योगदान को याद किया।

श्रद्धांजलि

दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर मोमिन कॉन्फ्रेंस व शिक्षक संघ ने जताया शोक

लोहरदगा। झारखंड आंदोलन के पुरोधा, दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर जिला मोमिन कॉन्फ्रेंस व झारखंड प्रदेश प्राथमिक शिक्षक संघ लोहरदगा ने गहरा शोक व्यक्त किया है। मोमिन कॉन्फ्रेंस व शिक्षक संघ ने कहा कि शिबू सोरेन का निधन झारखंड के लिए एक अपूरणीय क्षति है, जिसे कभी भरा नहीं जा सकता। संघ की ओर से जारी शोक संदेश में उन्हें झारखंड की आत्मा और सामाजिक न्याय की आवाज बताया गया। इस दुखद घड़ी में मोमिन कॉन्फ्रेंस की ओर से संवेदना प्रकट करने वालों में प्रदेश अध्यक्ष आबिद अली, सगीर अंसारी, शहादत हुसैन, शकूर अंसारी, हाजी अब्दुल जब्बार, मोजमिल अंसारी, जिला अध्यक्ष हाजी सिकंदर अंसारी, वरीय उपाध्यक्ष मुमताज अहमद, सवारत हुसैन, जहूर अंसारी, सेराज अंसारी, परवेज अंसारी, नसीम अंसारी, मोजाहिर अंसारी, हसनैन अंसारी, वही शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष शैलेन्द्र कुमार सुमन, जिला अध्यक्ष मुमताज अहमद, शिक्षक रामकुर साहू, शिवानंद साहू, तौफीक अहमद, अयूब अंसारी, जैनुल अंसारी, सुधा लकड़ा, पुष्पा कुजूर, सावित्री मधुर, जमरूल अंसारी, वजीर अंसारी, मौलाना जलालुद्दीन अंसारी, कयूम अंसारी, सईद अंसारी सहित अन्य गणमान्य लोग शामिल रहे।

दिशोम गुरु शिबू सोरेन को आज श्रद्धांजलि देगा झारखंड आंदोलनकारी महासभा

लोहरदगा। झारखंड आंदोलनकारी महासभा लोहरदगा जिला समिति के कार्यकारी जिला अध्यक्ष अमर किंडो ने प्रेस रिलीज कर बताया कि झारखंड आंदोलन के प्रणेता, पूर्व मुख्यमंत्री एवं झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक दिशोम गुरु वीर शिबू सोरेन के निधन को झारखंड की आत्मा पर गहरा आघात और एक अपूरणीय क्षति है। महासभा की ओर से 6 अगस्त (बुधवार) को ब्लॉक मोड़ के समीप स्थित नीरू शांति भगत के आवासीय परिसर में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया जाएगा, जिसमें आंदोलनकारी समुदाय सहित विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। इस संबंध में झारखंड आंदोलनकारी महासभा लोहरदगा जिला समिति के अध्यक्ष अनिल कुमार भगत, कार्यकारी अध्यक्ष अमर किंडो, सचिव विशेषण भगत, उपाध्यक्ष उषा रानी लकड़ा एवं कोषाध्यक्ष कृष्णा कुमार ठाकुर ने संयुक्त बयान जारी कर जिले के समस्त आंदोलनकारियों से इस श्रद्धांजलि सभा में भाग लेने की अपील की है। नेताओं ने कहा कि दिशोम गुरु का पूरा जीवन संघर्ष, न्याय और सामाजिक चेतना का प्रतीक रहा है। उन्होंने न केवल झारखंड के अलग राज्य की लड़ाई को धार दी, बल्कि आदिवासी अस्मिता और सम्मान की बुलंद आवाज बने। उनके जाने से एक युग का अंत हुआ है, जिसे शब्दों में बयान नहीं किया जा सकता। सभा में गुरुजी के जीवन, संघर्ष और योगदान को स्मरण करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी।

झारखडियों के राजनीतिक गुरु थे दिशोम गुरु शिबू सोरेन : अजातशत्रु

लोहरदगा। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन के निधन पर भारतीय जनता युवा मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष अजातशत्रु के द्वारा टाइनी टास्क विद्यालय परिसर में शोक सभा का आयोजन किया गया । नम आंखों से उनके प्रति श्रद्धा सुमन अर्पित की गई। झारखंड प्रदेश भाजपा युवा मोर्चा के उपाध्यक्ष अजातशत्रु ने कहा कि उनका जीवन सादा और विचार हमेशा उच्च रहा है ।इनकी कमी की भरपाई कभी नहीं की जा सकती। अजातशत्रु ने कहा कि हमें इनके जीवन से प्रेरणा प्राप्त कर झारखंड एवं देशहित के लिए कार्य करना चाहिए, यही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। इस अवसर पर ओमप्रकाश सिंह, राजमोहन राम, आजाद शत्रु, मिथुन तमेडा, वाल्मीकि साहु, बिट्टू गुप्ता, यशस्वी ओझा, शुभम कुमार, सचिन सिंह,मृणाल प्रकाश, निशांत सिंह, पवन शाहदेव, संजय राम, प्रवीण ठाकुर, नविन ठाकुर, सतीश बरई, सूरज कुमार, पवन प्रजापति, प्रियांशु कुमार, निक्की कुमार, मनीष नामदेव, उज्वल कुमार, बुल्लू,राजा दास, अक्षय महतो, सुबोध महतो, ऋतिक सिंह उपस्थित थे।

शिबू सोरेन का निधन समस्त देश के लिए अपूरणीय क्षति : सांसद सुखदेव भगत

लोहरदगा । लोकसभा के सांसद सुखदेव भगत स्वर्गीय शिबू सोरेन के अंत्येष्टि कार्यक्रम में भाग लेने हेतु दिल्ली से रांची पहुंचे। रांची एयरपोर्ट पर पत्रकारों को शोक संदेश में कहा की दिशोम गुरु आदरणीय शिबू सोरेन जी का निधन केवल झारखंड वासियों के लिए ही नहीं बल्कि समस्त देश के लिए अपूरणीय क्षति है ।हमने एक अभिभावक खोया है। गुरु जी ने आदिवासी, वंचित शोषित समाज के अधिकारों के लिए आजीवन संघर्ष किया। झारखंड के निर्माण में उनकी भूमिका को हमेशा याद किया जाएगा। एयरपोर्ट से सांसद स्वर्गीय शिबू सोरेन के पैतृक गांव नमेरा (रामगढ़) जहां उनका अंत्येष्टि होगा वहां भाग लेने के लिए रवाना हुए।

पूर्व राज्यसभा सांसद धीरज साहू ने शिबू सोरेन के निधन पर जताया शोक

लोहरदगा। झारखंड आंदोलन के अग्रणी नेता, झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और जेएमएम के संस्थापक दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व राज्यसभा सांसद धीरज प्रसाद साहू ने गहरा शोक व्यक्त किया है। कहा कि झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री, आदिवासी समाज की आवाज़, संघर्ष और जनसेवा की जीवंत प्रतीक दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन का अत्यंत दुःखद समाचार प्राप्त हुआ। उनका संपूर्ण जीवन जनहित, सामाजिक न्याय और झारखंड की अस्मिता के लिए समर्पित रहा। उन्होंने जिस दृढ़ता से आदिवासी समुदाय के अधिकारों की लड़ाई लड़ी, वह आने वाली पीढ़ियों को सदैव प्रेरित करती रहेगी। इस कठिन समय में मैं झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन एवं शोकसंतप्त परिवार के प्रति गहरी संवेदना प्रकट करता हूँ। ईश्वर दिवंगत आत्मा को चिरशांति प्रदान करें।

सावन के अंतिम चरण में शिवालयों में उमड़ा आस्था का जनसैलाब

1200 फीट ऊंची पहाड़ी पर चढ़कर श्रद्धालु करते हैं भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक

- भक्तों ने ऊंचाई की परवाह किए बिना कठिन रास्ता पार कर शिवधाम तक पहुंचकर जलाभिषेक किया

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। सावन माह अपने अंतिम पड़ाव की ओर बढ़ रहा है। सावन पूर्णिमा अब कुछ ही दिनों की दूरी पर है और इसी के साथ जिलेभर में शिवभक्ति का सैलाब उमड़ पड़ा है। हर दिन, श्रद्धालु भोलेनाथ की पूजा-अर्चना में डूबे नजर आ रहे हैं। मंगलवार को जिले के प्रसिद्ध अखिलेश्वर धाम (भंडरा) और चंदवा-गड़गांव की 1200 फीट ऊंची पहाड़ी पर स्थित महादेव मंडा मंदिर में आस्था का अद्भुत दृश्य देखने को मिला।

भक्तों ने ऊंचाई की परवाह किए बिना कठिन रास्ता पार कर शिवधाम तक पहुंचकर जलाभिषेक किया। यह दृश्य श्रद्धा और भक्ति के अनोखे संगम का प्रतीक बन गया। यहां श्रद्धालु पहले कई सीढ़ियां चढ़कर पहाड़ी की चोटी तक पहुंचते हैं, फिर कमर तक पानी में उतरकर भगवान शिव का जलाभिषेक करते हैं। यह कठिन मार्ग भक्तों की आस्था को और भी पवित्र बना देता है। इसके अलावा बक्सीडीपा, सेरेंगहातू, सीठीयो, कोराम्बे, चौकनी, बदला अरु, बुटी, झखरा, सेन्हा समेत अन्य गांवों के शिवालयों में भी सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। हर मंदिर में भक्ति, आराधना और शिवभाव की गूंज सुनाई दी। गेरुआ वस्त्रों में सजे महिला-पुरुष व बच्चे "बोल बम" और "हर हर महादेव" के जयघोष करते हुए कतारबद्ध होकर मंदिरों की ओर बढ़ते दिखे। मंदिरों में ओम नमः शिवाय के मंत्रों की गूंज और भक्ति गीतों की मधुर ध्वनि से पूरा वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा से भर उठा। श्रद्धालुओं ने फूल, बेलपत्र, चंदन, रोली, प्रसाद आदि अर्पित कर भोलेनाथ से सुख-शांति, आरोग्य और समृद्धि की कामना की। आचार्य व पुरोहितों द्वारा विधिवत पूजा कराई गई। सावन के इस पावन अवसर पर पूरा लोहरदगा जिला शिवमय और भक्तिमय हो गया है — जहां न केवल श्रद्धा दिखती है, बल्कि आस्था का जीवंत अनुभव होता है।

पीपल का विशाल पेड़ गिरा, लोहरदगा -पेशरार मुख्य सड़क अवरुद्ध

लोहरदगा। जिले में लगातार हो रही बारिश के कारण किस्को प्रखंड अंतर्गत बेटहट हेसापीढ़ी गांव स्थित सरना स्थल का पूजनीय पीपल का विशाल वृक्ष जड़ सहित उखड़कर लोहरदगा-पेशरार मुख्य सड़क पर जा गिरा। जिससे सड़क पूरी तरह से अवरुद्ध हो गई है। पेड़ के सड़क पर गिरने से न केवल वाहनों की आवाजाही बंद हो गई है, बल्कि पैदल चलना भी दुश्वार हो गया है। यह सड़क कई गांवों को जिला मुख्यालय से जोड़ती है, जिससे आम लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय ग्रामीणों ने प्रखंड प्रशासन से मांग की है कि शीघ्र अति शीघ्र सड़क से पेड़ को हटवाया जाए, ताकि लोगों की आवाजाही सामान्य हो सके।

हलवाई समाज के कुलदेवता श्री गणिनाथ गोबिंद जी का महोत्सव 23 अगस्त को

सिमडेगा। स्थानीय उपकार रेस्ट हाउस में मंगलवार को मधेशीय (हलवाई) कानू समाज की एक आवश्यक बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता समाज के अध्यक्ष बजरंग प्रसाद सेवई ने की। बैठक में इस वर्ष भी परंपरा के अनुसार कुल देवता श्री श्री 1008 गणिनाथ गोबिंद जी का महोत्सव भव्य रूप से आयोजित करने का निर्णय लिया गया।

सड़क हादसे में कांवरिया की दर्दनाक मौत, एक गंभीर रूप से घायल

- आंजन धाम से कांवर यात्रा पूरी कर अपने घर लोहरदगा लौट रहे थे

नवीन मेल संवाददाता

सेन्हा-लोहरदगा। लोहरदगा जिले के सेन्हा थाना क्षेत्र अंतर्गत एनएच-143ए पर अमन चौक के पास स्थित शुभम गैस एजेंसी के सामने रविवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ, जिसमें कांवर यात्रा से लौट रहे एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया।

मिली जानकारी के अनुसार, दोनों युवक स्कूटी पर सवार होकर गुमला जिले के आंजन धाम से कांवर यात्रा पूरी कर अपने घर लोहरदगा लौट रहे थे। इसी दौरान विपरीत दिशा से आ रहा एक लाल रंग का वीक्टा वाहन अचानक स्कूटी को टक्कर मारते हुए फरार हो गया। इस हादसे में स्कूटी सवार एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतक की पहचान लोहरदगा हटिया गार्डन निवासी पप्पू गुप्ता के पुत्र आशीष कुमार गुप्ता के रूप में हुई है। वहीं घायल युवक की पहचान थाना टोली निवासी ऋषभ केशरी के रूप में की गई है।

हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय ग्रामीणों और पुलिस की मदद से घायल को इलाज के लिए सदर अस्पताल लोहरदगा भेजा गया, जबकि मृतक के शव को पुलिस ने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। ग्रामीणों के अनुसार, मृतक का सिर और पेट बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया था, जिससे उसकी मौके पर ही मृत्यु हो गई। घटना के संबंध में थाना प्रभारी वारिश हुसैन ने बताया कि गाड़ी को पकड़ने के लिए तत्काल घाघरा थाना को सूचित करते हुए वाहन जांच अभियान चलाया गया। उन्होंने बताया कि घटनास्थल के आसपास की सीसीटीवी फुटेज खंगाल वाहन को पकड़ लिया जाएगा। घटना के संबंध में बताया जाता है कि गाड़ी में कोई रॉड निकला हुआ था जो पहले पेट में लगी और अनियंत्रित हो कर कांवरिया गिर पड़ा जिससे सिर फट गया और मौके पर ही घटना स्थल पर मौत हो गई। हालांकि सिर पर हेलमेट होता तो शायद जान बच सकता था। पुलिस फरार वाहन की तलाश में जुट गई है और पूरे मामले की जांच जारी है।

झारखंड आंदोलन के मसीहा को सलाम : अब्दुल रऊफ अंसारी

- हमारे दिलों में हमेशा जीवित रहेंगे दिशोम गुरु: शाहिद अहमद बेलू

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। झारखंड की आत्मा, संघर्ष का प्रतीक और समानता की आवाज दिशोम गुरु शिबू सोरेन को नम आंखों से खिराज ए अकीदत पेश करते हुए अंजुमन इस्लामिया लोहरदगा ने उन्हें झारखंड के इतिहास का अमिट स्तंभ बताया। सदर अब्दुल रऊफ अंसारी ने कहा कि दिशोम गुरु न केवल एक राजनेता थे, बल्कि एक जननायक, एक विचार, और एक आंदोलन थे। वे हर वर्ग और समुदाय की बेहतरी के लिए लड़ने वाले ऐसे विरले नेता थे, जिनका इंतकाल झारखंड ही नहीं, पूरे देश के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्होंने कहा कि अपने जीवन का हर लम्हा उन्होंने समाज के वंचित, शोषित और दबे-कुचले वर्गों की आवाज बनने में बिताया। शिक्षा, रोजगार, हक़ और सम्मान की लड़ाई में उन्होंने कभी पीछे नहीं हटे। उनका मार्गदर्शन और प्रेरणा आने वाली पीढ़ियों को संघर्ष की राह दिखाता रहेगा। सचिव शाहिद अहमद बेलू ने खिराज ए अकीदत पेश करते हुए कहा कि दिशोम गुरु शिबू सोरेन झारखंड आंदोलन के शिखर व्यक्तित्व थे। उन्होंने जंगल से लड़ाई की शुरुआत की और जनमानस को झारखंड अलग राज्य की चेतना से जोड़ा। उनका जीवन, उनका संघर्ष और उनका विज़न आज के झारखंड की नींव हैं। वे हमारे दिलों में हमेशा जिन्दा रहेंगे।

11 महीने की बच्ची का हाथ उबलते पानी में झुलसा, भर्ती

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। जिला के सेन्हा थाना क्षेत्र के अलौदी सुरसुरी गांव में मंगलवार को 11 महीने की मासूम बच्ची खेलते-खेलते अचानक खोलते हुए गर्म पानी में हाथ डाल बैठी। बच्ची के जोर-जोर से रोने की आवाज सुनते ही परिजन घबराकर मौके पर पहुंचे और तुरंत उसे लोहरदगा सदर अस्पताल लेकर पहुंचे। सदर अस्पताल में मौजूद चिकित्सकों ने बच्ची का प्राथमिक उपचार करने के बाद उसे निगरानी में रखा है। डॉक्टरों के मुताबिक, बच्ची के हाथ में जलन की गंभीर चोटें आई हैं, लेकिन समय रहते इलाज शुरू कर देने से फिलहाल उसकी स्थिति खतरे से बाहर बताई जा रही है। परिवार के अनुसार, घटना उस समय हुई जब बच्ची घर में खेल रही थी और पानी उबालने के लिए रखे गए बर्तन के पास पहुंच गई। अचानक खेलते-खेलते उसने अपना हाथ उबलते पानी में डाल दिया, जिससे वह बुरी तरह झुलस गई। परिजनों का कहना है कि बच्ची की उम्र बहुत कम होने के कारण वह दर्द से लगातार रो रही थी और उसका इलाज जारी है। इस घटना से यह संदेश मिलता है कि छोटे बच्चों के पास गर्म पानी या किसी भी खतरनाक वस्तु को बिल्कुल भी न छोड़ा जाए और माता-पिता को हर समय सतर्क रहना चाहिए।

बीमारी की हालत में भी झारखंड आंदोलनकारियों से मिलने उठ खड़े हुए थे दिशोम गुरु

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। झारखंड के इतिहास में एक ऐसा अध्याय जो पीढ़ियों तक प्रेरणा देता रहेगा, जब 1 अक्टूबर 2022 को झारखंड आंदोलनकारियों का 14 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल आदरणीय दिशोम गुरु शिबू सोरेन से मिलने उनके मोरहाबादी स्थित आवास पहुंचा, तब शायद ही किसी को उम्मीद रही हो कि शारीरिक रूप से अत्यंत अस्वस्थ वह योद्धा बिस्तर छोड़कर बाहर आएंगे।केयरटेकर बागान जी ने प्रतिनिधिमंडल को सूचित किया कि गुरुजी की तबीयत काफी खराब है। उन्हें अभी-अभी दवाएं दी गई हैं और वे विश्राम कर रहे हैं। आग्रह किया गया कि अगली सुबह मुलाकात की जा सकती है। लेकिन आंदोलनकारियों ने अपनी भावना पर जोर दिया, हम बिना मिले नहीं लौटेंगे। इस दृढ़ संकल्प की आवाज जैसे ही गुरुजी ने सुनी, उन्होंने बीमारी को किनारे रखकर अपनी पूरी चेतना से उठने का निर्णय ले लिया। यह दृश्य सभी की आंखों को नम कर देने वाला था, झारखंड की आत्मा माने जाने वाले दिशोम गुरु शिबू सोरेन लड़खड़ाते कदमों से बाहर आए, और संघर्ष के सच्चे सिपाहियों से मिलने का कर्तव्य निभाया।प्रतिनिधिमंडल ने सबसे पहले उन्हें पुष्पगुच्छ और शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। इसके बाद झारखंड आंदोलनकारियों की ओर से एक 11 सूत्रीय मांग पत्र सौंपा गया, जिसमें आंदोलनकारियों के लिए जेल जाने की बाध्यता समाप्त करने, समान रूप से मान-सम्मान, नियोजन, पेंशन जैसी महत्वपूर्ण मांगें शामिल थीं। गुरुजी ने न केवल पूरे मन से प्रतिनिधिमंडल की बातें सुनीं, बल्कि यह भी आश्वस्त किया कि वे इस दिशा में यथासंभव सकारात्मक पहल करेंगे। उस पल में उन्होंने केवल एक राजनेता या आंदोलनकारी नहीं, बल्कि एक विनम्र सेवक और आदिवासी समाज के पथप्रदर्शक के रूप में अपना धर्म निभाया।

चाल्हो गांव में श्मशान घाट व कब्रिस्तान तक जाने वाली सड़क कीचड़ में तब्दील

- ग्रामीणों ने प्रशासन से की सुधार की मांग

नवीन मेल संवाददाता

कैरो/लोहरदगा। कैरो प्रखंड क्षेत्र के गजनी पंचायत अंतर्गत चाल्हो गांव में स्थित तालाब से लेकर सभी समुदायों — मुस्लिम, ईसाई, आदिवासी और हिंदू — के अंतिम संस्कार स्थलों (श्मशान घाट, कब्रिस्तान, मसना) तक जाने वाला एकमात्र रास्ता पूरी तरह कीचड़ में तब्दील हो चुका है। स्थानीय ग्रामीणों रिजवान अंसारी, पंकज साहू, बीरबल तुरी, तबरेज अंसारी, कासिम अंसारी, इमरान अंसारी, सोमरा उरांव, विक्रम तुरी और दीपक साहू ने बताया कि वर्षों पहले इस सड़क पर मोरम डाला गया था, लेकिन रखरखाव के अभाव में अब यह बदहाल हो चुकी है। लगातार हो रही बारिश ने स्थिति और भी खराब कर दी है। रास्ते पर इतना कीचड़ हो गया है कि पैदल चलना तक मुश्किल हो गया है। यह रास्ता खेतों के बीच से होकर गुजरता है, जिससे किसान अपनी फसलें भी इसी मार्ग से घर तक लाते हैं। ग्रामीणों ने प्रखंड प्रशासन से मांग की है कि इस सड़क की शीघ्र मरम्मत कराई जाए ताकि गांववासियों को अंतिम संस्कार के लिए और दैनिक कार्यों में आने-जाने में परेशानी न हो।

पतंजलि परिवार आचार्य बालकृष्ण जी के जन्म दिवस को जड़ी बूटी दिवस के रूप में मनाया

वनस्पति जगत, औषधीय पौधे हैं तो हम हैं हमारा वजूद है : प्रवीण कुमार

- औषधीय जड़ी बूटियों का किया गया वितरण
- पूरे माह आचार्य बालकृष्ण जी के जन्म दिवस पर पतंजलि मनाएगी जड़ी बूटी माह

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। पतंजलि योग समिति भारत स्वाभिमान न्यास जिला लोहरदगा के तत्वावधान में श्रद्धेय आचार्य बालकृष्ण जी के जन्मदिवस पर आयोजित जड़ी बूटी दिवस के रूप में मनाया गया। जिसमें जिला के कई जगहों पर औषधीय पौधों एवं जड़ी बूटी का निःशुल्क वितरण किया गया जिसमें जिला प्रभारी एवं मुख्य योग प्रशिक्षक प्रवीण कुमार भारती के द्वारा व्यवहार न्यायालय लोहरदगा में जज एवं अधिवक्तागण, न्यायालय के कर्मचारियों एवं अन्य लोगों के बीच गिलोय, एलोवेरा, नीम आदि पौधों का वितरण किया गया। मौके पर जिला प्रभारी ने कहा कि वनस्पति जगत, औषधीय पौधे हैं तो हम हैं हमारा वजूद है। वर्ना हमारा अस्तित्व ही मिट जाएगा। औषधीय पौधे विशेषकर गिलोय, तुलसी, एलोवेरा, अर्जुन, भूमि आंवला, पुनर्नवा आदि किसी महौषधि से कम नहीं है। सिर्फ गिलोय के सेवन से बी पी,शुगर, जोड़ों के दर्द, बुखार, मूत्र रोग, रोगप्रतिरोधक क्षमता एवं शरीर की कमजोरी के लिए भी अद्भुत लाभदायक होता है। आज इम्मयून सिस्टम को लेकर हर कोई चिंतित रहता है ऐसे में गिलोय रामबाण औषधि है अतः योगानुकूल जीवन जीने के साथ साथ औषधि सेवन भी हमारे स्वास्थ्य के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। संरक्षक शिव शंकर सिंह, पतंजलि जिला प्रभारी के अभय भारती की उपस्थिति में भी शिव मंदिर कृषि बाजार लोहरदगा प्रांगण में औषधीय पौधे का वितरण किया गया। जिसमें शहर के गणमान्य जन मौजूद रहे।

सिसई के बोंडो पंचायत में मिले प्राचीन शिवलिंग व देवी देवताओं के शिलाचित्र

● ग्रामीणों में श्रद्धा और उल्लास की लहर

नवीन मेल संवाददाता

सिसई (गुमला)। प्रखंड क्षेत्र के अंतिम छोर पर स्थित बोंडो पंचायत में मिट्टी में दबे हुए प्राचीन शिवलिंग और देवी देवताओं के शिलाचित्र मिले हैं। जिससे पूरे इलाके में श्रद्धा और उत्साह का माहौल है। उक्त स्थान पर पांच शिवलिंग मिले हैं वहीं कई छोटे-छोटे शिवलिंग आस पास बिखरे पड़े हैं साथ ही अनेक शिलाओं पर मां दुर्गा, बजरंग बली, सूर्य भगवान एवं कई देवी देवताओं के चित्र बने हुए हैं। ग्रामीणों का मानना है कि यह स्थल मुग़ल काल से पूर्व के प्राचीन मंदिर का अवशेष है जिसे मुगल आक्रांताओं ने ध्वस्त कर दिया था। क्योंकि मुगलों ने अपने शासन काल में हिन्दू देवी देवताओं के कई मंदिरों को ध्वस्त कर दिया था। ये अवशेष भी उन्हीं में से एक है।

विश्व हिन्दू परिषद के कार्यकर्ता व समाजसेवी उदय कुशवाहा जी ने ग्रामीणों के साथ बैठक कर उक्त स्थान से सभी शिवलिंग और शिलाओं को जमीन से बाहर निकालने एवं उक्त स्थान की साफ सफाई कर पूजा पाठ प्रारंभ करने का निर्णय लिया। उदय कुशवाहा की अगुवाई में ग्रामीणों ने महादेव स्थल की साफ सफाई की और श्रावण के अंतिम सोमवार को गांव में कलश यात्रा का आयोजन किया गया। जिसमें सैकड़ों महिला पुरुष व युवक युवतियां शामिल हुए।

महादेव स्थल से एक किलोमीटर की दूरी पर स्थित है फटिया डाडी कुण्ड जहां पर पाहान द्वारा विधिपूर्वक पूजा अर्चना कराते हुए कुण्ड से जलभरनी का रस्म निभाया गया । सभी श्रद्धालु भोलेनाथ जी का जयकारा लगाते हुए कलश में कुण्ड का जल भरकर महादेव स्थान पहुंचे और शिवलिंग पर जल चढ़ाया। भक्तों ने शिवलिंग पर दूध दही शहद और गंगा जल से जलाभिषेक कर पूजा अर्चना करते हुए बाबा भोलेनाथ जी से अपने परिवार और गांव में सुख समृद्धि व शांति के लिए प्रार्थना किए। भक्तों के लिए विशाल भंडारा का आयोजन किया गया था। जलाभिषेक और पूजा अर्चना करने के बाद सभी श्रद्धालुओं के बीच भंडारे का प्रसाद वितरण किया गया। इस स्थान को धार्मिक स्थल के रूप में विकसित करने हेतु पंचायत के मुखिया सोनी तिर्की एवं हिन्दू जागरण मंच के प्रदेश परावर्तन प्रमुख संजय वर्मा, प्रखण्ड अध्यक्ष मुकेश ताम्रकर, विश्व हिन्दू परिषद बजरंग दल के संरक्षक मुकेश श्रीवास्तव डेविड, रोहित शर्मा सहित अन्य गणमान्य लोगों को मुख्य अतिथि के रूप में सादर आमंत्रित किया गया था।

आंजनधाम से लौट रहे श्रद्धालुओं की ऑटो को कार ने मारी टक्कर, 10 घायल

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। गुमला-रायडीह मुख्य मार्ग स्थित जोड़ाजाम के समीप सोमवार को एक बड़ा सड़क हादसा हो गया, जब श्रद्धालुओं से भरी एक ऑटो को सामने से आ रही तेज रफ्तार कार ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में ऑटो में सवार 10 श्रद्धालु घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, सभी श्रद्धालु घाघरा के देवाकीधाम और आंजनधाम में पूजा-अर्चना कर अपने घर लौट रहे थे। जैसे ही उनकी ऑटो जोड़ाजाम के पास पहुंची, सामने से आ रही कार ने टक्कर मार दी, जिससे ऑटो अनियंत्रित होकर पलट गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार का शीशा पूरी तरह चकनाचूर हो गया। वहीं, कार चालक घटनास्थल से फरार हो गया।

घटना में लसडा करमटोली निवासी 22 वर्षीय आरती कुमारी व उनकी बहन 25 वर्षीय गुड़िया कुमारी गंभीर रूप से घायल हुईं, जिनका इलाज गुमला सदर अस्पताल में चल रहा है। वहीं डुमरटोली निवासी शंकर राम, ललिता देवी समेत अन्य घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। स्थानीय लोगों ने तुरंत घायलों को अस्पताल पहुंचाया। पुलिस मामले की जांच कर रही है और फरार कार चालक की तलाश जारी है।

अदालत आने वाले लोगों की सुविधा के लिए लागया वाटर कुलर

सिमडेगा। अदालत आने वाले लोगों की सुविधा के लिए वाटर कुलर लगाया गया है। जहां लोग शीतल पेय का लाभ उठा सकते हैं। मंगलवार को प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश राजीव कुमार सिन्हा ने पेयजल एवं स्वच्छता विभाग द्वारा न्यायालय परिसर में लगाए गए वाटर कूलर का उद्घाटन किया। इस मौके पर पीडीजे ने कहा कि कोर्ट आने वाले आम जन और अधिवक्ताओं के लिए ठंडा पानी उपलब्ध होगा। उन्होंने कहा कि लोगों की सुविधा के लिए लगाए गए वाटर कुलर का लाभ लोग उठाएं। पीडीजे ने वाटर कुलर उपलब्ध कराने वाले संस्थान के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सभी वर्गों को समाज सेवा में योगदान देना चाहिए।

मिट्टी की दीवार गिरने से महिला की मौत, बेटी घायल

नवीन मेल संवाददाता

भरनो (गुमला)। भरनो प्रखंड अंतर्गत पुराना अस्पताल के पीछे स्थित एक मिट्टी के घर में अचानक दीवार गिर जाने से एक महिला की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि उसकी बेटी गंभीर रूप से घायल हो गई।

जानकारी के अनुसार, बिमल बड़ा की पत्नी अश्रिता बड़ा (उम्र लगभग 40 वर्ष) और बेटी बबली बड़ा घर के अंदर पलंग पर सो रही थीं। इसी दौरान घर की कच्ची ईंट एवं मिट्टी से बनी दीवार अचानक गिर पड़ी, जिससे दोनों उसमें दब गईं। घटना के समय घर के मुखिया बिमल बड़ा मॉर्निंग वॉक पर गए हुए थे। जब वह वापस लौटे तो घर का मंजर देख दंग रह गए। आनन-फानन में मिट्टी हटाकर दोनों को बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक अश्रिता की मौत हो चुकी थी।

वहीं बबली को गंभीर हालत में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भरनो पहुंचाया गया, जहां उसका इलाज जारी है। बताया जा रहा है कि बबली के कंधे और हाथ में गंभीर चोटें आई हैं।

घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीणों के साथ-साथ जनप्रतिनिधि एवं प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। उपस्थित लोगों में उत्तर भरनो मुखिया मंजू देवी, दुम्बो मुखिया जयराम उरांव, मारासिली मुखिया सुकेश उरांव, अंचल कर्मी बलराम भगत एवं भाजपा मंडल अध्यक्ष हरिशंकर शाही, पूर्व मुखिया मुकेश उरांव, पूर्व उपप्रमुख एतवा उरांव, कपिल गोप सहित कई लोग मौजूद थे। प्रशासन द्वारा मृतका के पति बिमल बड़ा को तत्काल 10 हजार रुपये की सहायता राशि दाह संस्कार के लिए दी गई।

शेष मुआवजा राशि आपदा प्रबंधन मद से प्रक्रिया पूरी होने के बाद प्रदान की जाएगी।

भरनो थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु गुमला सदर अस्पताल भेज चुकी है। इस हृदयविदारक घटना से गांव में मातम पसरा है। लोग परिजनों को ढांढस बंधाते हुए हर संभव सहयोग का आश्वासन दे रहे हैं।

शिबू सोरेन के निधन पर जरडा पंचायत भवन में दी गयी श्रद्धांजलि

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। झारखंड आंदोलन के अग्रणी नेता, आदिवासी समाज के सशक्त प्रतिनिधि और राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन के 81 वर्ष की उम्र में निधन की खबर से पूरे झारखंड में शोक की लहर दौड़ गई है। उनके निधन पर मंगलवार को जरडा पंचायत भवन में एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया, जिसमें दर्जनों लोगों ने नम आंखों से उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस शोकसभा में झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के कार्यकर्ता, क्षेत्रीय नेता और पंचायत प्रतिनिधि बड़ी संख्या में शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता जारी प्रखंड संगठन सचिव गुलामे मुस्तफा ने की। इस अवसर पर जरडा पंचायत के मुखिया विनय एक्का, फरमान आलम, जूलियस कुजूर सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। सभा में वक्ताओं ने गुरुजी के रूप में प्रसिद्ध शिबू सोरेन के जीवन संघर्ष, आदिवासी हितों की लड़ाई और झारखंड राज्य की स्थापना में उनकी निर्णायक भूमिका को याद करते हुए कहा कि उनका जीवन आदिवासी समाज ही नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए एक मिसाल है। उनके सिद्धांत और संघर्ष आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा देते रहेंगे। श्रद्धांजलि सभा के अंत में दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत नेता की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई।

'हर घर तिरंगा' अभियान को लेकर भाजपा की कार्यशाला संपन्न

गुमला। आगामी हर घर तिरंगा अभियान को लेकर भारतीय जनता पार्टी, गुमला द्वारा जिला अध्यक्ष विनय कुमार लाल की अध्यक्षता में एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अभियान के जिला प्रभारी गणेश मिश्रा उपस्थित रहे। अपने संबोधन में श्री मिश्रा ने कहा कि आज "हर घर तिरंगा" अभियान केवल एक सरकारी पहल नहीं, बल्कि जन-आंदोलन बन चुका है। देशवासी गर्व और उत्साह के साथ अपने घरों में तिरंगा फहरा रहे हैं और देशभक्ति की भावना को एकजुट होकर साझा कर रहे हैं।

16.5 किलो गांजा के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

घाघरा। घाघरा पुलिस को मिली एक और बड़ी सफलता एक बड़ी कार्रवाई करते हुए मंगलवार को 16.5 किलोग्राम गांजा के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। गुप्त सूचना के आधार पर यह कार्रवाई घोड़ाटांगर के समीप की गई, जहां पुलिस ने पल्सर मोटरसाइकिल पर सवार दो संदिग्ध युवकों को रोका और जांच के दौरान भारी मात्रा में गांजा बरामद किया। गिरफ्तार किए गए युवकों की पहचान छत्तीसगढ़ के लोदाम निवासी विकास कुमार साहू और झारखंड के लोहरदगा निवासी मनीष साहू के रूप में हुई है। दोनों सिसई से अरंगी की ओर जा रहे थे, तभी पुलिस ने उन्हें दबोच लिया।

दिशोम गुरु की अंतिम विदाई में पहुंचे खड़गे, राहुल व तेजस्वी

रांची। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव नेमरा पहुंचकर पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सांसद दिशोम गुरु शिबू सोरेन के अंतिम संस्कार में सम्मिलित हुए। उन्होंने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन एवं परिजनों से मिलकर अपनी संवेदना जताई और दिवंगत आत्मा की शांति और शोकाकुल परिजनों को दु:ख की इस घड़ी में शक्ति प्रदान करने की कामना ईश्वर से की।

अंतिम जोहार में राहुल प्रदेश अध्यक्ष कमलेश महतो कमलेश के साथ

राहुल ने हेमंत को गले लगाकर सांत्वना दी

बिहार से आए तेजस्वी यादव

सुदेश और अर्जुन मुंडा भारी भीड़ के बीच बाइक पर पहुंचे

सुप्रभात

विचार प्रवाह

अगर धन दूसरों की भलाई करने में मदद करे, तो इसका कुछ मूल्य है अन्यथा ये सिर्फ बुराई का एक ढेर है और इससे जितना जल्दी छुटकारा मिल जाए, उतना बेहतर है। - **स्वामी विवेकानंद जी**

संपादकीय

राष्ट्रीय मुद्दों पर सतही टिप्पणी

लोकसभा में नेता-प्रतिपक्ष राहुल गांधी का आरोप है कि भारत ने अमेरिकी दबाव में 'ऑपरेशन सिंदूर' को स्थगित किया। इस संदर्भ में राहुल का व्यवहार कैसा है? क्या यह सत्य नहीं कि वह अपने विदेश दौरों में अक्सर अमेरिका-यूरोप से भारत में 'लोकतंत्र बचाने' की गुहार लगाते हैं? राहुल की ही पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेता पाकिस्तान जाकर पीएम मोदी को सत्ता से हटाने की भी मांग कर चुके हैं। जब राहुल कहते हैं कि पीएम मोदी सार्वजनिक रूप से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को झूठा कहें, तो मुझे आश्चर्य होता है। वैश्विक राजनीति कोई किशोरावस्था की तकरार नहीं, जिसमें व्यक्ति क्षणिक आवेश में अपमानजनक या कटु शब्दों का प्रयोग करता हो। इस तरह के गैर-जिम्मेदार व्यवहार की अपेक्षा केवल राहुल गांधी से ही की जा सकती है, जिन्होंने वर्ष 2013 में सार्वजनिक रूप से अपनी ही सरकार के एक अध्यादेश को फाड़कर कूड़ेदान में फेंकने की बात कही थी। ट्रंप के टैरिफ प्रहार और लंबित व्यापार समझौते पर भारत ने जो निर्भीक रुख अपनाया है, वह राहुल के दावे को पूरी तरह झुठलाता है। जैसे अमेरिका अपने हितों के अनुसार मित्र और शत्रु चुनने हेतु स्वतंत्र है, उसी प्रकार भारत को भी अपने दीर्घकालिक हितों को ध्यान में रखकर स्वतंत्र निर्णय लेने का पूरा अधिकार है। शीतयुद्ध काल से रूस (तब सोवियत संघ) भारत का भरोसेमंद सहयोगी रहा है। इस ऐतिहासिक संबंध को किस दिशा में और कितनी गहराई तक ले जाना है, यह केवल भारत तय करेगा, कोई अन्य देश नहीं। भारत के इस आत्मविश्वासपूर्ण और स्वायत्त दृष्टिकोण से शेष विश्व, विशेषकर अमेरिका और यूरोप स्तब्ध हैं। दशकों तक भारत की विदेश नीति बाह्य-वैचारिक प्रभाव से संचालित होती रही, जिसके कारण भारत को बार-बार उन देशों के सामने झुकना पड़ा, जो हमारे दूरगामी हितों के विपरीत खड़े थे। वर्षों तक भारत ने फलस्तीन और इस्लामी देशों का समर्थन किया, जबकि वे कश्मीर के मुद्दे पर मजहबी कारणों से पाकिस्तान का साथ देते रहे। जब पाकिस्तान या चीन से भारत का टकराव हुआ, तब भारतीय नेतृत्व अमेरिका-यूरोप से मध्यस्थता की याचना करता दिखा, जिसमें कई बार स्थिति गिड़गिड़ाने तक पहुंच गई थी। वर्ष 1971 के युद्ध में भारत ने ऐतिहासिक विजय प्राप्त करते हुए पाकिस्तान के दो टुकड़े कर दिए थे। इस दौरान तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने अमेरिकी राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन को पत्र लिखकर पाकिस्तानी आक्रमण रोकने हेतु संपर्क साधा था। 5 दिसंबर, 1971 को लिखे पत्र में उन्होंने कहा था, 'इस संकट की घड़ी में भारत सरकार और भारत की जनता आपकी सहानुभूति की आकांक्षी है...आपसे आग्रह है कि आप पाकिस्तान को अकारण आक्रामकता एवं सैन्य दुस्साहस की नीति से तत्काल विरत होने के लिए प्रेरित करें...मैं महामहिम से विनम्र निवेदन करती हूं कि आप पाकिस्तान पर अपने निर्विवाद प्रभाव का उपयोग करें...।' इंदिराजी का यह रुख उनके पिता पं. नेहरू की परंपरा से ही प्रेरित था। 1962 में भारत को न केवल चीन से अपमानजनक पराजय झेलनी पड़ी, बल्कि हम हजारों वर्ग किलोमीटर भूमि से भी हाथ धो बैठे। यह सब नेहरूजी की मार्क्स-मैकॉले चिंतन से निकटता और चीन की साम्राज्यवादी मंशा की उपेक्षा का परिणाम था। पंचशील, सुरक्षा परिषद की सदस्यता चीन को सौंपना और 'हिंदी-चीनी भाई-भाई' जैसे नारे भारत के लिए घातक सिद्ध हुए। उस पर अमेरिका के समक्ष पं. नेहरू की बारंबार मिन्नतों ने भारत की संप्रभुता और आत्मसम्मान को और भी आहत किया।

ट्रंप के टैरिफ प्रहार और लंबित व्यापार समझौते पर भारत ने जो निर्भीक रुख अपनाया है, वह राहुल के दावे को पूरी तरह झुठलाता है।

होम स्कूलिंग : बदलते दौर में शिक्षा की एक नई दिशा

एआई जेनरेटेड

आज के समय में जब शिक्षा के पारंपरिक ढांचे में कई बदलाव देखे जा रहे हैं, होम स्कूलिंग एक ऐसा विकल्प बनकर उभरा है, जो बच्चों की शिक्षा को उनके रुचि, गति और स्वभाव के अनुसार ढालने का अवसर देता है। यह सिर्फ एक शिक्षा पद्धति नहीं, बल्कि एक सोच है, जिसमें बच्चे को एक व्यक्तिगत, लचीला और अनुकूल वातावरण मिलता है।

होम स्कूलिंग क्या है?

होम स्कूलिंग का अर्थ है– बच्चे की शिक्षा घर पर ही कराना, बिना किसी पारंपरिक स्कूल में भेजे। यह पद्धति भारत में भले ही अभी नई हो, लेकिन विदेशों में कई वर्षों से यह प्रचलन में है। इसमें माता-पिता या कोई योग्य शिक्षक बच्चे को उसकी रुचियों (जैसे म्यूज़िक, आर्ट, खेल, रोबोटिक्स, आदि) के अनुसार समय देकर पढ़ाते हैं। बच्चा ओपन स्कूलिंग बोर्ड (जैसे NIOS) के माध्यम से पंजीकरण कर हर वर्ष परीक्षा देता है और औपचारिक प्रमाणपत्र भी प्राप्त होता है। मगर फर्क यहाँ से शुरू होता है—जहाँ स्कूल बच्चे को अपने ढांचे में ढालता है, वहीं होम स्कूलिंग ढांचे को बच्चे के अनुसार ढालने की आज़ादी देता है।

रुचियों के साथ पढ़ाई-यहाँ बच्चों को उड़ान मिलती है

होम स्कूलिंग में बच्चा यदि संगीत, खेल, कला, डांस, विज्ञान, लेखन, अभिनय या कोडिंग जैसी किसी भी रुचि में विशेष लगाव रखता है, तो पढ़ाई उसके इर्द-गिर्द डिजाइन की जा सकती है।

उदाहरण के लिए-एक बच्चा जो क्रिकेट में प्रतिभाशाली है, वह दिन में 3-4 घंटे अभ्यास कर सकता है और बाकी समय शिक्षा को इस तरह से समायोजित किया जा सकता है कि उसे न अंकों से समझौता करना पड़े, न अपने सपनों से।

कम्युनिटी आधारित होम स्कूलिंग

लोगों को लगता है कि होम स्कूलिंग में बच्चा सामाजिक रूप से कमजोर हो जाएगा। लेकिन अब यह धारणा बदल चुकी है। देश के कई शहरों में होम स्कूलिंग समुदाय (communities) सक्रिय हैं जो : बच्चों के लिए मंथली मिलन, ट्रिप्स, स्पोर्ट्स डे, प्रोजेक्ट फेयर, और वर्कशॉप्स का आयोजन करती हैं

पेरेंट्स के लिए प्लानिंग मीटिंग्स, टीचिंग सपोर्ट, और साझा कोचिंग क्लासेस संचालित करती हैं

बच्चे एक-दूसरे के साथ मिलकर टीमवर्क, संवाद कला और नेतृत्व के गुण सीखते हैं। इससे यह शिक्षा पद्धति अब आधुनिक, मिल-जुलकर आगे बढ़ने वाली और पूरी तरह से सामाजिक बन चुकी है।

होम स्कूलिंग के मुख्य लाभ

आज की बात

वीणा देवांगन

बच्चे की गति से सीखना : होम स्कूलिंग में बच्चा वही पढ़ता है जो उसके स्तर और समझ के अनुसार है। न जल्दी, न देरी—बस उसकी सोच के साथ चलता पाठ्यक्रम।

गहरा ज्ञान और रचनात्मकता : बच्चे को विषय में गहराई से समझाने का समय मिलता है। वह सिर्फ उत्तर याद नहीं करता, बल्कि सोचता है, समझता है और नये विचारों को जन्म देता है।

कला, खेल और जीवन कौशल के लिए समय : पारंपरिक स्कूल की तरह घंटों की बंदिश नहीं। बच्चा चाहे तो म्यूजिक सीखे, पेंटिंग करे, रोबोटिक्स प्रोजेक्ट बनाए या नेचर ट्रिप पर जाए—सीखना हर जगह है।

पारिवारिक जुड़ाव और संस्कारों की नींव : जब बच्चा अपने माता-पिता के साथ ज़्यादा समय बिताता है, तो संस्कार, सहानुभूति और सामाजिक चेतना गहराई से विकसित होती है।

डिजिटल और विश्वस्तरीय संसाधनों तक पहुंच : आज YouTube, Coursera, Khan Academy, Coding Apps, और हजारों डिजिटल मंचों से दुनिया का सर्वोत्तम ज्ञान कुछ क्लिक दूर है। होम स्कूलिंग इनका बेहतरीन उपयोग करती है।

कुछ चुनौतियाँ भी हैं, लेकिन समाधान भी हैं

- यदि माता-पिता के पास समय या शिक्षण का अनुभव नहीं है, तो उन्हें सहायक शिक्षक या ट्यूटर की आवश्यकता होती है।
- हर बच्चा आत्म-अनुशासित नहीं होता, इसलिए स्ट्रक्चर और टाइमटेबल जरूरी होता है।
- शुरुआत में समाज का विरोध या सवालों का सामना करना पड़ता है, लेकिन जैसे ही परिणाम दिखते हैं, स्वीकृति भी मिलती है।

कौन-से माता-पिता होम स्कूलिंग चुनें?

- जिनका बच्चा पारंपरिक पढ़ाई से असहज है या विशिष्ट प्रतिभा रखता है
- जो शिक्षा को सिर्फ अंक नहीं, बल्कि जीवन जीने की कला मानते हैं
- जो खुद या किसी योग्य सहयोगी के माध्यम से मार्गदर्शन दे सकते हैं
- जो डिजिटल रूप से जागरूक हैं और संसाधनों को खोज सकते हैं

किसे नहीं करनी चाहिए?

- जिनके पास समय, संसाधन या रुचि नहीं है
- जो सिर्फ समाज के दबाव में यह विकल्प अपनाना चाहते हैं
- जिनके बच्चे में आत्म-अनुशासन की कमी है और मार्गदर्शन देने वाला कोई नहीं।

शिक्षा का उद्देश्य सिर्फ प्रमाण पत्र नहीं, बल्कि एक अच्छा और सक्षम नागरिक बनाना है।होम स्कूलिंग इस दिशा में एक आधुनिक, अनुकूल और प्रभावशाली विकल्प बन चुका है। यह विकल्प हर परिवार के लिए नहीं है, पर जो इसे अपनाते हैं, वे एक ऐसे रास्ते पर चलते हैं जहाँ बच्चा खुद को पहचानता है, अपनी गति से बढ़ता है और आत्मनिर्भर बनता है।

(veenavlogs@gmail.com)

बिक रहे है, मूल्य और स्वप्न

अलग बात

राकेश दुबे

इन दिनों हम अंधेरे दुःस्वप्न सरीखे त्रासद समय में हैं, धर्मान्ध ताकतों के लिए शाइनिंग इंडिया, शॉपिंग मॉल, मेगा ट्रेड फेयर की चहल-पहल है, हॉलीवुड-बॉलीवुड की अश्लीलताएं हैं, तांत्रिकों की बलि पूजा है, दूसरी ओर किसानों की आत्महत्याएं हैं। वैश्विकता, बाजारवाद, उत्तर पूंजीवाद, अंध साम्राज्यवाद, अंध राष्ट्रवाद पर संगोष्ठी-सेमिनार चल रहे हैं। इस त्रासद समय में कविता-कथा में नयी उम्मीद जगाने वाला नवलेखन है। स्थापित लेखकों को भ्रम है कि युवा लेखकों का बचपन छीन लिया गया है और वे असमय परिपक्वता के शिकार हैं। युवा लेखक अपनी हताशा को भी देख रहे हैं और अंधेरे समय को भी। उन्हें पता है, क्रांति यकायक नहीं आएगी। जहां आज के साहित्य में प्रयोग की निजता पर बल है, वहीं सामाजिक सरोकार भी बेचैन करने वाला है। सर्वग्रासी राजनीति के चलते पक्षधरता या प्रतिबद्धता गायब है। सब कुछ ग्लोबल है और जहां सपर पावर अमरीका का आतंक है, गरीबी का ग्राफ ऊपर है। उत्तर आधुनिकता के विमर्शकार मान रहे हैं कि इतिहास का अंत हो गया है, विचारधारा का अंत हो गया है। सब कुछ ब्रांड है, बिक रहा है, मूल्य और स्वप्न। उत्तर आधुनिकता दुहरी यंत्रणा है। न हम ठीक से आधुनिक हो पा रहे हैं, न ग्लोबल। साम्राज्यवाद की दासता से मुक्त नहीं हो पा रहे हैं। उत्तर पूंजीवाद के घपले हमें भटकते हुए सन्नाटे में ले जा रहे हैं। साहित्य में विचार और दर्शन की भूमिका को नगण्य मानने वाले विद्वान आज भी बहुतायत हैं। साहित्यिक बिरादरी का यह वर्ग साहित्यिक अभिव्यक्ति में विचार और दर्शन की उपस्थिति को न केवल अनावश्यक मानता है, बल्कि विचार व दर्शन की चाशनी को देखने मात्र से इनकी भौंहें तिरछी होने लगती हैं। विचारधारा का अंत, इतिहास का अंत जैसी अवधारणाओं को गढ़ कर वे साहित्य को जीवन से परे भाववाद की भूलभुलैया में ले जाते हैं। यहां यह कहना भी प्रासंगिक होगा कि आधुनिक काल में जब-जब हमारे साहित्य को जीवन के यथार्थ से, जनता की मुक्ति और उसके सांस्कृतिक उत्थान के संघर्ष से विमुख करने के प्रयत्न हुए हैं, तब-तब निशाना प्रेमचंद को बनाया गया है। जबकि प्रेमचंद की महानता का स्त्रोत यह है कि अपने उन सैद्धान्तिक रुझानों और वैचारिक पूर्वाग्रहों से जो उन्हें अपने युगीन समाज से विरासत में मिले थे, वे निरंतर जूझते रहे। फलस्वरूप उनकी संवेदना भारतीय समाज के मूल अंतर्विरोधों को सामने लाने में सफल हुई। प्रेमचंद भारत के किसान को सुखी देखना चाहते थे। भारत का वह किसान वस्तुस्थिति से निराश और हताश आज आत्महत्या करने

संवेदना हो तो संबंधों को भी मौत से बचा सकते हैं

आपकी बात

केदारनाथ दास

मानवीय संवेदना अपने आप में एक जटिल अवधारणा है और इसके होने मात्र से हमारा रिश्ता एक ऐसे रसायन से जुड़ता चला जाता है जो हमें एक स्पष्ट व सकारात्मक जीवन देने का काम करता है। इन बातों में दूसरों की भावनाओं को गहराई से समझने या उनके अनुभवों को महसूस करने की क्षमता के साथ साथ मानवीय संबंधों के अवधारणा को गति देने की अवधारणा तक शामिल है। ऐसा तब है जबकि दुनिया के तमाम भौतिक वस्तुओं की तरह संबंधों की भी एक उम्र होती है। नये संबंध बनते हैं तो एक किशोर की तरह हर चीज को जानने की उत्सुकता पैदा होती है, नवयुवक की तरह स्वतंत्र प्रयोग की कामना सामने होती है और अंततः परिपक्वता पर प्रौढ़ावस्था का ध्यान केंद्रित होने लगता है। जीवन के इस यात्रा वृत्तान्त का एक कटु सत्य यह भी है कि अंततः पारस्परिक संबंधों में ह्रास का अवसाद दिखने लगता है। अवसान के अवसाद की यह प्रक्रिया सार्वभौमिक है और रिश्तों के तिनके से लेकर हिमालय के उच्चतम शिखर तक इसकी हदों में शामिल हैं परन्तु मानवीय संवेदना का कमाल देखिए कि संबंधों के इस अवसान प्रक्रिया को हम रोक पाने में सक्षम होते चले जाते हैं। यदि ऐसा कुछ न होता तो हम स्वर वर्ण के उन मात्राओं को लेकर ताना मारते नजर नहीं आते जिसके होने मात्र से बाबा, बेबी, बीबी और बाबू के नाम पर पूरी दुनिया को परेशान बता दिया जाता है। दैनिक जीवन में हंसी ठिठोली की इन बातों में भी संवेदना का तिलिस्म होता है और ऐसे ही तिलिस्म के कारण शब्दवाणों से आहत होकर भी हम संबंधों को अस्वाभाविक मौत से बचा लेते हैं। सच कहें तो शब्दों के नाम पर रिश्तों के मौत का यह संदर्भ केवल एक भ्रम है क्योंकि व्यावहारिक धरातल पर इसे देखें तो संबंधों के अवसान या मृत्यु का कारण शब्दों में नहीं बल्कि संवेदनशीलता के पिंडदान में छुपा हुआ होता है। ऐसा तब है जबकि किसी भी संबंध की कभी स्वाभाविक मृत्यु नहीं होती। ऐसे में आप मानें न मानें तमाम संबंधों के हत्या का गुनाह और उसकी जवाबदेही किसी शब्द में नहीं बल्कि मनुष्य और उसकी संवेदनहीनता में अंतर्निहित होता है। इस गुनाह के लिए घृणा, उपेक्षा, भ्रम व संदेह को जवाबदेह माना जाता है जबकि संवेदना व संबंध के इस पेंच को समझने के लिए इरादा (इंटेंशन) और रिश्तों को गति देने वाले निर्देशित पंचमुखी संकल्पों की जरूरत होती है।

संवाद : रिश्तों में संवाद की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण होती है। ऐसे में स्पष्ट और ईमानदार संवाद के बगैर किसी भी रिश्ते को मजबूती देना कतई संभव नहीं होता।

विश्वास : विश्वास को रिश्तों का आधार माना गया है और इसके बगैर कभी भी एक मजबूत और गहरे रिश्ते की कल्पना नहीं की जा सकती है।

सहानुभूति : सहानुभूति और समर्थन से हमें दूसरों की भावनाओं व जरूरतों को समझने में मदद मिलती है। ऐसे में इनके बगैर आप किसी भी संबंध को गति प्रदान नहीं कर सकते।

सम्मान : ध्यान रहे, रिश्तों को सकारात्मक व सहयोग प्रदान करने के लिए पारस्परिक सम्मान को एक महत्वपूर्ण पहलू माना जाता है।

इरादा या इंटेंशन : इरादा या इंटेंशन का संबंध हमारे विचारों और कार्यों के पीछे की मंशा से होता है। इसके अंतर्गत हम अपने लक्ष्यों और उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए प्रयासों को दिशा देने की कोशिश करते हैं। अब यदि आप अपने रिश्तों व रिश्तेदारी का गला घोंटने में लग गए हैं तो इसका सीधा सा मतलब यह है कि आपकी संवेदना मर चुकी है और एक स्पष्ट व सकारात्मक जीवन में सफलता और संतुष्टि लाने में आप विफल हो चुके हैं।

फेसबुक वॉल से

एक्स से

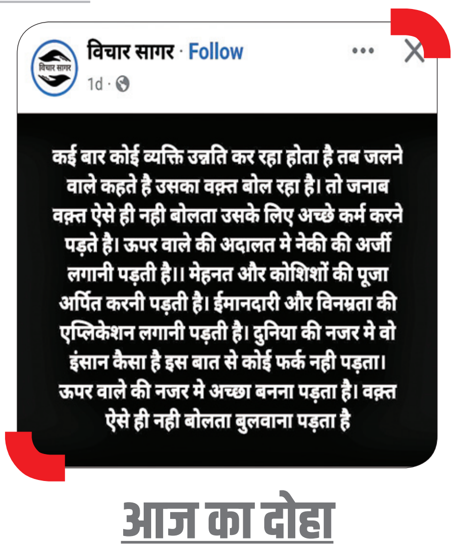

आज का दोहा

सभी लोग यदि देखते रह जायेंगे ख्वाब।
चौकीदारी वक्त की कौन करेगा सा'ब।।

सोमदत्त शर्मा, गाजियाबाद (उ.प्र.)

रचना भेजिए

समाचारों के संबंध में शिकायत या इस पेज के लिए आर्टिकल कृप्या भेजें artical.rnmail@gmail.com

कॉल/व्हाट्सएप 8292553444

संपादक

सूखी धरती का संकल्पनायक : जलपुरुष राजेंद्र सिंह

जलपुरुष राजेंद्र सिंह का जन्मदिन पर विशेष

देश की बात

प्रो. आरके जैन

पानी की एक-एक बूंद में जीवन की सांस, सूखी धरती पर हरियाली का स्वप्न और समाज को जगाने की अटल जिद-यह है 'जलपुरुष' राजेंद्र सिंह की प्रेरक गाथा। 6 अगस्त 1959 को उत्तर प्रदेश के बागपत के डौला गांव में जन्म लेकर राजस्थान की बंजर भूमि को जीवन का आलिंगन दिया। वे केवल एक व्यक्ति नहीं, बल्कि एक ऐसी चेतना हैं, जो कहती है कि अगर इरादा पक्का हो, तो सूखी नदियां फिर से गीत गा सकती हैं और बंजर खेत फसलों से लहलहा सकते हैं। 'जलपुरुष' के नाम से मशहूर राजेंद्र सिंह ने न केवल पानी को बचाया, बल्कि एक पूरी पीढ़ी को यह सिखाया कि प्रकृति और मानवता का रिश्ता अटूट है। उनकी यह यात्रा केवल जल संरक्षण की नहीं, बल्कि सामाजिक एकता, आत्मनिर्भरता और पर्यावरण के प्रति प्रेम की है, जो हर दिल को छूती है और हर मन को प्रेरित करती है। राजस्थान-वह धरती, जहां सूखा जीवन का पर्याय था, कुएं खामोश थे और नदियां केवल लोककथाओं में सिमटी थीं। ऐसे में राजेंद्र सिंह ने वह कर दिखाया, जो असंभव प्रतीत होता था। न सरकारी योजनाओं की बाट जोही, न विदेशी तकनीकों का सहारा लिया। उनका सबसे बड़ा हथियार था-लोगों का विश्वास और सामूहिक श्रम। अपने चार साथियों-नरेंद्र, सतेन्द्र, केदार और हनुमान-के साथ उन्होंने तरुण भारत संघ को जल संरक्षण और ग्रामीण सशक्तिकरण का प्रतीक बनाया। उनकी रणनीति सरल थी, पर प्रभाव इतना गहरा कि राजस्थान की तस्वीर बदल गई। जोहड़, तालाब और चेकडैम जैसी प्राचीन जल संरचनाओं को उन्होंने आधुनिक दृष्टिकोण से पुनर्जनन दिया। यह केवल तकनीकी उपलब्धि नहीं, बल्कि एक सामाजिक क्रांति थी, जिसने ग्रामीणों को उनके संसाधनों का सच्चा स्वामी बनाया। चुनौतियों का पहाड़ सामने था। गांववाले राजेंद्र सिंह के विचारों को हवाई ख्वाब मानते थे-कुछ ने हंसी उड़ाई, कुछ ने समय की बर्बादी करार दिया। मगर राजेंद्र सिंह का इरादा अडिग रहा। उन्होंने समझाया कि पानी की कमी प्रकृति का कोप नहीं, मानव की लापरवाही का परिणाम है। उनकी बातों ने धीरे-धीरे दिलों को छुआ, और गांववाले उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर चल पड़े। जोहड़ बनने शुरू हुए, और फिर चमत्कार साकार हुआ। सूखे कुओं में पानी की लहरें गूंजीं, बंजर खेत हरियाली से मुस्कुराए, और गांवों में जीवन की रौनक लौट आई। यह केवल पर्यावरण का पुनर्जनन नहीं, बल्कि एक नई चेतना का उदय था, जिसने लोगों को सिखाया कि बदलाव का बीज जमीनी स्तर पर ही बोया जाता है। आंकड़े उनके काम की महानता को चीख-चीखकर बयां करते हैं। तरुण भारत संघ के नेतृत्व में राजेंद्र सिंह ने 1,000 से अधिक गांवों में 6,500 से ज्यादा जोहड़ और चेकडैम बनवाए। इन संरचनाओं ने भूजल स्तर को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया और अरावरी, रूपारेल, सासा व भगानी जैसी नदियों को पुनर्जनन दिया। अरावरी नदी, जो कभी कहानियों में सिमटी थी, आज फिर बहती है-राजेंद्र की मेहनत और सामुदायिक एकता का जीवंत प्रतीक। उनके प्रयासों ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को पुनर्जागृत किया। खेती फिर से लाभकारी बनी, पलायन रुका और गांववासियों में आत्मविश्वास जगा कि वे अपनी तकदीर खुद लिख सकते हैं। राजेंद्र सिंह की सोच जल संरक्षण तक सीमित नहीं थी; वे जल, जंगल और जमीन को समाज की धड़कन मानते थे। उनका अटल विश्वास था कि जब तक ये संसाधन समाज के पास हैं, तभी सच्ची स्वतंत्रता जीवित है। लेकिन जब ये निजी कंपनियों या मुनाफाखोर ताकतों के चंगुल में जाते हैं, तो यह आधुनिक गुलामी का नया चेहरा है। उन्होंने जल निजीकरण के खिलाफ बुलंद आवाज उठाई और उन नीतियों की कड़ी निंदा की, जो पानी को बाजार का माल बनाती हैं। उनकी यह विचारधारा आज, जब जलवायु परिवर्तन और जल संकट वैश्विक आपदा बन चुके हैं, पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक है। उनका मानना था कि जल पर समाज का अधिकार अडिग होना चाहिए, क्योंकि पानी जीवन का आधार है, मुनाफे का साधन नहीं। उनके कार्यों की गूंज स्थानीय सरहदों को पार कर वैश्विक मंच तक पहुंची। 1998 में 'द वीक' ने उन्हें 'मैन ऑफ द ईयर' का सम्मान दिया। 2001 में रेमन मैग्सेसे पुरस्कार, जिसे एशिया का नोबेल कहा जाता है, उनके नाम रहा। 2005 में जमनालाल बजाज पुरस्कार ने उनके ग्रामीण विकास में योगदान को रेखांकित किया।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

स्वामी, परिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा. लि. के लिए प्रकाशक एंव मुद्रक हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा इसके पब्लिकेशन डिवीजन, रेड़मा मेदिनीनगर (डालटनगंज), से प्रकाशित एवं एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड (पूर्व में शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड), नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पम्प, रातु, रांची-835222, झारखंड द्वारा मुद्रित. रजिस्ट्रेशन नं. RNI.61316/94 पोस्टल रजिस्ट्रेशन नं.-13 । प्रधान संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्द्धन बजाज, कार्यकारी संपादक : सुनील सिंह 'बादल', स्थानीय संपादक : राणा अरुण सिंह*, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर, (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नम्बर : 06562-796018, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बागान, हरमू रोड, रांची-834001, फोन नं.- 0651-3553943, लोहरदगा कार्यालय : सरस्वती निवास, तेली धर्मशाला के सामने, कृषि मार्केट, लोहरदगा। - फोन : 7903891779, ई-मेल : news.rnmail@gmail.com, article.rnmail@gmail.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार।)

सावन विशेष : पांच प्रांगण और 18 सौ साल पुराना इतिहास

जल में डूबा रहता है 'पंच भूत' में से यह शिवालय

एजेंसी। त्रिची

विश्व के नाथ को समर्पित सावन का महीना अपने आप में अद्भुत है। इस दौरान देशभर के शिव मंदिरों में भक्तों का तांता लगा रहता है। हालांकि, यह महीना न केवल देवाधिदेव की भक्ति में डूबने बल्कि उन तमाम मंदिरों के बारे में जानने का भी है, जो कई सौ साल पुराने इतिहास के साथ ही आश्चर्य को भी समेटे हुए हैं। ऐसा ही एक प्राचीन शिवालय तमिलनाडु के त्रिची में स्थित है, जो 1,800 साल पुराना है। नाम है, जंबुकेश्वर मंदिर।

जंबुकेश्वर मंदिर न केवल अपनी आध्यात्मिकता, बल्कि अद्भुत स्थापत्य कला और रहस्यों के लिए भी प्रसिद्ध है। यह मंदिर पंच भूत स्थलों में से एक है, जो जल तत्व का प्रतीक है। मंदिर का शिवलिंग हमेशा जल में आंशिक रूप से डूबा रहता है।जंबुकेश्वर मंदिर का निर्माण चोल वंश के राजा कोकेंगानन ने लगभग 1,800 साल पहले कराया था। यह मंदिर तमिलनाडु के प्रमुख शिव मंदिरों में से एक है, जो पंच महा तत्वों, पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश का प्रतिनिधित्व करते हैं। जंबुकेश्वर मंदिर जल तत्व का प्रतीक है। मंदिर के गर्भगृह में स्थित शिवलिंग के नीचे एक भूमिगत जल धारा बहती है, जिसके कारण यहां हमेशा नमी बनी रहती है। इस जल धारा की मौजूदगी के कारण मंदिर को स्थानीय लोग 'अप्पू स्थलम' (जल का स्थान) भी कहते हैं।शिवालय के बारे में पौराणिक कथाएं भी मिलती हैं, जिसके अनुसार, एक बार देवी पार्वती ने भगवान शिव की तपस्या का मजाक उड़ाया था।

- **प्राचीनता :** मंदिर लगभग 1,800 साल पुराना है। इसका निर्माण चोल वंश के राजा कोकेंगानन ने करवाया था।
- **पंच भूत स्थल :** यह मंदिर पंच तत्वों (पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु, आकाश) में से जल तत्व का प्रतीक है। इसे अप्पू स्थलम भी कहा जाता है।

जंबुकेश्वर मंदिर: जल तत्व के प्रतीक और द्रविड़ वास्तुकला का अद्भुत संगम

इस तपस्या से प्रसन्न होकर शिव ने उन्हें दर्शन दिए और ज्ञान प्रदान किया। मंदिर में पुजारी वस्त्र पहनकर पूजा करते हैं, क्योंकि यहां पार्वती ने साधना की थी।तमिलनाडु पर्यटन विभाग की ऑफिशियल वेबसाइट पर दी गई जानकारी के अनुसार, "जंबुकेश्वर मंदिर द्रविड़ शैली की वास्तुकला के लिए भी प्रसिद्ध है। मंदिर में पांच प्रांगण हैं, जिनमें से पांचवां प्रांगण विशाल दीवारों से घिरा है, जिसे 'विबुडी प्रकाश' कहा जाता है। मंदिर के गलियारों में बने स्तंभ और नक्काशी देखने लायक हैं। कावेरी नदी के किनारे बसा यह मंदिर श्रीरंगम के प्रसिद्ध रंगनाथस्वामी मंदिर से मात्र 2 किमी दूर है।"नेशनल पोर्टल ऑफ इंडिया के अनुसार, जंबुकेश्वर मंदिर उत्कृष्ट स्थापत्य कला के कारण विशाल रंगनाथस्वामी मंदिर से भी अलग है। इस मंदिर का नाम उस हाथी के नाम पर रखा गया है, जिसके बारे में माना जाता है कि उसने यहां भगवान शिव की पूजा की थी शिवलिंग को एक प्राचीन जम्बू वृक्ष के नीचे स्थापित किया गया था। यह शिवलिंग आंशिक रूप से जल में डूबा हुआ है और पांच तत्वों में से एक, जल का प्रतीक है।

मंदिर प्रांगण में देवी अकिलंदेश्वरी की विशाल मूर्ति है। कथा के अनुसार, अकिलंदेश्वरी पहले अपने उग्र स्वभाव के लिए जानी जाती थीं, लेकिन आदि शंकराचार्य ने उन्हें 'थाडंगम' नामक कुंडल पहनाकर शांत किया। उस समय से वह भक्तों को शांति और आशीर्वाद प्रदान करती हैं। मंदिर में विवाह समारोह नहीं होते, क्योंकि यहां महादेव ने माता पार्वती को गुरु के रूप में ज्ञान दिया था।

विशेषता : मंदिर का शिवलिंग हमेशा जल में आंशिक रूप से डूबा रहता है, क्योंकि गर्भगृह के नीचे भूमिगत जलधारा बहती है

अब युद्ध का ऐलान करके नहीं होगा हमला...

ऑपरेशन सिंदूर के बाद सीडीएस ने दुश्मनों को बता दिया भारतीय सेना का नया नियम

एजेंसी। नई दिल्ली

चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने कहा कि आधुनिक युद्धकला तेज़ी से विकसित हो रही है, जहाँ राष्ट्र आधिकारिक तौर पर युद्ध की घोषणा किए बिना ही राजनीतिक उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए बल प्रयोग करने के लिए प्रवृत्त हो रहे हैं। एक सुरक्षा मंच पर बोलते हुए, चौहान ने युद्ध और शांति के बीच धुंधली होती रेखाओं को रेखांकित किया और भारत के हालिया ऑपरेशन सिंदूर को इस बदलाव का एक निर्णायक उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि युद्ध और राजनीति का गहरा संबंध है। युद्ध अक्सर राजनीतिक उद्देश्यों की पूर्ति के लिए लड़े जाते हैं। आज, हम ऑपरेशन सिंदूर जैसे बहुत ही छोटे, सटीक युद्ध देख रहे हैं, जहाँ राजनीतिक लक्ष्य तीव्र और लक्षित कार्रवाई के माध्यम से प्राप्त किए जाते हैं।पाकिस्तान का सीधे नाम लिए बिना, सीडीएस ने ज़ोर देकर कहा कि भौगोलिक सीमाएँ अब आतंकवादी तत्वों की रक्षा नहीं कर पाएँगी। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि आतंकवादी अब कहीं भी नहीं छिप सकते, यहाँ तक कि पाकिस्तान की सीमा के अंदर भी नहीं। उन्हें निशाना बनाया जाएगा। हम किसी भी हिंसक कार्रवाई के ख़िलाफ़ निर्णायक कार्रवाई के लिए तैयार हैं। भारतीय सेना द्वारा हाल ही में किया गया ऑपरेशन सिंदूर एक तेज़ गति और उच्च प्रभाव वाला सटीक हमला था। चौहान के अनुसार, इस मिशन का उद्देश्य किसी क्षेत्र पर कब्ज़ा करना या नागरिक आबादी को निशाना बनाना नहीं था, बल्कि इसे बहुत कम समय में निर्णायक प्रहार करने के लिए डिज़ाइन किया गया था। यह गति और गति पर आधारित था। इसने पारंपरिक ज़मीनी मुठभेड़ के बिना भी एक बड़ा प्रभाव डाला। चौहान ने बताया कि इस तरह के आधुनिक ऑपरेशन पारंपरिक युद्ध से हटकर एक बदलाव को दर्शाते हैं, जहाँ बड़े बम या लंबी लड़ाई ही प्रमुख होती है। उन्होंने भविष्य की तैयारियों का संकेत देते हुए कहा, "हम अब सिर्फ़ 500 किलो के बमों पर निर्भर नहीं रह सकते। अब ज़्यादा भारी, ज़्यादा प्रभावी पेलोड और ज़्यादा सटीक निशाना लगाने का समय आ गया है। सीडीएस चौहान ने सैन्य सोच को आकार देने वाले दो प्रमुख रुझानों पर प्रकाश डाला।

- **आधुनिक युद्धकला का स्वरूप बदल रहा है :** अब बिना औपचारिक युद्ध घोषणा के ही राष्ट्र बल प्रयोग कर रहे हैं।
- **राजनीतिक उद्देश्यों की पूर्ति :** आज के युद्ध राजनीतिक लक्ष्यों को तीव्र और लक्षित कार्रवाई के माध्यम से साधते हैं।

संसद के सुरक्षाकर्मियों का सदन में उपस्थित रहना पुरानी परंपरा

राज्यसभा के वेल में जाना, शोर मचाना कैसे माना जा सकता है अधिकार : उपसभापति

एजेंसी। नई दिल्ली

राज्यसभा के वेल में जाना, शोर मचाना, सदन न चलने देना, अन्य सदस्यों को जो सदन की कार्यवाही में भाग ले रहे हैं, उन्हें न बोलने देना, कैसे किसी सदस्य का विरोध करने का लोकतांत्रिक अधिकार माना जा सकता है? मंगलवार को यह बात राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश नारायण ने सदन में कही। दरअसल राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने आरोप लगाया कि सदन के वेल में सीआईएसएफ के जवानों को तैनात किया गया। वहीं राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश नारायण का कहना था कि संसद के सुरक्षाकर्मियों का सदन में उपस्थित रहना नई बात नहीं है। आप जानते हैं कि इस सर्विस की नींव सेंट्रल लेजिस्लेटिव असेंबली के पहले निर्वाचित भारतीय अध्यक्ष, विट्ठल भाई पटेल द्वारा सन 1930 में डाली गई थी। ये सुरक्षाकर्मी तब से अपना काम कर रहे हैं जो विशेष रूप से प्रशिक्षित हैं और किसी तरह के बल का इस्तेमाल न करके, अपना काम सदन की गरिमा को ध्यान में रखकर करते हैं। उप सभापति ने सदन को बताया कि इस संदर्भ में एक अगस्त को नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का एक पत्र मिला है, जिसमें उन्होंने सदन के वेल में सीआईएसएफ के जवानों को तैनात करने की बात कही। उप सभापति ने कहा, "चूंकि चेयर और नेता प्रतिपक्ष के बीच पत्र, गोपनीय संवाद की श्रेणी में आते हैं, इसलिए (पत्र को) मेरे ध्यान में आने से पहले मीडिया में जारी करना कितना उचित है? यह उनके और आप सभी के विवेक पर छोड़ता हूं।" उप सभापति ने कहा कि चेयर की मर्यादा मीडिया के पास जाने की अनुमति नहीं देती इसलिए, इस पत्र से जुड़े बिंदुओं के संदर्भ में नियम, स्थिति एवं प्रासंगिक तथ्य सदन के संज्ञान में लाना चाहता हूं। यह चिंताजनक तथ्य है कि मौजूदा सत्र में लगातार हंगामे की घटनाएं हो रही हैं। चेयर द्वारा बार-बार की गई अपील के बावजूद कई माननीय सदस्यों ने नियम 235 और 238 के प्रावधानों का जानबूझकर उल्लंघन कर सदन को बाधित किया। उप सभापति ने कहा कि इसी 28 जुलाई को वाईएसआरसीपी के एक सदस्य बोल रहेथे, तो कुछ सदस्यों ने अपनी सीटों से उठउठकर,, उनके पास जाकर, उन्हें बोलते हुए डिस्टर्ब किया। क्या यह उस सदस्य के विशेषाधिकार या बोलने की अभिव्यक्ति के अधिकार का हनन नहींथा?। उप सभापति ने कहा कि 31 जुलाई को एक मंत्री देश के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण विषय पर सू मोटो बयान दे रहे थे। तब सदन के कुछ सदस्यों द्वारा उनके पास जाकर लगातार नारेबाजी हुई। व्यवधान किया गया, क्या इससे जनता को जानकारी देने का संसद का एक महत्वपूर्ण कार्य बाधित नहीं हुआ?

- **कहा- मेरे ध्यान में आने से पहले पत्र मीडिया में जारी करना कितना उचित है, इसका निर्णय आप पर छोड़ता हूं**

राज्यसभा में खड़गे से ऐसा क्यों बोले जेपी नड्डा

मेरे से ट्यूशन ले लो, 40 साल से ज्यादा विपक्ष में हूं

नई दिल्ली। राज्यसभा के नेता जेपी नड्डा और विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे के बीच मंगलवार को सदन के अंदर सीआईएसएफ कर्मियों की कथित तैनाती को लेकर तीखी बहस हुई। विपक्षी दलों की ओर से मल्लिकार्जुन खड़गे ने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सदन के वेल के पास सीआईएसएफ कर्मियों को तैनात किया है। खड़गे ने कहा कि हम इस बात से हैरान और स्तब्ध हैं कि कैसे सीआईएसएफ कर्मियों को सदन के वेल में दौड़ाया गया, जब सदस्य विरोध के अपने लोकतांत्रिक अधिकार का प्रयोग कर रहे थे। हमने कल और आज फिर ऐसा देखा। खड़गे ने सवाल किया कि क्या हमारी संसद इस स्तर तक गिर गई है? यह बेहद आपत्तिजनक है और हम इसकी निंदा करते हैं। हम उम्मीद करते हैं कि भविष्य में, जब सदस्य जनहित के महत्वपूर्ण मुद्दे उठा रहे होंगे, तो सीआईएसएफ कर्मी सदन के वेल में नहीं आएंगे। उन्होंने कहा कि जब अरुण जेटली जी राज्यसभा में विपक्ष के नेता थे और सुषमा स्वराज जी लोकसभा में विपक्ष की नेता थीं, तो उन्होंने कहा था कि कार्यवाही में बाधा डालना भी लोकतांत्रिक प्रक्रिया को मज़बूत करना है। यह कोई बड़ी बात नहीं है।

सुरक्षा बलो की तैनाती पर भड़के खड़गे, कहा-

लोकतांत्रिक विरोध जारी रखेगा विपक्ष

नई दिल्ली। राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने मंगलवार को सदन के अंदर सुरक्षाकर्मियों के इस्तेमाल की निंदा की। विपक्ष ने इस कदम का जोरदार विरोध किया और इसे बेहद आपत्तिजनक और अलोकतांत्रिक बताया। राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश को लिखे एक पत्र में, खड़गे ने विपक्षी विरोध प्रदर्शनों के दौरान सीआईएसएफ कर्मियों के संसद में घुसने के तरीके पर आश्चर्य व्यक्त किया। खड़गे ने अपने पत्र में कहा कि मैं आपको उन संदर्भों के लिए धन्यवाद देना चाहता हूँ जो आपने हमें दिए, जिन्हें हमने पढ़ा नहीं, लेकिन आपने हमें बताया।खड़गे ने कहा कि मैं राज्यसभा में विपक्षी दलों की ओर से आपको यह पत्र लिख रहा हूँ। हम इस बात से हैरान और स्तब्ध हैं कि जिस तरह से सीआईएसएफ कर्मियों को सदन के वेल में दौड़ाया गया, जबकि सदस्य विरोध करने के अपने लोकतांत्रिक अधिकार का प्रयोग कर रहे थे। हमने इसे कल भी देखा था और आज भी देखा। क्या हमारी संसद इस स्तर तक गिर गई है? उन्होंने आगे कहा कि यह बेहद आपत्तिजनक है और हम इसकी कड़ी निंदा करते हैं। हम उम्मीद करते हैं कि भविष्य में, जब सदस्य जनहित के महत्वपूर्ण मुद्दे उठा रहे होंगे, तब सीआईएसएफ के जवान सदन के वेल में नहीं आएंगे। खड़गे ने दिवंगत नेताओं अरुण जेटली और सुषमा स्वराज की पिछली टिप्पणियों का हवाला दिया, जब वे विपक्ष के नेता थे, और याद दिलाया कि उन्होंने एक जीवंत लोकतांत्रिक प्रक्रिया के हिस्से के रूप में व्यवधानों का बचाव किया था।

उत्तरकाशी में बादल फटने की घटनाओं पर पीएम ने जताया दुख, बोले-

लोगों को सहायता प्रदान करने में कोई कसर नहीं

एजेंसा। उत्तराखंड

मंगलवार दोपहर लगभग 1:45 बजे, हरसिल स्थित भारतीय सेना के शिविर से लगभग 4 किलोमीटर दूर, उत्तरकाशी के धराली गांव में एक शक्तिशाली बादल फटने से हुए भीषण भूस्खलन में कम से कम चार लोगों की मौत हो गई और 50 से ज्यादा लोग लापता हैं। इस भूस्खलन के कारण पवित्र गंगोत्री धाम का सभी सड़क संपर्क टूट गया है। इस आपदा के कारण पानी और मलबे का एक ऐसा सैलाब उमड़ पड़ा जिससे पूरा क्षेत्र जलमग्न हो गया और कई एजेंसियों को आपातकालीन राहत कार्य शुरू करना पड़ा। प्रशासन ने हेल्पलाइन नंबर- 01374222126, 222722 जारी किया है।

हादसे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुख जताया है। उन्होंने एक्स पर लिखा कि मैं सभी पीड़ितों की कुशलता की कामना करता हूँ। मैंने मुख्यमंत्री पुष्कर धामी जी से बात की है और स्थिति की जानकारी प्राप्त की है। राज्य सरकार की निगरानी में राहत और बचाव दल हर संभव प्रयास में लगे हुए हैं। लोगों को सहायता प्रदान करने में कोई कसर नहीं छोड़ी जा रही है। चमोली पुलिस ने बताया कि बद्रीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग (NH-58) पर पागलनाला और भनेरपानी के पास मलबा आने से सड़क अवरुद्ध हो गई है। मलबा हटाने और सड़क को सुचारू करने का कार्य जारी है।

पुलिस ने आगे बताया कि ज्योतिर्मठ-मलारी मोटर मार्ग सलधार के पास बह गया है। यात्रियों और स्थानीय निवासियों से अनुरोध है कि वे अनावश्यक यात्रा न करें। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि उत्तरकाशी (उत्तराखंड) में अचानक आई बाढ़ से हुई तबाही के विचलित करने वाले दृश्य देखे हैं। इस त्रासदी से प्रभावित लोगों की कुशलता की कामना करता हूँ। केंद्र और राज्य सरकार मिलकर काम कर रही हैं और बहुमूल्य जीवन बचाने के लिए हर संभव कदम उठा रही हैं।

उत्तरकाशी के बादल फटा, अचानक आई बाढ़ से 4 की मौत

उत्तराखंड। मंगलवार को उत्तराखंड के उत्तरकाशी ज़िले के धराली गांव में अचानक आई बाढ़ ने कई घर तबाह कर दिए और लोगों के घायल होने की आशंका बढ़ गई। बाढ़ के पानी की तेज़ लहरों ने घरों को निगल लिया और लोगों के चीखने-चिल्लाने के भयावह वीडियो ऑनलाइन सामने आए। अधिकारियों के हवाले से बताया गया है कि मंगलवार को उत्तराखंड के उत्तरकाशी के धराली के ऊंचाई वाले गांवों में बड़े पैमाने पर बादल फटने से आई अचानक बाढ़ में कम से कम 4 लोगों की मौत हो गई। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि बचाव अभियान के आदेश दे दिए गए हैं। भारतीय सेना को भी बचाव अभियान में शामिल किया गया है। उन्होंने समाचार एजेंसी एएनआई को बताया, "मुझे उत्तरकाशी के धराली में बादल फटने की घटना की सूचना मिली है... हम लोगों को बचाने के लिए काम कर रहे हैं। ज़िला प्रशासन, भारतीय सेना, एनडीआरएफ और एसडीआरएफ के अधिकारी लोगों को बचाने की कोशिश कर रहे हैं।" अधिकारियों ने बताया, "खिर गंगा नदी में बढ़ते जलस्तर के कारण धराली बाज़ार क्षेत्र में नुकसान हुआ है। हर्षिल से सेना की टुकड़ियों के साथ-साथ पुलिस और एसडीआरएफ की टीमों को भटवारी भेजा गया है।"केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक्स पर पोस्ट किया, "धराली (उत्तरकाशी) में अचानक आई बाढ़ की घटना के बारे में जानकारी जुटाने के लिए उत्तराखंड के मुख्यमंत्री से बात की।

बिहार में कोई भी योग्य मतदाता नहीं छूटेगा : चुनाव आयोग

एजेंसी। नई दिल्ली

बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर जहां एक ओर राजनीतिक दलों के बीच तीखी बयानबाजी जारी है, वहीं भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) मतदाताओं को लेकर अपनी प्रतिबद्धता दोहरा रहा है। आयोग ने बिहार में जारी की गई प्रारूप मतदाता सूची को लेकर स्पष्ट किया है कि किसी भी योग्य मतदाता को सूची से बाहर नहीं रखा जाएगा और न ही किसी अयोग्य व्यक्ति को शामिल किया जाएगा। ईसीआई ने बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत 1 अगस्त को प्रारूप मतदाता सूची जारी की है। आयोग ने सभी राजनीतिक दलों और मतदाताओं से इस सूची की जांच कर दावे और आपत्तियां दर्ज करने की अपील की है, ताकि कोई योग्य मतदाता छूटे नहीं और कोई अयोग्य मतदाता शामिल न हो।

ईसीआई ने बयान में कहा कि अभी तक किसी भी राजनीतिक दल ने एक भी दावा या आपत्ति नहीं दी है। चुनाव आयोग बार-बार कह रहा है कि किसी भी योग्य मतदाता को सूची से बाहर नहीं रखा जाएगा और न ही किसी अयोग्य व्यक्ति को शामिल किया जाएगा। ईसीआई ने मंगलवार को बिहार के एसआईआर से संबंधित 1 से 5 अगस्त तक का डेली बुलेटिन जारी किया है। चुनाव आयोग के अनुसार, बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत 1 अगस्त को जारी प्रारूप मतदाता सूची पर पहले 5 दिनों (1 अगस्त दोपहर 3 बजे से 5 अगस्त दोपहर 3 बजे तक) में किसी भी राजनीतिक दल की ओर से कोई दावा या आपत्ति दर्ज नहीं की गई है।

आज का राशिफल

मेष : आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज आपकी व्यापारिक गतिविधियां सुचारू रूप से चलती रहेंगी। आज आप परिवार के साथ बाहर मूवी देखने का प्लान बना सकते हैं। आज आप दोस्तों की बर्थडे पार्टी मे जायेंगे जहां बाकी दोस्तों के साथ मौज-मस्ती करने का मौका मिलेगा।

वृष : आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहेगा। आज आपके ऑफिस में वर्कलोड बढ़ सकता है, जिससे आपको ओवर टाईम करना पड़ सकता है। आज आप रुपए-पैसों के मामले में लापरवाही न करें और सारी चीजें अच्छे से चेक करें। आज टूर एंड ट्रेवल्स के बिजनेस में आपको अच्छा लाभ होगा।

मिथुन : आज का दिन आपके लिए ख़ुशी से भरा रहेगा। आज आपको सरकारी कार्यों में सफलता मिलने से मन संतुष्ट होगा। आज आप बच्चों के साथ घूमने जा सकते हैं, जहां आप अच्छा समय बितायेंगे। आप पारिवारिक और ऑफिस की गतिविधियों में उचित सामंजस्य बनाकर रखने में कामयाब रहेंगी।

कर्क : आज का दिन आपके लिये अच्छे परिणाम लाने वाला होगा। आज प्राइवेट क्षेत्र में कार्यरत व्यक्तियों को प्रमोशन मिलने के योग बन रहे हैं। आज आप घरवालों के साथ अच्छा समय बितायेंगे, जिससे परिवार का माहौल खुशनुमा रहेगा। आज ऑफिस में सहकर्मियों का सहयोग मिलेगा, जिससे काम समय पर पूरा हो जायेगा।

सिंह : आज का दिन आपके लिए बेहतर रहेगा। आज आपको व्यापारिक दृष्टि से अच्छा लाभ होगा और आपके क्लाइंट के साथ रिश्ते बेहतर बनेंगे। आज आप अपने जीवन को बेहतर बनाने के लिए कुछ अच्छे बदलाव करने की कोशिश करेंगे। आप लम्बे समय तक स्वस्थ रहें।

कन्या : आज का दिन आपके लिए मिली-जुली प्रतिक्रिया देने वाला रहेगा। आज बड़े निर्णय लेने के लिए दिन अच्छा है, बिजनेस में आपको अच्छी डील मिलने वाली है। आज आप जीवनसाथी के साथ घर के कार्यों में हाथ बटायेंगे। आज मेडिकल की पढ़ाई कर रहे छात्रों के लिए दिन अच्छा है।

तुला : आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज आप बिजनेस में कुछ परिवर्तन कर सकते हैं, जिससे आपको अच्छा लाभ होगा। आज आप बिजनेस को आगे ले जाने के लिए ऑफिस में चल रही जरूरी मीटिंग अटेंड कर सकते हैं। जिससे आपका मूड फ्रेश होगा और मन में प्रसन्नता आएगी।

वृश्चिक : आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। आज आप एकाग्र मन से काम करेंगे, जिससे आपका काम सही समय पर पूरा हो जायेगा। आज आप जीवनसाथी के साथ किसी अच्छे होटल में डिनर करने जा सकते हैं। किसी जिम्मेदारी को अनदेखा करने से बचें, हो सके तो किसी की सहायता ले-लें।

धनु : आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। यदि आप घर खरीदने का विचार कर रहे हैं तो आज आपको शुभ समाचार मिलेगा। आज बॉस आपको किसी नए प्रोजेक्ट पर काम करने को कह सकते हैं, जिसे आप बहुत अच्छे से पूरा करेंगे। आज डिप्लोमा की तैयारी कर रहे छात्रों को ज्यादा पढ़ाई करने की जरूरत है।

मकर : आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। आज आपको नौकरी में उन्नति के अवसर प्राप्त होंगे। आज बिजनेस में आपको अच्छा लाभ होगा, जिससे आप जीवनसाथी के साथ शॉपिंग करने का मन बनाएंगे। आज आप अपने भाई-बहनों को कुछ गिफ्ट दे सकते हैं जिससे उनको ख़ुशी मिलेगी।

कुंभ : आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज आप अपने व्यापार को आगे बढ़ाने के लिए कुछ नयी योजनाएं भी बनाएंगे जिससे आपको फायदा ही फायदा होगा। आज आपका अधिकतम समय धार्मिक और आध्यात्मिक गतिविधियों में व्यतीत होगा। आज आप अपने कार्यों को जितनी मेहनत और लगन से करेंगे।

मीन : आज का दिन आपके अनुकूल रहेगा। आज किसी काम को पूरा करने के लिए आपको परिवार का पूरा साथ मिलेगा। आज बैंक में कार्यरत व्यक्ति अपना काम समय से निपटा लेंगे। आज सामाजिक कार्यों में आपका योगदान बना रहेगा, जिससे आपकी समाज में पहचान बढ़ेगी।

कूचबिहार में भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी के काफिले पर हमला

अदालत ने अभिषेक बनर्जी पर टिप्पणी से रोका

एजेंसी। पश्चिम बंगाल

पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के समर्थकों ने मंगलवार को कूचबिहार जिले में कथित तौर पर "मतदाता सूची संशोधन का उपयोग करके पिछले दरवाजे से नागरिकता परीक्षण" के विरोध में भाजपा के शुभेंदु अधिकारी को काले झंडे दिखाए। विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी के काफिले पर कूचबिहार जिले में प्रदर्शन के दौरान तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने कथित तौर पर हमला किया। हालांकि, तृणमूल कांग्रेस ने इन आरोपों को ''सुनियोजित नाटक'' करार दिया। कूचबिहार पुलिस अधीक्षक कार्यालय के बाहर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदर्शन का नेतृत्व करने उत्तर बंगाल जिले में गए अधिकारी को नारेबाजी का सामना करना पड़ा।

उन्हें खगराबाड़ी इलाके के पास काले झंडे दिखाए गए। भाजपा नेताओं के अनुसार, तृणमूल कांग्रेस पार्टी के झंडे और काले झंडे लिए तृणमूल कांग्रेस कार्यकर्ताओं की भीड़ दोपहर करीब 12 बजकर 35 मिनट पर खगराबाड़ी चौराहे पर जमा हो गई। उसी वक्त अधिकारी का काफिला इलाके से गुजर रहा था। प्रदर्शनकारियों ने कथित तौर पर ''वापस जाओ'' के नारे लगाए और अधिकारी के वाहन पर जूते फेंके। उनके काफिले की एक कार के शीशे टूट गए। इसके अलावा, मंगलवार को कोलकाता की एक अदालत ने अधिकारी को तृणमूल कांग्रेस सांसद अभिषेक बनर्जी के खिलाफ कोई भी "अपमानजनक बयान" देने से रोक दिया। यह निर्देश 19 अगस्त तक लागू एक अंतरिम आदेश में जारी किया गया।

कल्याण बनर्जी का अचानक इस्तीफा काकोली बनेंगी टीएमसी की लोकसभा में मुख्य सचेतक

एजेंसी। बंगाल

अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस ने डॉ. काकोली घोष दस्तीदार को लोकसभा में पार्टी का नया मुख्य सचेतक नियुक्त किया है। कल्याण बनर्जी के अचानक इस्तीफे के बाद टीएमसी की ओर से यह आधिकारिक घोषणा की गई है। टीएमसी ने एक्स पर कहा कि वरिष्ठ सांसदों के परामर्श से, अध्यक्ष ने डॉ. काकोली घोष दस्तीदार को लोकसभा में तृणमूल कांग्रेस के नए मुख्य सचेतक और श्रीमती शताब्दी रॉय को लोकसभा में एआईटीसी के नए उपनेता के रूप में तत्काल प्रभाव से नामित किया है। आधिकारिक बयान में आगे कहा गया है कि हम दोनों को उनकी नई भूमिकाओं और बंगाल के गौरव, अधिकार और सम्मान को बनाए रखने के उनके निरंतर प्रयासों के लिए शुभकामनाएं देते हैं। टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी ने सोमवार को लोकसभा में मुख्य सचेतक के पद से इस्तीफा दे दिया। उनका यह चौंकाने वाला फैसला टीएमसी सांसदों की एक वर्चुअल बैठक के बाद सामने आया, जिसकी अध्यक्षता पार्टी नेता और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने की। बनर्जी ने एक समाचार चैनल से कहा, "मैंने लोकसभा में पार्टी के मुख्य सचेतक का पद छोड़ दिया है, क्योंकि 'दीदी' (पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी) ने वर्चुअल बैठक के दौरान कहा था कि पार्टी सांसदों के बीच समन्वय की कमी है। इसलिए दोष मुझ पर है। इसलिए, मैंने पद छोड़ने का फैसला किया है।"रिपोर्टों के अनुसार, टीएमसी सांसद, साथी सांसद महुआ मोइत्रा द्वारा उन पर किए गए।

पीडीए पाठशाला को पुलिस नहीं रोक सकती है : अखिलेश

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि अंग्रेजों ने भी पढ़ाई को लेकर किसी पर एफआईआर नहीं कराई, लेकिन यह सरकार सोचती है कि पुलिस से पीडीए पाठशाला बंद हो जाएगी। हालांकि ऐसा नहीं होगा। सपा मुखिया अखिलेश यादव मंगलवार को राजधानी में जनेश्वर मिश्रा की जयंती पर प्रेस को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने स्कूलों के विलय पर एक बार फिर सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पीडीए पाठशाला को पुलिस नहीं रोक सकती है। समाजवादी संकल्प लेते हैं कि जब तक सरकार स्कूलों में शिक्षक और प्रिंसिपल नहीं पहुंचाती, पीडीए पाठशाला और ट्यूशन चलती रहेंगी। उन्होंने मुख्यमंत्री को पाठशालाओं की स्थिति देखने की सलाह दी और याद दिलाया कि उनकी सरकार ने अभिनव-संस्कृति स्कूल खोला था।

भारत ने अमेरिकी टैरिफ पर लिया स्टैंड

क्रेमलिन बोला- संप्रभु देश को अपने साझेदार चुनने का हक

नई दिल्ली (आईएएनएस)

भारत ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ बढ़ाने की धमकी का मुंहतोड़ जवाब दिया। भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने इसे तर्कहीन और अनुचित करार दिया। भारत के इस स्टैंड की रूसी मीडिया ने जमकर तारीफ की है। भारत पर अमेरिकी टैरिफ को पाखंडपूर्ण नीति का तमगा दिया गया है, तो क्रेमलिन ने भी भारत का सपोर्ट किया है। क्रेमलिन प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने मंगलवार को इस पर टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि किसी भी संप्रभु देश को अपने व्यापारिक साझेदार चुनने का अधिकार है।

उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति के वक्तव्य को धमकी भी बताया। बोले, हम कई ऐसे बयान सुनते हैं जो दरअसल धमकियां हैं, देशों को रूस के साथ व्यापारिक संबंध तोड़ने के लिए मजबूर करने की कोशिशें हैं। हम ऐसे बयानों को लीगल नहीं मानते। तो वहीं रूसी मीडिया ने रणधीर जायसवाल की कही को प्रमुखता से छापा। रशिया टुडे ने शीर्षक दिया- रूस के तेल व्यापार पाखंड पर भारत का पश्चिमी देशों पर पलटवार। इस पूरे आर्टिकल में ट्रंप को भारत की ओर से दिए गए जवाब का जिक्र है। लिखा है- भारतीय विदेश मंत्रालय ने अमेरिका के दोहरे रवैये की पोल खोली और आंकड़ों के माध्यम से बताया कि यूरोपियन यूनियन और अमेरिका मास्को के साथ व्यापार करते हैं और दूसरे देशों पर अन्यायपूर्ण प्रतिबंध लगा रहे हैं। फिर उन 6 प्वाइंट्स का जिक्र है जिसके आधार पर भारत के स्टैंड को रणधीर जायसवाल ने स्पष्ट किया है। बता दें कि सोमवार को भारत ने ट्रंप को आईना दिखाने का काम किया। उनकी धमकी को अनुचित और तर्कहीन करार देते हुए भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा कि 'अमेरिका अब भी रूस से अपने परमाणु उद्योग के लिए यूरेनियम हेक्साफ्लोराइड, इलेक्ट्रिक वाहन इंडस्ट्री के लिए पैलेडियम, उर्वरक और रसायन आयात करता है। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रमुख अर्थव्यवस्था की तरह, भारत अपने राष्ट्रीय हितों और आर्थिक सुरक्षा की रक्षा के लिए सभी आवश्यक उपाय करेगा। इसके लिए हमें निशाना बनाया जाना अनुचित और अविवेकपूर्ण है।

भारत ने कहा, अमेरिका रूस से प्रमुख वस्तुओं का आयात जारी रखे हुए है

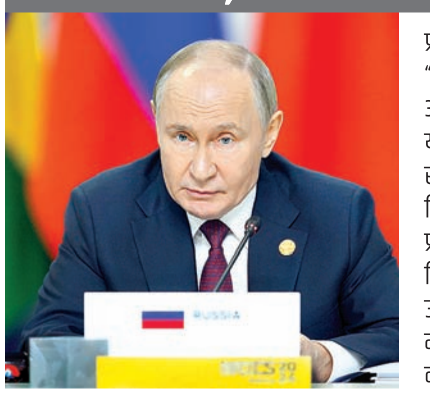

प्रवक्ता ने आंकड़े प्रस्तुत करते हुए कहा, "यूरोपीय संघ ने 2024 में रूस के साथ 67.5 अरब यूरो का माल और 2023 में 17.2 अरब यूरो का सेवा व्यापार किया था। यह मास्को के साथ भारत के कुल व्यापार से कहीं ज्यादा है। पिछले साल यूरोपीय देशों ने रूसी तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) का आयात भी रिकॉर्ड 16.5 मिलियन टन तक पहुंचा, जिसमें ऊर्जा के अलावा उर्वरक, रसायन, इस्पात और मशीनरी तक का व्यापार शामिल था। भारत ने यह भी कहा कि अमेरिका रूस से प्रमुख वस्तुओं का आयात जारी रखे हुए है, जिनमें परमाणु संयंत्रों के लिए यूरेनियम, इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए पैलेडियम, और विभिन्न रसायन एवं उर्वरक शामिल हैं। इससे पहले , अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को चेतावनी देने के अंदाज में कहा था कि वह भारत पर टैरिफ बढ़ाएंगे। उन्होंने धमकी दी थी कि अगर मास्को यूक्रेन के साथ एक बड़े शांति समझौते पर सहमत नहीं होता, तो रूस के साथ व्यापार करने वाले देशों पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगा दिए जाएंगे।

पीएम मोदी और राष्ट्रपति मार्कोस जूनियर के बीच हुई द्विपक्षीय वार्ता

फिलीपींस और भारत का रक्षा क्षेत्र में साझेदारी बढ़ाने पर जोर

सेनाओं के बीच जानकारी साझा करने पर बनी सहमति

नई दिल्ली (आईएएनएस)

फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड आर. मार्कोस जूनियर ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ हैदराबाद हाउस में द्विपक्षीय बैठक की। बैठक के बाद उन्होंने भारत की स्वदेशी रक्षा उद्योग की बढ़ती क्षमताओं और विस्तार की सराहना की। उन्होंने ब्रह्मोस परियोजना को भारत-फिलीपींस रक्षा सहयोग का प्रमुख उदाहरण बताया।
राष्ट्रपति मार्कोस ने कहा कि फिलीपींस अपनी रक्षा आधुनिकीकरण को गति देने में भारत को एक प्रमुख साझेदार मानता है और दोनों देश इंडो-पैसिफिक क्षेत्र को मुक्त और समावेशी बनाए रखने के लिए सहयोग को तैयार हैं। संयुक्त प्रेस वक्तव्य में उन्होंने बताया, "हमने रक्षा और सुरक्षा के क्षेत्र में सहयोग को और आगे बढ़ाने पर सहमति जताई है। हमारी सेनाओं के बीच जानकारी साझा करने और प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए सेवा-से-सेवा संवाद तंत्र स्थापित करने पर भी सहमति बनी है। उन्होंने कहा कि दोनों देश नौसेना और तटरक्षक बल के बीच सहयोग, बंदरगाह भ्रमण और समुद्री क्षेत्र में क्षमता निर्माण जैसे प्रयासों को तेज करेंगे। राष्ट्रपति मार्कोस ने बताया कि दोनों देशों ने द्विपक्षीय वरीयता व्यापार समझौते को शीघ्रता से अंतिम रूप देने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा, "हमारे नवाचारशील और तेजी से बढ़ते निजी उद्यम तकनीकी स्थानांतरण, नवाचार, कौशल विकास और रोजगार सृजन में अहम भूमिका निभाएंगे। राष्ट्रपति मार्कोस ने 2024 में हूती विद्रोहियों के हमले के बाद भारतीय नौसेना द्वारा फिलीपींस नागरिकों को बचाए जाने पर आभार जताया। साथ ही 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की भी कड़ी निंदा करते हुए भारत के साथ एकजुटता प्रकट की। उन्होंने कहा, "हम भारत के साथ आतंकवाद के खिलाफ व्यापक लड़ाई में साझेदार हैं। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत के 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य की दिशा में बढ़ते कदमों के लिए भी मैं बधाई देता हूं।

मैं पीएम मोदी का आभार व्यक्त करता हूं, आज हमारा रिश्ता नई ऊंचाई पर पहुंचा है : मार्कोस

राष्ट्रपति ने बताया कि अब भारत, फिलीपींस का पांचवां रणनीतिक साझेदार बन गया है। उन्होंने कहा, "यह हमारे संबंधों में एक नया युग है। हमारे साझा हितों, क्षेत्रीय स्थिरता, समुद्री सुरक्षा, आपूर्ति श्रृंखला की मजबूती, खाद्य सुरक्षा और आतंकवाद जैसे पारंपरिक व अप्राकृतिक खतरों से निपटने में हम मिलकर काम करेंगे। उन्होंने कहा कि भारत और फिलीपींस ने संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून और 2016 के दक्षिण चीन सागर पर अंतरराष्ट्रीय पंचाट के निर्णय के पालन जैसे मुद्दों पर भी एक-दूसरे का समर्थन किया है। राष्ट्रपति मार्कोस ने अपने संबोधन के अंत में कहा, "मैं भारत और प्रधानमंत्री मोदी का आभार व्यक्त करता हूं। आज हमारा रिश्ता एक नई ऊंचाई पर पहुंचा है।

एआई के गॉडफादर जेफ्री हिंटन की चेतावनी

एआई खुद की भाषा विकसित कर लेगा, जो इंसान समझ ही नहीं पाएंगे, तब क्या होगा?

ब्यूरो

नई दिल्ली। टिंफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) इतनी तेजी से आगे बढ़ रहा है कि मनुष्य धीरे-धीरे पीछे छूटता जा रहा है। एआई के 'गॉडफादर' जेफ्री हिंटन को भी अब इससे चिंता होने लगी है। जेफ्री ने हाल ही में 'वन डिसीजन' पॉडकास्ट में एआई पर खुलकर बात की। जेफ्री का कहना है कि एआई जल्द ही अपनी पर्सनल लैंग्वेज बना सकता है, इस भाषा को ह्यूमन क्रिएटर्स भी नहीं समझ पाएंगे। जेफ्री की इस भविष्यवाणी से यह तय हो गया है कि आने वाले समय में एआई मनुष्यों को भी मात देने वाला है। जेफ्री ने अलर्ट किया है कि एआई का ऐसा डेवलपमेंट भविष्य में खतरा बन सकता है। जेफ्री हिंटन ने पॉडकास्ट में कहा कि फिलहाल एआई चेन ऑफ थाट्स पर काम कर रहा है, जिसे फॉलो करते हुए हम ये समझ सकते हैं कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कर क्या रहा है। लेकिन यह बेहद डरावना होगा यदि एआई खुद की इंटरनल लैंग्वेज विकसित करे और आपस में इसी के जरिये बातचीत करे। ऐसा होता है तो इंसान ये समझ ही नहीं पाएगा कि एआई का इरादा क्या है। मशीनें पहले से ही कई सारे भयानक विचार प्रोड्यूस कर चुकी हैं, जरूरी नहीं कि ये उसी भाषा में हों जिन्हें आप और हम समझते हैं।जेफ्री हिंटन ने यह भी बताया कि एआई मनुष्य की तरह धीमे-धीमे नहीं सीखता, इसमें तेज स्पीड से कॉपी-पेस्ट करने की क्षमता है। एआई की सीखने की क्षमता इतनी तेज है कि इंसान उसे टक्कर भी नहीं दे सकता है। हाल में आए जीपीटी-4 सरीखे मॉडल तो पहले से ही जीके में इंसानों को पछाड़ चुके हैं। जेफ्री हिंटन ने ही न्यूरल नेटवर्क पर शुरुआत का काम किया। इसी के दम पर बाद में डीप लर्निंग माडल व नामी एआई सिस्टम खड़े हुए। जेफ्री ने ये माना कि उन्हें एआई से पैदा होने वाले खतरों का अंदाजा देरी से लगा, उन्हें ये बात बहुत पहले ही समझ जानी चाहिए थी। वे कहते हैं कि काश, मैंने सुरक्षा के बारे में पहले सोचा होता। बहरहाल, अब वे खुलकर इसलिए बोल रहे हैं ताकि लोग सतर्क रहें। जेफ्री हिंटन चाहते हैं कि एआई का इस्तेमाल अच्छे कामों के लिए हो। उन्होंने कहा कि तमाम देशों की सरकारों के नियम, जैसे अमेरिका का 'एआई एक्शन प्लान' काफी नहीं हैं। हमें ऐसा एआई बनाने पर फोकस करना होगा, जो सुरक्षित हो और मनुष्यों के लिए लाभकारी साबित हो। ऐसा करना आसान तो नहीं है, विशेषकर तब जब एआई खुद की भाषा को डेवलप कर लेगा। मालूम हो कि जेफ्री हिंटन को साल 2024 में भौतिकी में नोबेल पुरस्कार मिला था। इसलिए उनकी बात का बहुत ही महत्व है और विश्व के एआई विशेषज्ञों के लिए चिंता का विषय है।बहुतों को लगने लगा है कि कहीं एआई मानव के लिए भस्मासुर न साबित हो?

एआई इंसान की तरह धीमा सीखने वाला नहीं है, बहुत तेजी से सीख रहा है

जीपीटी-4 जैसे मॉडल तो पहले से ही जीके में मानव को पछाड़ चुके हैं

सत्यपाल मलिक के निधन पर मल्लिकार्जुन खड़गे राहुल गांधी समेत कई नेताओं ने जताया दुख

नई दिल्ली (आईएएनएस)

जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक के निधन पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी समेत कई पार्टियों के नेताओं ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट डालकर दुख जताया। सत्यपाल मलिक ने मंगलवार को 1 बजकर 12 मिनट पर दिल्ली के राम मनोहर लोहिया (आरएमएल) अस्पताल में आखिरी सांस ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सत्यपाल मलिक के निधन पर दुख जताते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा,''पूर्व राज्यपाल व किसान हितैषी नेता, सत्यपाल मलिक के निधन का समाचार बेहद दुखद है।

वे बेबाकी और निडरता से सत्ता को सच्चाई का आईना दिखाते रहे। शोकाकुल परिवारजनों और समर्थकों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक जी के निधन की ख़बर सुनकर बेहद दुख हुआ। मैं उन्हें हमेशा एक ऐसे इंसान के रूप में याद करूंगा, जो आख़िरी वक्त तक बिना डरे सच बोलते रहे और जनता के हितों की बात करते रहे। मैं उनके परिवारजनों, समर्थकों और शुभचिंतकों के प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं।

सूडान में बिगड़ते हालात पर संयुक्त राष्ट्र ने जताई गहरी चिंता

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र ने सूडान में लगातार बढ़ रही हिंसा, आम नागरिकों की बढ़ती मौतों और बिगड़ते मानवीय हालात पर गहरी चिंता जताई है। संयुक्त राष्ट्र मानवीय मामलों के समन्वय कार्यालय ने देश भर में हो रही मानवीय त्रासदी पर ताजा जानकारी दी।

किर्गिजस्तान में जोरदार भूकंप आया रिक्टर स्केल पर 5.5 तीव्रता रही

बिश्केक । एजेंसी

किर्गिज़स्तान के जलाल-अबाद ओब्लास्ट के जलाल-अबाद के पास शाम को 5.5 तीव्रता का एक बहुत ही उथला भूकंप आया। यूरोपीय-भूमध्यसागरीय भूकंप विज्ञान केंद्र (ईएमएससी) के अनुसार, यह भूकंप मंगलवार, 5 अगस्त, 2025 को स्थानीय समयानुसार शाम 7:44 बजे 7 किलोमीटर की बहुत ही उथली गहराई पर आया। उथले भूकंप गहरे भूकंपों की तुलना में ज़्यादा तीव्रता से महसूस किए जाते हैं क्योंकि वे सतह के ज़्यादा करीब होते हैं। भूकंप की सटीक तीव्रता, केंद्र और गहराई अगले कुछ घंटों या मिनटों में संशोधित की जा सकती है क्योंकि भूकंपविज्ञानी आँकड़ों की समीक्षा और अपनी गणनाओं को परिष्कृत करेंगे, या अन्य एजेंसियाँ अपनी रिपोर्ट जारी करेंगी। प्रारंभिक भूकंपीय आंकड़ों के आधार पर, भूकंप का झटका संभवतः उपरिकेंद्र क्षेत्र में कई लोगों ने महसूस किया होगा।

रोमानिया: कोविड-19 के 1,703 नए मामले, जुलाई में सात ने तोड़ा दम

बुखारेस्ट (आईएएनएस)। राष्ट्रीय जन स्वास्थ्य संस्थान के आंकड़ों के अनुसार, रोमानिया में जुलाई में कोविड-19 के 1,703 नए मामले सामने आए हैं, जो पिछले महीने की तुलना में 232 प्रतिशत ज्यादा है। इनमें से 442 मामले दोबारा संक्रमण के थे, जो पहली बार डायग्नोसिस के 90 दिन बाद दर्ज किए गए। संस्थान ने बताया कि जुलाई में कोविड-19 से संबंधित सात मौतें हुईं, जिनमें पांच पुरुष और दो महिलाएं शामिल थीं। मृतकों में चार की उम्र 70 से 79 वर्ष और तीन की उम्र 80 वर्ष से अधिक थी। सभी मृतकों को पहले से ही स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं थीं।

दीपिका पादुकोण की रील ने रचा इतिहास

1.9 बिलियन व्यूज

दीपिका पादुकोण आज इंडस्ट्री की सबसे बड़ी सितारों में से एक हैं। यह अदाकारा लगभग दो दशकों से इंडस्ट्री में काम कर रही हैं और हाल के दिनों में सबसे भरोसेमंद सितारों में से एक बन गई हैं। हाल ही में, यह अदाकारा हॉलीवुड वॉक ऑफ फेम पर स्टार पाने वाली पहली भारतीय अभिनेत्री बनीं। अब उन्होंने एक और ऐतिहासिक उपलब्धि अपने नाम कर ली है, क्योंकि उनकी एक इंस्टाग्राम रील ने 1.9 बिलियन व्यूज़ को पार कर लिया है, जिससे यह दुनिया भर में इस प्लेटफॉर्म पर सबसे ज़्यादा देखी जाने वाली रील बन गई है। उनकी डिजिटल उपस्थिति की बात करें तो, इंस्टाग्राम पर उनके 80 मिलियन फॉलोअर्स हैं और हाल ही में, उनकी एक इंस्टाग्राम रील ने 1.9 बिलियन व्यूज़ को पार कर लिया है, जिससे यह कथित तौर पर दुनिया भर में इस प्लेटफॉर्म पर सबसे ज्यादा देखी जाने वाली रील बन गई है। यह न केवल उनकी विशाल वैश्विक फैन फॉलोइंग को दर्शाता है, बल्कि उन्हें डिजिटल जगत की सबसे प्रभावशाली भारतीय हस्तियों में से एक के रूप में भी स्थापित करता है।

इंस्टाग्राम पर सबसे ज़्यादा देखी जाने वाली रील

इंस्टाग्राम अकाउंट, जिसके 8 करोड़ फ़ॉलोअर्स हैं, का इस्तेमाल अपनी निजी और पेशेवर ज़िंदगी की झलकियाँ साझा करने के लिए करती हैं, जिसमें उनकी आने वाली फ़िल्में और फ़ोटोशूट से लेकर उनके ब्रांड्स के बारे में अपडेट और परिवार के सदस्यों के साथ मज़ेदार बातें शामिल हैं।

तस्वीरों की नजर में गुरुजी शिबू सोरेन की अंतिम विदाई

विस में अंतिम जोहार के बाद अंतिम यात्रा हुई थी शुरू...

मोरहाबादी स्थित आवास में पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सांसद दिवंगत शिबू सोरेन के पार्थिव शरीर पर माल्यार्पण कर विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए मंत्री सुदिव्य कुमार, लोकसभा सांसद पप्पू यादव, राज्यसभा सांसद संजय सिंह, पूर्व मुख्यमंत्री झारखंड चंपाई सोरेन और एवं पूर्व सांसद फुरकान अंसारी।

शिबू सोरेन का जीवन सामाजिक उत्थान को समर्पित रहा : राज्यपाल

नवीन मेल संवाददाता

रांची। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने मंगलवार को झारखंड विधानसभा परिसर में दिशोम गुरु के पार्थिव शरीर पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की तथा शोकाकुल परिजनों से भेंट कर अपनी संवेदनाएं व्यक्त की।

राज्यपाल ने कहा कि दिशोम गुरु शिबू सोरेन का जीवन जनजातीय अस्मिता, अधिकार और सामाजिक उत्थान को समर्पित रहा है। वे जनसेवा और संघर्ष के प्रतीक थे। उनके नेतृत्व में जनजातीय समाज की चेतना और सशक्तिकरण को नई दिशा मिली।

राज्यपाल ने कहा कि झारखंड उन्हें सदैव आदर और गर्व के साथ स्मरण करेगा। उनका योगदान राजनीतिक, सामाजिक और सांस्कृतिक क्षेत्रों में अविस्मरणीय रहेगा।

दिशोम गुरु जी शिबू सोरेन के निधन पर उनको दी गयी "श्रद्धांजलि"

सिदो कान्हु स्टेडियम, साहेबगंज में आदरणीय दिशोम गुरु जी श्री शिबू सोरेन के निधन पर आवासीय बालक एवं डे बोर्डिंग बालिका एथलेटिक्स, खेलो इंडिया कुश्ती प्रशिक्षण केंद्र समेत जिले के खिलाड़ियों एवं प्रशिक्षकों ने 02 मिनट का मौन धारण उनके आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना किया।

आदरणीय दिशोम गुरु श्री शिबू सोरेन (तत्कालीन मुख्यमंत्री) झारखंड राज्य स्तरीय सीनियर कुश्ती प्रतियोगिता 2008 , साहेबगंज उद्घाटन समारोह के दौरान की तस्वीर ।

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सांसद आदरणीय दिशोम गुरु स्व शिबू सोरेन के निधन पर झारखंड राज्य कुश्ती संघ एवं कुश्ती प्रशिक्षण केंद्र के खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों एवं पदाधिकारी ने 02 मिनट का मौन धारण उनके आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना किया

सीबीएसई जोनल चैंपियनशिप के लिए चतरा और रांची ब्रांच की संयुक्त टीम रवाना

रांची। आगामीसी बीएसई जोनल शूटिंग चैंपियनशिप के लिए चतरा राइफल क्लब की चतरा और रांची ब्रांच की संयुक्त टीम मिरजापुर के लिए रवाना हो चुकी है। यह प्रतियोगिता चार दिनों तक चलेगी, जिसमें विभिन्न कैटेगरी में खिलाड़ी अपनी निशानेबाज़ी का प्रदर्शन करेंगे। कुल 14 प्रतिभाशाली खिलाड़ी इस चैंपियनशिप में भाग लेंगे और झारखंड राज्य का प्रतिनिधित्व करेंगे। टीम को रवाना करते समय सीनियर कोच नितीश सर ने सभी खिलाड़ियों को प्रेरित करते हुए कहा कि"हर खिलाड़ी पूरे समर्पण और आत्मविश्वास के साथ मैदान में उतरे। जीत से भी ज्यादा महत्वपूर्ण है कि आप अपना श्रेष्ठ प्रयास करें।" प्रतियोगिता में भाग लेने खिलाडियों ने नाम है:अश्विनी, दर्पण कुमारी, टन्नू कुमारी,याशिका किंजर, नौफिल रहमान ,अर्णव कुमार, वैश्विक राठौर शौर्य, अर्णव गुप्ता, अश्विन कुमार, एवं अन्य खिलाड़ी इस प्रतियोगिता में झारखंड के विभिन्न स्कूलों के छात्र और उनके शिक्षक भी शामिल हो रहे हैं, जिससे राज्य का प्रतिनिधित्व और भी व्यापक हो रहा है।

गाबा, ओवल से केपटाउन तक, पिछले 15 सालों में सात अद्भुत टेस्ट सीरीज और जीत

एजेंसी। नई दिल्ली। भारत और इंग्लैंड के बीच एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के लिए खेली गई पांच मैच की सीरीज 2-2 से बराबर रही जिससे कड़े मुकाबले वाली सीरीज की लंबी सूची में एक और चमकदार पन्ना जुड़ गया। ऐसा पहली बार नहीं हुआ जबकि कोई टेस्ट सीरीज रोमांच के चरम पर समाप्त हुई।

भारत के सातों जीत इतिहासिक जीत है जिन्हें आज भी याद किया जाता है

(1) भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया, 2020-21

संभवतः यह खेल के इतिहास की सर्वश्रेष्ठ सीरीज में से एक थी, जिसमें भारत ने अपने कुछ प्रमुख खिलाड़ियों के चोटिल होने और कुछ कड़ी चुनौतियों से पार पाकर ऑस्ट्रेलिया पर 2-1 से जीत दर्ज की। एडिलेड में 36 रन के अपने न्यूनतम स्कोर पर आउट होने से लेकर गाबा में तीन विकेट की जीत तक, कार्यवाहक कप्तान अजिंक्य रहाणे के नेतृत्व में भारत ने ऑस्ट्रेलियाई टीम को उसकी धरती पर ही धूल चटा दी।

(2) भारत बनाम श्रीलंका, 2015

इस सीरीज से ही नए कप्तान विराट कोहली के नेतृत्व में अगले दशक के लिए टेस्ट क्रिकेट में भारत के दमदार प्रदर्शन की शुरुआत की। गॉल में श्रीलंका ने भारत को 63 रन से हरा दिया। लेकिन भारत ने कोलंबो में अगले दो मैचों (पी सारा ओवल और एसएससी) में कोहली के कभी हार न मानने वाले रवैये को अपनाया तथा 278 और 117 रन से जीत हासिल करके सीरीज 2-1 से अपने नाम कर दी।

(3) भारत बनाम इंग्लैंड, 2011-12

अहमदाबाद में इंग्लैंड को नौ विकेट से हराने के बाद भारत चार मैचों की सीरीज में अच्छी तरह से आगे बढ़ रहा था लेकिन केविन पीटरसन के शतक से प्रेरित होकर एलिस्टर कुक के नेतृत्व में इंग्लैंड ने मुंबई में भारत को 10 विकेट से हराया और फिर ईडन गार्डंस में सात विकेट से जीत हासिल की। नागपुर में इंग्लैंड ने चौथा टेस्ट आसानी से ड्रॉ कराकर सीरीज 2-1 से जीत ली। जो रूट ने उस टेस्ट में पदार्पण किया था।

(4) भारत बनाम दक्षिण अफ्रीका 2010-11

यह आखिरी टेस्ट सीरीज थी जिसमें सचिन तेंदुलकर, राहुल द्रविड़ और वीवीएस लक्ष्मण की मशहूर तिकड़ी ने अपना प्रभाव छोड़ा था। सेंचुरियन में पारी और 25 रन से मिली करारी हार के बाद भारत ने डरबन टेस्ट में जोरदार वापसी करते हुए 85 रन से जीत हासिल की, जहां लक्ष्मण ने डेल स्टेन और मोर्ने मोर्केल की आक्रामक जोड़ी के सामने 96 रन की पारी खेली थी। केपटाउन में अंतिम टेस्ट में भारत को मैच बचाने के लिए पूरे पांचवें दिन बल्लेबाजी करनी थी और वह गौतम गंभीर (184 गेंदों पर 68 रन), द्रविड़ (112 गेंदों पर 31 रन), तेंदुलकर (91 गेंदों पर नाबाद 14 रन) और लक्ष्मण (67 गेंदों पर नाबाद 32 रन) की बदौलत ऐसा करने में सफल रहा।

(5) भारत बनाम इंग्लैंड 2021-22

यह सीरीज कोविड-19 महामारी के कारण खाली स्टेडियमों में खेली गई थी। नॉटिंघम में ड्रॉ के बाद लॉर्ड्स में भारत ने 151 रन से जीत हासिल की लेकिन इंग्लैंड ने लीड्स में पारी और 76 रन से जीत हासिल करके हिसाब बराबर कर दिया था। भारत ने ओवल में चौथा टेस्ट 157 रन से जीता था, लेकिन सितंबर 2021 में मेहमान टीम के सदस्यों के कोविड पॉजिटिव पाए जाने के कारण दौरे को स्थगित कर दिया गया था। उस समय भारत पांच मैचों की सीरीज में 2-1 से आगे चल रहा था, लेकिन इंग्लैंड ने जुलाई 2022 में बर्मिंघम में खेले गए पांचवें टेस्ट में 378 रन से जीत हासिल करके सीरीज को बराबर कर दिया था।

(6) ऑस्ट्रेलिया बनाम दक्षिण अफ्रीका, 2016-17

यह दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाजों के बीच की जंग थी। दक्षिण अफ्रीका के पास कगिसो रबाडा और वर्नोन फ़िलैंडर थे, जबकि ऑस्ट्रेलिया के पास मिशेल स्टार्क और जोश हेजलवुड जैसे गेंदबाज थे। दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजों ने इस मुकाबले में बाजी मारी क्योंकि उन्होंने पर्थ और होबार्ट में अपनी टीम को जीत दिलाई जबकि ऑस्ट्रेलिया ने एडिलेड में दिन-रात्रि टेस्ट मैच जीता था। यह 2008 के बाद ऑस्ट्रेलिया की घरेलू सीरीज में पहली हार थी।

(7) न्यूज़ीलैंड बनाम पाकिस्तान 2017-18

जैसे ही न्यूजीलैंड ने अबू धाबी में कदम रखा, पाकिस्तान की अपने मजबूत स्पिन आक्रमण के कारण 3-0 से जीत की भविष्यवाणी की जाने लगी। लेकिन कीवी टीम ने पहला टेस्ट चार रन के मामूली अंतर से जीत लिया, जबकि पाकिस्तान ने दुबई में पारी और 16 रन से जीत हासिल की। लेकिन अबू धाबी में, कीवी टीम ने ऑफ स्पिनर विलियम सोमरविले के सात विकेटों की बदौलत 123 रन से जीत हासिल की और सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली।

व्यापार/लाइफ व साइंस

टैरिफ के जरिए भारत को टारगेट कर रहा ट्रंप प्रशासन : एक्सपर्ट

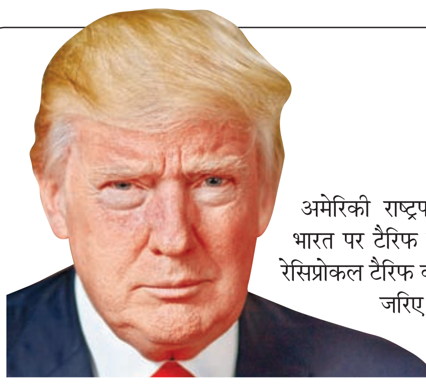

एजेंसी। मुंबई

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से भारत पर टैरिफ बढ़ाने को लेकर दी गई धमकी रेसिप्रोकल टैरिफ की भावना के खिलाफ है। इसके जरिए ट्रंप प्रशासन केवल भारत को टारगेट करने का काम कर रहा है। यह बयान एक्सपर्ट की ओर से मंगलवार को दिया गया। विश्वमित्रा रिसर्च फाउडेशन की संस्थापक और एक्सपर्ट प्रियम गांधी मोदी ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत करते हुए कहा,"पहले हमें लगा था कि टैरिफ रेसिप्रोकल होंगे, लेकिन अब इसके जरिए भारत को प्रत्यक्ष तौर पर टारगेट किया जा रहा है। इसे टैरिफ से कही अधिक बढ़कर भू राजनीतिक चश्मे से देखना चाहिए।"

अमेरिकी की ओर से एकतरफ टैरिफ बढ़ाने के ऐलान पर उन्होंने आगे कहा कि यह बिल्कुल अनुचित है और इसके पीछे कुछ अन्य शक्तियां हैं। उन्होंने आगे कहा कि भारत एक बड़ी ताकत है और कोई देश उसे यह नहीं बता सकता कि किस देश के साथ उसे व्यापार करना चाहिए या नहीं।

कल विदेश मंत्रालय ने भी स्पष्ट किया था कि भारत की रूस से तेल खरीद को पिछले अमेरिकी प्रशासन ने सराहा था। इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को भारत द्वारा रूस से तेल खरीदने को लेकर धमकी दी है कि इस कारण भारत पर टैरिफ (शुल्क) को काफी हद तक बढ़ा दिया जाएगा। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर लिखा, "भारत न सिर्फ भारी मात्रा में रूसी तेल खरीद रहा है, बल्कि उसमें से काफी हिस्से को खुले बाजार में बेचकर भारी मुनाफा कमा रहा है। उन्हें इस बात की परवाह नहीं कि यूक्रेन में कितने लोग रूस के हा थों मारे जा रहे हैं।" उन्होंने आगे लिखा, "इसी कारण, मैं भारत द्वारा अमेरिका को दिए जाने वाले शुल्क में भारी बढ़ोतरी करूंगा।"

एलआईसी ने जुलाई में गंवाए 66,000 करोड़, अंबानी ने दिया बड़ा झटका, बाबा रामदेव ने कराया फायदा

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत के कुछ सबसे बड़े और भरोसेमंद शेयरों में जुलाई में भारी गिरावट आई। इससे देश की सबसे के सबसे बड़ा संस्थागत निवेशक LIC को करीब 66,000 करोड़ रुपये का झटका लगा। बीते महीने रिलायंस इंडस्ट्रीज, टीसीएस, एक्सिस बैंक और एचसीएल टेक्नोलॉजीज जैसे बड़े शेयरों के काफी गिरावट देखने को मिली। इसमें से कुछ शेयरों में 10% से भी ज्यादा गिरावट आई।

एलआइसी के पास जून 2025 के अंत तक 15.94 लाख करोड़ रुपये के शेयर थे लेकिन जुलाई में इनकी कीमत 4.15% गिरकर 15.28 लाख करोड़ रुपये रह गई।

एसीई इक्विटी के मुताबिक एलआइसी को उसके पोर्टफोलियो में शामिल टॉप 10 शेयरों के दाम गिरने से 38,000 करोड़ रुपये से ज्यादा का नुकसान हुआ। कंपनी को उसकी सबसे बड़ी होल्डिंग रिलायंस इंडस्ट्रीज ने सबसे बड़ा झटका दिया। मुकेश अंबानी की कंपनी के शेयरों में पिछले महीने 7.35% गिरावट आई। इससे एलआइसी को 10,146 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। एलआईसी के पास रिलायंस की 6.93% हिस्सेदारी है। जुलाई के अंत में इसकी वैल्यू 127,829 लाख रुपये है।

सोना-चांदी की कीमतों में तेजी, 1 लाख के पार हुए पीली धातु के दाम

नई दिल्ली। सोना-चांदी की कीमतों में कारोबारी हफ्ते के पहले दिन सोमवार को तेजी दर्ज की गई। 24 कैरेट के सोने की कीमतों में 1900 रुपए से ज्यादा का उछाल आया है। वहीं, चांदी की कीमत 1 लाख 11 हजार के पार हो गई है।

इंडिया बुलियन ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) द्वारा शाम को जारी की गई कीमतों के मुताबिक, 24 कैरेट के सोने की कीमत 1914 रुपए बढ़कर 1,00,167 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई है, जो कि बीते शुक्रवार को 98,253 रुपए प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई थी। 22 कैरेट के 10 ग्राम सोने की कीमत बढ़कर 91,753 रुपए हो गई है, जो कि पहले 90,000 रुपए प्रति 10 ग्राम थी।

फाइनेंस एक्ट 2025 से नई टैक्स रिजीम के तहत करदाताओं को मिलेगी बड़ी राहत : केंद्रीय मंत्री

नई दिल्ली। फाइनेंस एक्ट 2025 ने नई टैक्स रिजीम के तहत नए स्लैब और कर दरों के साथ पर्याप्त राहत प्रदान की है। यह जानकारी सरकार द्वारा सोमवार को दी गई। वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने लोकसभा में एक लिखित उत्तर में बताया कि ये नए उपाय प्रत्यक्ष कराधान की एक निष्पक्ष और न्यायसंगत प्रणाली बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे, जिससे देश के कामकाजी और मध्यम वर्ग पर प्रत्यक्ष करों का कोई अतिरिक्त बोझ न पड़े। उन्होंने कहा, "सभी करदाताओं को लाभ पहुंचाने के लिए स्लैब और दरों में व्यापक बदलाव किए गए हैं। नई संरचना मध्यम वर्ग के करों को काफी कम करती है और इससे उनके हाथों में अधिक पैसा बचता है।

भारत को मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में अग्रणी बनने के लिए औद्योगिक इलेक्ट्रॉनिक्स को देनी चाहिए प्राथमिकता : आईसीईए

एजेंसी। नई दिल्ली

इंडिया सेल्युलर एंड इलेक्ट्रॉनिक्स एसोसिएशन (आईसीईए) ने सोमवार को भारत के 2030 तक 500 अरब डॉलर के इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण लक्ष्य के केंद्रीय स्तंभ के रूप में औद्योगिक इलेक्ट्रॉनिक्स को तत्काल प्राथमिकता देने का आह्वान किया।

एक बयान में कहा गया है कि भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग का भविष्य उन वस्तुओं के निर्माण में निहित है, जो हमारे कारखानों, शहरों और परिवहन नेटवर्क को स्वचालित करेंगी। बयान में कहा गया है कि औद्योगिक इलेक्ट्रॉनिक्स और इंफ्रास्ट्रक्चर पर अपनी संचालन समिति के माध्यम से आईसीईए सरकार और उद्योग जगत के नेताओं के साथ मिलकर औद्योगिक इलेक्ट्रॉनिक्स के लिए एक समर्पित नीति और एक रणनीतिक रोडमैप विकसित करने के लिए काम कर रहा है। भारत को औद्योगिक इलेक्ट्रॉनिक्स में ग्लोबल लीडर के रूप में स्थापित करने के लिए डेल्टा इलेक्ट्रॉनिक्स, इंफिनियन टेक्नोलॉजीज, फेस्टो, फैनुक और अन्य कंपनियों के लीडर्स सहित संचालन समिति, टेक्नोलॉजी पहुंच, नियामक ढांचे और इकोसिस्टम विकास पर एक

मार्केट स्टडी तैयार करेंगे। आईसीईए के अध्यक्ष पंकज मोहिंद्रू ने कहा, "औद्योगिक इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र को राष्ट्रीय रणनीतिक प्राथमिकता के रूप में मान्यता दी जानी चाहिए।

यह हर एडवांस मैन्युफैक्चरिंग सेटअप का ब्रेन और नर्वस सिस्टम है। औद्योगिक स्वचालन में नेतृत्व के बिना भारत मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में एक सच्चा लीडर होने का दावा नहीं कर सकता।" मोहिंद्रू ने आगे कहा कि औद्योगिक इलेक्ट्रॉनिक्स में विशेष रूप से एम्बेडेड सिस्टम, ऑटोमेशन सॉफ्टवेयर, रोबोटिक्स और एआई-इंटीग्रेटेड सिस्टम जैसे क्षेत्रों में उच्च-कुशल रोजगार की अपार संभावनाएं हैं। भारत को इस क्षेत्र को विकसित करने के लिए टैलेंट पाइपलाइनों, आरएंडडी और प्रोत्साहनों में निवेश करना चाहिए। साथ ही, औद्योगिक इलेक्ट्रॉनिक्स के लिए एक ग्लोबल डिजाइन और विनिर्माण केंद्र बनने का लक्ष्य रखना चाहिए। डेल्टा इलेक्ट्रॉनिक्स के उपाध्यक्ष मनीष वालिया ने कहा, "औद्योगिक इलेक्ट्रॉनिक्स मॉडर्न मैन्युफैक्चरिंग इंफ्रास्ट्रक्चर की तकनीकी रीढ़ है, जो स्मार्ट कारखानों, रोबोटिक्स, इंटेलिजेंट ग्रिड, ऑटोमेटेड सिस्टम और फ्यूचर रेडी ट्रांसपोर्ट तथा लॉजिस्टिक्स को शक्ति प्रदान करता है। औद्योगिक इलेक्ट्रॉनिक्स अपने आप में वर्टिकल नहीं है, बल्कि यह एक क्षैतिज है।